नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, सोमवार 6 अप्रैल 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 317 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

असम में चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

चाय मजदूरों को सम्मान एवं उचित मजदूरी सुनिश्चित करना प्राथमिकता : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। चाय बागानों से जुड़े शोषित, वंचित और आदिवासी समाज के साथ वर्षों से हो रहे अन्याय को अब खत्म करना होगा। असम के भाइयों-बहनों का सम्मान, अधिकार और उचित मजदूरी सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। यहां की धरती पर उमड़ रहा जनसमर्थन बदलाव की स्पष्ट आहट है। यह बातें रविवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोनारी विधानसभा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कही। श्री सोरेन ने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ चुनाव की नहीं बल्कि न्याय, पहचान और हक की है और तीर-धनुष की ताकत के साथ हम इसे लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि असम के लोगों ने मुझे अपना प्यार, स्नेह और आशीर्वाद दिया है। मुझे उम्मीद है कि असम के लोग आने वाले विधानसभा चुनावों में हमारे कैंडिडेट को वोट देंगे। सीएम हेमंत सोरेन ने लोगों को समझाया कि भाजपा लंबे समय से चाय मजदूरों को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल कर रही है। झामुमो और जय भारत पार्टी के उम्मीदवार तिहारू गौड़ के लिए चुनाव प्रचार में उन्होंने कहा कि हमारे आदिवासी न्याय के लिए लड़ रहे हैं। हम आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्गों के हक के लिए लड़ाई शुरू कर रहे हैं लेकिन भाजपा इन लोगों पर ज़ुल्म और शोषण कर रही है। खासकर हमारे चाय मजदूरों को लंबे समय से 500 रुपये की मजदूरी दी जा रही है। इसलिए, हम अपने मजदूरों के अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं और भविष्य में किसी भी सरकार को ये अधिकार देने होंगे। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि आज मुझे असम में घरों में जाने का मौका मिला। मुझे आपकी तकलीफ सुनने का मौका मिला। मैं एक चाय वर्कर के घर गया और उनकी तकलीफ देखी। वे बिना बिजली के एक छोटे से कमरे में रह रहे हैं। जब से 2016 में भाजपा सरकार आई है, हर किसी को हर चीज के लिए लाइन में लगना पड़ता है। भाजपा के मुंह में राम का नाम है लेकिन वह पीछे से चुपके से वार करती है।

सिलेंडर फटने से तीन की मौत, दो घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। पुटकी थाना क्षेत्र के मुनीडीह इलाके में देर रात लोहा काटने के दौरान हुए सिलेंडर ब्लास्ट में तीन युवकों की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक को बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया है वहीं एक घायल इलाज के दौरान अस्पताल से फरार हो गया। बताया जाता हे कि मुनीडीह इलाके में कथित तौर पर अवैध रूप से लोहा कटिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक सिलेंडर ब्लास्ट हो गया जिसकी चपेट में आकर तीन युवकों आनंद कुमार, संजय यादव और अजहरुद्दीन की जान चली गई। मृतक आनंद कुमार की मां कंचन देवी ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि मुख्तार अंसारी नामक व्यक्ति उनके बेटे को घर से बुलाकर ले गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वह भोले-भाले युवकों को पैसों का लालच देकर रात में बीसीसीएल क्षेत्र में लोहा कटिंग का काम करवाता है जिसके चलते यह हादसा हुआ। वहीं संजय यादव की मां मंजू देवी ने बताया कि उनका बेटा रात करीब 11 बजे घर से निकला था और जल्द लौटने की बात कही थी। देर रात वह गंभीर हालत में घर पहुंचा और बताया कि गैस से जल गया है। अस्पताल ले जाने के दौरान उसकी हालत बिगड़ती गई और इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। तीसरे मृतक अजहरुद्दीन का शव अभी अस्पताल के वार्ड में है जबकि आनंद और संजय यादव के शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखे गए हैं। घायलों में मो. इमामुद्दीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे रिम्स रेफर किया गया है। वहीं एक अन्य घायल इलाज के दौरान अस्पताल से फरार हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

बाइक सवार युवक को मारी गोली

गोड्डा(नबिटा ब्यूरो)। नगर थाना क्षेत्र के एनएच-133 पर गोपलाडीह गांव के पास बाइक सवार युवक को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। बताया जा रहा है कि हमलावर तीन की संख्या में थे। वे भी बाइक पर सवार थे। उन्होंने चलते-चलते ही युवक पर चार राउंड फायरिंग कर दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान अमरपुर निवासी असगर अंसारी के रूप में हुई है।

सर्पदंश से मौत

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। कोडरमा थाना क्षेत्र के लोचनपुर गांव में 42 वर्षीय महिला की सांप काटने से मौत हो गई। मृतका की पहचान सुनीता देवी के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार सुनीता देवी अपने खेत में गेहूं की फसल उठाने के लिए गई थीं। इसी दौरान फसल के बीच छिपे एक जहरीले सांप ने उन्हें डंस लिया। इसके बाद सुनीता देवी वहीं खेत में बेहोश होकर गिर पड़ीं। घटना के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था जिससे उन्हें तुरंत मदद नहीं मिल सकी।

बुजुर्ग को गोली मारकर लूट

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के पांकी थाना अंतर्गत जोबला गांव में शनिवार रात बेखौफ अपराधियों ने एक 55 वर्षीय बुजुर्ग को गोली मार दी। घायल की पहचान बैजनाथ सिंह के रूप में हुई है जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एमएमसीएच) रेफर किया गया है। गोली उनके पैर में लगी है। घटना रात करीब 9 बजे की है, जब बैजनाथ सिंह अपनी पत्नी के साथ घर के बाहर बैठे थे। इसी दौरान चार हथियारबंद अपराधी वहां पहुंचे और जबरन घर में घुसकर लूटपाट शुरू कर दी। विरोध करने पर अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी और मौके से फरार हो गए।

बस मालिक ने की आत्महत्या

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले में 'गौतम डीलक्स' नामक बस के मालिक धर्मेंद्र सिंह उर्फ पिंटू सिंह ने कथित तौर पर मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि शनिवार रात उन्होंने विषपान कर लिया। परिजन उन्हें तत्काल बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग के आरोग्यम अस्पताल ले गए लेकिन वहां पहुंचते ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। धर्मेंद्र सिंह चतरा सदर थाना क्षेत्र के जंगी पंचायत अंतर्गत देवरिया गांव के निवासी थे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

गढ़वा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के कितासोती गांव के पास अचानक बाइक के अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट जाने से युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के रबदा केवालपर गांव निवासी गोलू उर्फ अमरेश कुमार विश्वकर्मा के रूप में की गई है।

अंतरराज्यीय ट्रक चोर गिरोह का भंडाफोड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। जिला पुलिस ने अंतरराज्यीय ट्रक चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह हाईवे पर ट्रक चालकों को निशाना बनाकर उन्हें नशीला पदार्थ खिलाता था और बेहोश होने के बाद ट्रक लेकर फरार हो जाता था। पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को बालूमाथ क्षेत्र में एक संदिग्ध ट्रक के घूमने की गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और एक आरोपी को ट्रक के साथ धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिहार के भागलपुर जिले के हबीबपुर निवासी आदित्य राज उर्फ आदित्य कुमार उर्फ मनन चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कई अहम खुलासे किए हैं। उसने स्वीकार किया कि वह अपने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में इस तरह की वारदातों को अंजाम देता था। गिरोह के सदस्य पहले ट्रक चालकों से दोस्ती करते थे। फिर मौका देखकर उन्हें नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर देते थे। चालक के अचेत होते ही वे ट्रक लेकर फरार हो जाते थे। आरोपी ने अपने अन्य साथियों एखलाक खान, राजेश यादव और टुनु यादव के नाम भी बताए हैं, जिनकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने 42 नशीली गोलियां, 17 हजार रुपये नकद और ट्रक का जीपीएस निकालने के उपकरण बरामद किए हैं। इनमें प्लास और पेचकस जैसे औजार शामिल हैं। आरोपी ने खुलासा किया कि ट्रक चोरी करने के बाद वे सबसे पहले उसका जीपीएस डिवाइस निकालकर नष्ट कर देते थे ताकि वाहन की लोकेशन ट्रेस न हो सके। इसके बाद चोरी किए गए ट्रकों को पश्चिम बंगाल के पन्नागढ़ इलाके में ले जाकर बेच दिया जाता था। पुलिस इस नेटवर्क के अन्य कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। चतरा पुलिस अब इस गिरोह के फरार सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। साथ ही पुलिस इस मामले को अन्य कांडों से जोड़कर गहन जांच में जुट गई है जिससे पूरे गिरोह का नेटवर्क उजागर किया जा सके। पुलिस ने ट्रक चालकों और आम नागरिकों से अपील की है कि सफर के दौरान अनजान लोगों द्वारा दी गई किसी भी खाने-पीने की वस्तु का सेवन न करें। इस कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है जिससे हाईवे पर सक्रिय आपराधिक गिरोहों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

डैम में डूबने से दो युवकों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। जिले के छिपादोहर थाना अंतर्गत गम्हरिया डैम में डूबने से आदिम जनजाति समुदाय के दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान विशाल परहिया और मनोज परहिया के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद दोनों के शव को बरामद कर लिया है। दोनों युवक छिपादोहर के रहने वाले थे। दरअसल दोनों युवक गम्हरिया डैम में नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान अचानक एक युवक गहरे पानी में डूबने लगा। उसे बचाने के क्रम में दूसरा युवक भी गहरे पानी में चला गया और डूब गया। दोनों युवकों को डूबता देख आसपास के लोग शोर मचाने लगे और बचाने का भी प्रयास किया लेकिन तब तक दोनों गहरे पानी में डूब चुके थे। बाद में काफी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को डैम से बाहर निकाला गया लेकिन दोनों युवकों की मौत हो गई थी। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कर दी थी। हालांकि गहरे पानी में डूबने के कारण दोनों युवकों को बचाया नहीं जा सका। इस संबंध में थाना प्रभारी यकीन अंसारी ने बताया कि नहाने के दौरान दोनों युवक की डूबने से मौत हुई है। मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेजा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक मनोज परहिया मुख्य रूप से बरवाडीह का रहने वाला था लेकिन वह छिपादोहर में अपने ससुराल में ही रहता था। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है। दोनों युवक अपने-अपने परिवार के एकलौता कमाने वाले सदस्य थे।

ट्रक की चपेट में आने से दो युवकों की गयी जान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। जिले के बालूमाथ-खलारी पथ पर बहेरा गांव के पास सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब कोयला लदा तेज रफ्तार ट्रक सामने से आकर उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान बालूमाथ थाना क्षेत्र के तेतरियाखांड गांव निवासी 25 वर्षीय कामेश उरांव और 28 वर्षीय बिजेंद्र उरांव के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक मोटरसाइकिल से बालूमाथ से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बहेरा गांव के समीप ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर बालूमाथ-खलारी मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। लोगों का कहना था कि आए दिन इस सड़क पर तेज रफ्तार भारी वाहनों के कारण हादसे होते रहते हैं लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। आक्रोशित ग्रामीणों ने दोषी चालक पर सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

झारखंड में टेक्नोलॉजी का महाकुंभ, रोबोटिक्स फ़ेस्टिवल से चमकेगा युवाओं का हुनर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में तकनीकी शिक्षा को नई दिशा देने की तैयारी शुरू हो चुकी है। राज्य के विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा, नवाचार और तकनीकी कौशल को मंच देने के लिए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग पहली बार झारखंड रोबोटिक्स फ़ेस्टिवल आयोजित करने जा रहा है। यह आयोजन न केवल छात्रों के लिए एक प्रतियोगिता होगी बल्कि भविष्य की टेक्नोलॉजी दुनिया में कदम रखने का बड़ा अवसर भी साबित होगा। फ़ेस्टिवल की तिथि की घोषणा जल्द की जाएगी लेकिन इसकी रूपरेखा और महत्व ने अभी से छात्रों और संस्थानों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। इस फ़ेस्टिवल में राज्य के सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्र भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए तकनीकी मॉडल तैयार करने के लिए प्रेरित करना है। खासतौर पर झारखंड से जुड़ी चुनौतियों जैसे खनन, कृषि, आपदा प्रबंधन या ग्रामीण जरूरतों के समाधान के लिए रोबोट विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रत्येक टीम में अधिकतम पांच छात्र होंगे और यह अनिवार्य किया गया है कि हर टीम में कम से कम दो छात्राएं शामिल हो। इसके साथ ही प्रत्येक टीम को एक फैकल्टी मेंटर का मार्गदर्शन मिलेगा जिससे छात्रों को तकनीकी और शोध आधारित सहयोग प्राप्त हो सके। फ़ेस्टिवल में रोबोटिक्स की कुल 11 श्रेणियां रखी गई हैं, जिनमें स्वायत्त ग्राउंड रोबोट, टेली-ऑपरेटेड रोबोट, मल्टी-यूटिलिटी रोबोट, एआई आधारित सेवा रोबोट, अंडरवाटर रोबोट, ड्रोन, ह्यूमनॉइड रोबोट, रोबोटिक आर्म्स और अन्य अत्याधुनिक मॉडल शामिल हैं। इससे छात्रों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार क्षेत्र चुनने का अवसर मिलेगा। पूरे आयोजन को पांच चरणों में बांटा गया है, ताकि विचार से लेकर मॉडल तक की यात्रा व्यवस्थित तरीके से पूरी हो सके। पहले चरण में छात्र ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने इनोवेटिव आइडिया प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद विशेषज्ञों की टीम इन प्रस्तावों की जांच कर लगभग 120 टीमों को शॉर्टलिस्ट करेगी। तीसरे चरण में ये टीमें अपने विचारों का विस्तृत प्रजेंटेशन देंगी, जिनमें से 40 टीमों का चयन प्रोटोटाइप विकास के लिए किया जाएगा। चौथे चरण में चयनित 40 टीमों को अपने मॉडल तैयार करने के लिए दो-दो लाख रुपये की अनुदान राशि दी जाएगी। यह राशि छात्रों को अपने आइडिया को वास्तविक रूप देने में मदद करेगी। अंतिम चरण में रांची विज्ञान केंद्र में फाइनल प्रतियोगिता आयोजित होगी, जहां शीर्ष तीन टीमों का चयन किया जाएगा। खास बात यह है कि विजेता टीमों के रोबोट को विज्ञान केंद्र में स्थायी रूप से प्रदर्शित भी किया जाएगा। पुरस्कार राशि भी इस फ़ेस्टिवल को खास बनाती है। प्रथम स्थान पाने वाली टीम को पांच लाख रुपये और उनके फैकल्टी मेंटर को 50 हजार रुपये मिलेंगे। द्वितीय स्थान के लिए तीन लाख और तृतीय स्थान के लिए दो लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा पांच सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

डिजिटल दौर में भी पुस्तक मेले के प्रति बढ़ा आकर्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के रणधीर वर्मा स्टेडियम में आयोजित पुस्तक मेला इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मेले में हर वर्ग के लोग पहुंच रहे हैं लेकिन भीड़ के मुकाबले किताबों की खरीद कम नजर आ रही है। डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के बीच पढ़ने की आदतों में बदलाव साफ दिख रहा है। हालांकि पुस्तक प्रेमियों के बीच अब भी किताबों का महत्व बरकरार है। पुस्तक मेले में एक ओर जहां विभिन्न विषयों और धर्म, साहित्य, इतिहास से जुड़ी किताबों की भरमार है। वहीं दूसरी ओर पब्लिशर्स उम्मीद के मुताबिक सेल्स पर भरोसा कर रहे हैं। गिरिडीह के कबीर ज्ञान प्रकाशन के प्रतिनिधि दीपक कुमार बताते हैं कि उनके स्टॉल पर संत कबीर, भागवत गीता और सनातन धर्म से संबंधित करीब 80 प्रकार की पुस्तकें उपलब्ध हैं। उनके अनुसार आज के समय में लोगों के हाथों में मोबाइल फोन है जिससे पढ़ने की आदतों में बदलाव आया है। युवाओं में पहले जैसा पुस्तकों के प्रति रुझान कम हुआ है लेकिन जो लोग पढ़ने के शौकीन हैं वे आज भी किताबों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बीच में किताबों की बिक्री घटी थी लेकिन अब डिजिटल के साथ-साथ फिर से लोगों की रुचि किताबों की ओर बढ़ रही है। वहीं पीजी की छात्रा नेहा का कहना है कि पुराने लेखकों की किताबें अक्सर ऑनलाइन या बाजार में उपलब्ध नहीं होती हैं। ऐसे में पुस्तक मेला एक बेहतर मंच साबित होता है, जहां दुर्लभ किताबें आसानी से मिल जाती हैं। उनका मानना है कि डिजिटल माध्यम कितना भी विकसित हो जाए लेकिन किताबों से मिलने वाला ज्ञान कहीं और नहीं मिल सकता। पुस्तक प्रेमी किशन कुमार गोयल के अनुसार किताब पढ़ने का अनुभव डिजिटल माध्यम से बिल्कुल अलग होता है। उन्होंने कहा कि मोबाइल पर लोग चीजों को जल्दी-जल्दी देखते हैं और भूल जाते हैं जबकि किताबें गहराई से समझने का अवसर देती हैं। उनके मुताबिक एक लेखक की सालों की मेहनत और अनुभव एक किताब में समाहित होता है जिससे पाठक को व्यापक ज्ञान मिलता है। हालांकि मेले में स्टॉल लगाने वाले कई छोटे प्रकाशकों के लिए खर्च और बिक्री के बीच संतुलन बनाना चुनौती बना हुआ है। बावजूद इसके बच्चों और पुस्तक प्रेमियों के बीच मेले को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। कुल मिलाकर डिजिटल दौर के प्रभाव के बावजूद पुस्तक मेले आज भी ज्ञान और साहित्य के प्रति लोगों की रुचि को जीवित रखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बने हुए हैं।

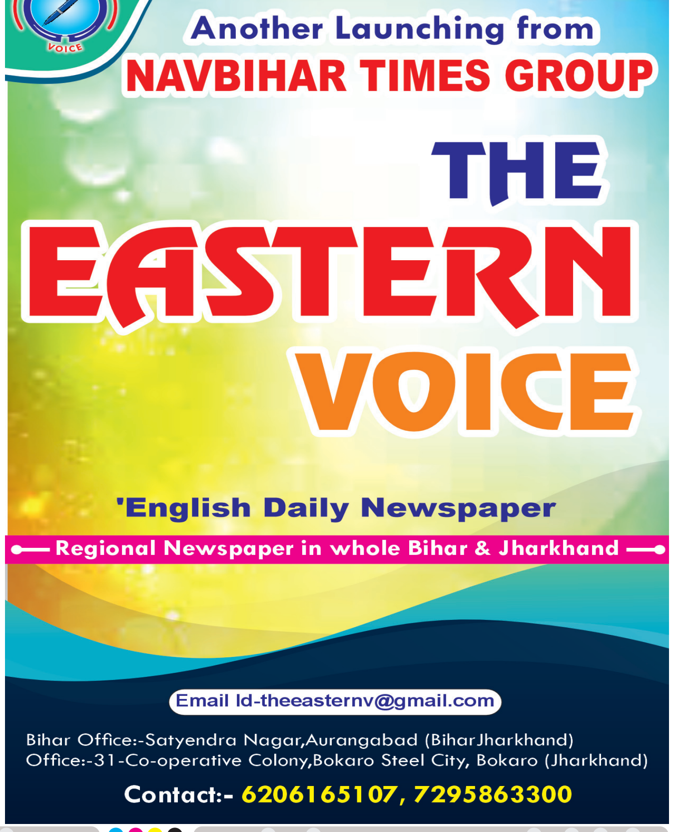

शिविर में 50 दिव्यांगों को लगे कृत्रिम अंग, कई लाभुकों को सहायक उपकरण मिला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर द्वारा सामाजिक दायित्वों के तहत आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर ह्यउम्मीद की किरणह्व का सफलतापूर्वक समापन हो गया श्री महावीर सेवा संस्थान, कोलकाता के सहयोग से बजरंग चौक स्थित ईश्वर स्मृति भवन में आयोजित इस शिविर में कुल 50 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग लगाकर उन्हें नई गति प्रदान की गई।

पंजीकरण एवं वितरणः शिविर में कुल 65 लोगों का पंजीकरण हुआ, जिसमें 50 लोगों को कृत्रिम पैर/हाथ लगाए गए 4 लाभुकों को व्हीलचेयर 7 को वैशाखी 2 को छड़ी 2 दिव्यांगों को वॉकर प्रदान किया गया.इस शिविर का लाभ गिरिडीह के अलावा गोड्डा, जामताड़ा, देवघर, धनबाद, बोकारो तथा पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले से पहुंचे लोगों ने भी उठाया समापन समारोह में ह्यलंगटा बाबा स्टील प्राइवेट लिमिटेडह्व के सीएमडी मोहन साव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने रोटरी क्लब के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया शिविर को सफल बनाने में संयोजक सीए दीपक सोंथालिया, विकाश शर्मा, सुजय राज गुप्ता, सचिव सीए रवि गाडिया सहित कई सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। सहयोगी सदस्यों में ई. अजय कुमार गुप्ता, राजेंद्र तरवे, सीए आकाश रौशन, सीए ब्रह्मदेव प्रसाद, रंजीत लाल, सीए सुमित अग्रवाल, मनीष कुमार, अमित कुमार, दीपक चिरानिया, राजन कुमार, अनिल मिश्रा, सीए राकेश कुमार, सीए प्रवीण कुमार, सुदीप्तो समान्ता, गौरव सिंघानिया, ज्योति प्रकाश गुप्ता, अभिषेक छापरिया सहित अन्य सदस्य शामिल रहे महावीर सेवा सदन के डॉ. कौलिक घौराई एवं उनकी टीम—रामजी राय, राजेश हनवल, इसराफिल खान, मोहम्मद नौशाद ने तकनीकी सेवाएं प्रदान कीं। साथ ही अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति (सृजन शाखा) की अध्यक्षा प्रिया जैन, निकी गाड़िया तथा टफकॉन टीएमटी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस शिविर के माध्यम से जरूरतमंद दिव्यांगों को नई जिंदगी और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण सहारा मिला, जिससे समाज में सकारात्मक संदेश गया।

माले जिला कमिटी की दो दिवसीय बैठक सम्पन्न, लिए गए कई निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बगोदर विधानसभा क्षेत्र के बेको में माले जिला कमिटी की दो दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें संगठन विस्तार, जनआंदोलन और आगामी कार्यक्रमों को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में जिले के सभी प्रखंडों होगा बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जिला सम्मेलन 13 और 14 जून को गिरिडीह विधानसभा के मधुबन में धूमधाम से आयोजित किया जाएगा, जिसमें हजारों कार्यकताओं की गोलबंदी की जाएगी। साथ ही 22 अप्रैल तक सभी केडर का रिन्यूअल करने की

के जिला कमिटी सदस्य एवं राज्य कमिटी के सदस्य मौजूद रहे जिला कमिटी के सचिव अशोक पासवान ने कहा कि लिए गए सभी निर्णयों को सफल बनाने के लिए सभी लीडर और केडर को आपसी तालमेल के साथ आंदोलनात्मक रवैया अपनाने की जरूरत है।

उन्होंने संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया पूर्व विधायक विनोद सिंह ने कहा कि पूरे जिले में जनता के मुद्दों पर आंदोलन को तेज करना होगा। उन्होंने नए परिसीमन को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बूथ पर संगठन निर्माण की दिशा में अभी से काम शुरू करने की आवश्यकता बताई पोलित ब्यूरो सदस्य जनार्दन प्रसाद ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि जिला, राज्य, प्रखंड और ब्रांच स्तर के सभी कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। किसी भी प्रकार की कोताही से संगठन विस्तार प्रभावित अंतिम तिथि तय की गई है राज्य कमिटी के सदस्यों ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जमीनी हकीकत की जांच की जाएगी। यदि योजनाएं धरातल पर नहीं उतर रही हैं तो संबंधित विभाग और अधिकारियों को चिन्हित कर आंदोलन तेज किया जाएगा।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिला मुख्यालय से लेकर सभी 13 प्रखंडों में जनता के मुद्दों को लेकर आंदोलन तेज किया जाएगा। सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया जाएगा तथा उपायुक्त को भी इन मामलों से अवगत कराया जाएगा।संगठन विस्तार के तहत छात्र संगठन आईसा, इंकलाबी नौजवान सभा, महिला संगठन एप्वा, झामस, मजदूर संगठन, अखिल भारतीय किसान महासभा एवं खेमस जैसे संगठनों को मजबूत करने तथा महिला और युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

संक्षिप्त समाचार

मैट्रिक व इंटर परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उर्तीण छात्र-छात्राएं सम्मानित

कटोरिया/बांका (नबिटासं)। कटोरिया नगर पंचायत अन्तर्गत मदरसा तनवीरूल इस्लाम परिसर में रविवार को अंजुमन इस्लामिया कमेंटी की ओर से मैट्रीक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया।जिसकी अध्यक्षता प्रोफेसर मौलाना खुरशीद आलम जियाई ने की। वही मेघावी छात्र छात्राओं को मेडल डायरी कलम और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई।वही अंजुमन इस्लामिया कमेंटी की ओर से समाज सेवियों पत्रकारों अधिवक्ताओं को भी सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि कटोरिया नगर पंचायत के उपचैयरमेन प्रतिनिधि फकरे आलम मौजूद रहें।वही मंच पर बैठे वक्ताओ ने कहा कि जीवन सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत समर्पण ओर अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओ को प्रेरित करते हुए कहा कि वे समय का सदुपयोग करें नैतिक मूल्यों को अपनाएं ओर एक जिम्मेदार नागरिक बनने का प्रयास करें।उन्होनें छात्र छात्राओं के साथ संवाद कर उनके भविष्य की योजनाएं के बारे में भी ली। और उन्हे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।इंटरइंटरमीडिएट व मैट्रीक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चांदनी खातुन ,नुसरत खातुन ,जासमीन खातुन ,रूखसार खातुन ,मेहर खातुन ,साहिन निशा,मो मुबारक अंसारी ,मो हामिद रजा,मो आरिफ अंसारी ,मासुक अंसारी ,जिसान अंसारी सहित सैकड़ों की संख्या में छात्र छात्राओं मौजूद थे।आयोजन समिति के सदर सफिक्रुर रहमान सिक्रेट्री मो इकरामुल खंजाती सनाउल अंसारी व सत्रार अंसारी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिये।

मेघा अंक लाने वाले छात्रों को किया सम्मानित

चांदन/बांका (नबिटासं)। पंचायत के नावाडीह स्थित एस के एकेडमी में आज रविवार को इंटर व मैट्रिक परीक्षा में मेघा अंक लाने वाले छात्र छात्राओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर कोचिंग के शिक्षक सुनील कुमार एवं अशोक सुमन ने कार्यक्रम में खुशी कुमारी, खुशबू कुमारी, अन्नू कुमारी, सोनम कुमारी ,चंदन कुमार,मितेश कुमार,मनीष कुमार,कृष कुमार,सुभाष कुमार स्मृति कुमारी,अंजली कुमारी,सुहानी कुमारी,विनायक कुमार,आजाद कुमार रूपेश यादव सहित दर्जनों छात्र-छात्रों को मेडल देकर सम्मानित किया।साथ ही सभी उत्साहवर्धन कर के उज्वल भविष्य की कामना किया।

पूर्व प्रमुख सह जदयू नेता पलटन यादव का निधन

चांदन/बांका (नबिटासं)। चांदन प्रखंड के पूर्व प्रमुख सह जदयू के वरिष्ठ नेता पलटन प्रसाद यादव का बीते निधन हो होगा।शनिवार की रात करीब नौ बजे चांदन ब्लॉक के समीप उनके नीजी आवास पर निधन हो गया।जो लंबे समय से बीमार चल रहे थे और दिल्ली एम्स में उनका इलाज चल रहा था।बताया जाता है कि वे कुछ दिन पूर्व अपने माता के श्राद्ध कर्म में शामिल होने के लिए दिल्ली से अपने घर लौटे थे। इससे पहले उनकी माता जी का भी निधन हो चुका था।जिससे परिवार पहले से ही गहरे दुख में डूबा हुआ था।उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और देखने वाले आंखें नम हो उठी।आज रविवार को पुस्तैनी गांव कोरिया स्थित नदी घाट में हिन्दू विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।जहां हजारों की संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े।उनके पुत्र सुभाष कुमार उर्फ बबुआ यादव ने मुखाग्नि ने दी। इस दौरान माहौल बेहद गमगीन रहा।अंतिम यात्रा में बांका सांसद गिरधारी यादव के छोटे भाई लालधारी यादव,बेलहर के पूर्व विधायक रामदेव यादव, जदयू राजनीतिक सलाहकार ओंकार यादव,पूर्व मुखिया सुरेश यादव, शिव शंकर शर्मा,पवन यादव, भैरो मारिक, बैजनाथ यादव, शीबू यादव, मोहन यादव, नीतीश यादव, बैचू यादव सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग शामिल हुए और श्रद्धा सुमन अर्पित किए।पलटन प्रसाद यादव, बांका सांसद गिरधारी यादव के परम मित्र माने जाते थे। उनके निधन पर सांसद ने गहरा दुख व्यक्त किया है। बताया जाता है कि जब भी सांसद क्षेत्र भ्रमण पर आते थे, वे पलटन प्रसाद यादव से मुलाकात किये बिना नहीं लौटते थे।पलटन प्रसाद यादव एक मिलनसार, सरल और जनप्रिय नेता थे। वे अगड़े, पिछड़े और दलितों को समान भाव से सम्मान देने के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से क्षेत्र ने एक कद्दावर नेता, समाजसेवी, खेल प्रेमी एवं जन-जन के हितैषी को खो दिया है। वे हमेशा अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और जनसेवा के लिए याद किये जाएंगे।

छठ घाट निर्माण में बड़ा खेल, अमरपुर नगर पंचायत में 18 लाख की योजना पर भ्रष्टाचार के आरोप

अमरपुर/बांका (नबिटासं)। नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों में अनियमितता का एक और मामला सामने आया है। वार्ड संख्या 11 स्थित पैन बांध पर बन रहे छठ घाट निर्माण में खुलेआम भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण स्थल पर योजना से जुड़ा कोई सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है, जिससे लागत और संवेदक की जानकारी छिपाई जा रही है। आरोप है कि तय मानकों को दरकिनार कर चिमनी ईंटों की जगह घटिया और छालटी ईंटों का इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं मिट्टी युक्त बालू से निर्माण कर गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है। वार्ड पार्षद तारा देवी के पुत्र शिवेंद्र कुमार ने बताया कि करीब 18 लाख की लागत वाली इस योजना में गड़बड़ी पाए जाने पर उन्होंने काम रुकवाया था, लेकिन ठेकेदार द्वारा दोबारा काम शुरू कर दिया गया। यहां तक कि विरोध करने पर धमकी देने का भी आरोप है। वहीं कनीय अभियंता विपिन कुमार ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है और काम रुकवा दिया गया है, सोमवार को जांच की जाएगी। अब सवाल है कि जांच के बाद क्या कार्रवाई होती है और क्या भ्रष्टाचार पर लगाम लग पाएगी या फिर जांच सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएगी।

11 अप्रैल को भाजपा जिलास्तर पर मनायेगी ज्योतिबा फूले जयंती समारोह : संजय सरावगी

पटना (नबिटासं)। महान समाज सुधारक एवं सत्यशोधक समाज के संस्थापक ज्योतिबा राव फूले की 199वीं जयंती भाजपा 11 अप्रैल को समारोह के रूप मे बिहार के सभी संगठनात्मक 52 जिलों मे मनायेगी।जिसको ले कर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने ज्योतिबा फूले जयंती समारोह कार्यक्रम का संयोजक भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी प्रभात मालाकार को बनाया है। कार्यक्रम के जरिये पार्टी महात्मा फूले के विचारों और आदर्शो को जन जन तक पहुंचायेगी।साथ ही कार्यक्रम को लें कर सभी जिलों मे भी कार्यक्रम संयोजक भी बनायें गये है।

महिला मारवाड़ी समिति सृजन ने दिव्यांग को दिया व्हील चेयर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। महिला मारवाड़ी समिति, सृजन गिरिडीह शाखा द्वारा रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर में एक सराहनीय पहल करते हुए जरूरतमंद दिव्यांग सरफराज अंसारी को व्हील चेयर प्रदान किया गया।

इस सेवा कार्य के माध्यम से समिति ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए जरूरतमंद व्यक्ति को सहारा देने का कार्य किया, जिससे उपस्थित लोगों ने भी इस पहल की प्रशंसा की कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति की अध्यक्ष प्रिया जैन, सदस्य निकी गाड़िया, कोमल केडिया, सोनाली सिंघानिया लीना झुनझुनवाला सहित रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर के सदस्यगण की सक्रिय भूमिका रही शिविर में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन लाभान्वित हो रहे हैं और इस तरह के सामाजिक कार्यों से समाज में सकारात्मक संदेश भी जा रहा है।

बिना टेंडर नदी से बालू उठाव जारी, प्रशासन पर उठे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में नदी से अवैध रूप से बालू उठाव का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, जब बालू घाट का टेंडर जारी ही नहीं हुआ है, तब भी खुलेआम नदी से बालू निकासी की जा रही है। इससे प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।मिली जानकारी के मुताबिक, नदी किनारे दिनदहाड़े मशीनों और नावों के माध्यम से बालू निकाला जा रहा है। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि कई जगहों पर बालू लोडिंग का कार्य जारी है, जबकि इस संबंध में कोई वैध अनुमति या टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह के अवैध खनन से सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं पर्यावरण पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। नदी के जलस्तर में कमी और किनारों के कटाव की समस्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो यह अवैध कारोबार और भी बढ़ सकता है प्रशासन की चुप्पी पर सवालः अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले पर क्या कदम उठाता है और अवैध बालू उठाव पर कब तक रोक लग पाती है।

जमुआ व बेंगाबाद में गहराया जल संकट, नल-जल योजना पर उठे गंभीर सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के जमुआ और बेंगाबाद प्रखंड क्षेत्रों में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। एक ओर जहां जमुआ क्षेत्र में गर्मी के आगमन से पहले ही तालाब और कुएं सूखने की कगार पर हैं, वहीं बेंगाबाद के दस्मोरिया गांव में पिछले एक वर्ष से नल-जल योजना पूरी तरह ठप पड़ी है। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बेंगाबाद प्रखंड के दस्मोरिया गांव में नल-जल योजना के तहत जलमीनार (पानी टंकी) का निर्माण तो कराया गया, लेकिन कुछ ही महीनों में यह व्यवस्था बंद हो गई।

गांव के कई चापाकल भी खराब पड़े हैं, जिससे लगभग 500 की आबादी वाले इस गांव के लोग दूर-दराज से पानी लाने को मजबूर हैं ग्रामीणों का कहना है कि मोटर खराब होने के कारण योजना बंद पड़ी है, लेकिन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। कई बार शिकायत के बावजूद केवल आश्वासन ही मिला है जमुआ में भी गंभीर हालात जमुआ क्षेत्र में भी स्थिति चिंताजनक है। कई गांवों में सोलर प्लेट तो लगा दिए गए हैं, लेकिन घर-घर पाइपलाइन नहीं बिछाई गई। कहीं पानी टंकी बनने के बावजूद जलापूर्ति शुरू नहीं हो पाई है। अधूरे कार्यों और पाइपलाइन की खामियों के कारण लोगों को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। कांग्रेस नेता अनिल चौधरी ने इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए कहा कि नल-जल योजना ह्लहाथी के दांतह्व साबित हो रही है दिखाने के लिए कुछ और, जमीन पर कुछ और। उन्होंने प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग की है, ताकि गर्मी में स्थिति और न बिगड़े विभाग का पक्ष पीएचईडी विभाग के जेई राज आनंद ने बताया कि दस्मोरिया में योजना बंद होने की जानकारी मिली है। एक चापाकल की मरम्मत कराई गई है और अन्य की मरम्मत पाइप उपलब्ध होने के बाद की जाएगी। उन्होंने एक माह के भीतर जलापूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया है।ग्रामीणों में आक्रोश वहीं ग्रामीणों और समाजसेवियों का आरोप है कि अब तक न तो किसी चापाकल की सही मरम्मत हुई है और न ही कोई अधिकारी स्थिति का जायजा लेने गांव पहुंचा है। विभाग और ग्रामीणों के बयानों में विरोधाभास से स्थिति की गंभीरता साफ झलक रही है। जमुआ और बेंगाबाद में नल जल योजना की धीमी और अधूरी क्रियान्वयन व्यवस्था ने लोगों को बुनियादी जरूरत पेयजल के लिए जूझने पर मजबूर कर दिया है। यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में यह संकट और विकराल रूप ले सकता है।

भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारतीय जनता पार्टी महानगर जिला के लेदा मंडल एवं कोवाड़ मंडल में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण शिविर 4 अप्रैल को सेनादोनी पंचायत के कोल्हारिया में प्रारंभ हुआ था शिविर में कुल सात विषयों कार्य विस्तार, भाजपा का इतिहास, कार्य पद्धति, बूथ प्रबंधन, सोशल मीडिया, वैचारिक अधिष्ठान एवं अंत्योदय—पर अलग-अलग वक्ताओं द्वारा सात सत्रों में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर, वर्गगीत एवं वंदे मातरम गाकर किया गया था, जबकि समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मनोज पांडे एवं मनोहर यादव के साथ जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार राय, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रकाश सेठ, जिला कार्यसमिति सदस्य देवराज, सुरेश मंडल, नारायण पांडे, पंकज देव, शिव कुमार यादव, मंटू देव, जागेश्वर यादव, दिलचंद वर्मा, विनय मिश्रा, मनोज मंडल, अनिल साव, रणवीर यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 300 से अधिक मरीजों को मिला लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मर्सी हॉस्पिटल द्वारा अपने प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर रविवार को अस्पताल परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 300 से अधिक मरीजों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लिया शिविर के दौरान जनरल सर्जरी, हड्डी रोग, मेडिसिन, स्त्री रोग, बाल रोग, दंत रोग, त्वचा रोग, गर्भ रोग एवं ईएनटी से संबंधित मरीजों की जांच की गई। साथ ही मरीजों को बेहतर इलाज की सलाह दी गई और दवाइयों व जांच पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट भी प्रदान की गई। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को एक ही स्थान पर सभी प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और उन्हें बेहतर उपचार के प्रति जागरूक करना था। इस स्वास्थ्य शिविर में जनरल सर्जन डॉ. अनुज अनिल लड़ा, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. रोटेर उदीन, फिजिशियन डॉ. शहजाद रेश, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. लीलावती पांडेय, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका अग्रवाल, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. विशाल छाबड़ा एवं डॉ. सौरभ जगलानी (कोलकाता), गर्भ रोग विशेषज्ञ डॉ. मुनिल कुमार, जनरल फिजिशियन डॉ. आनंद कुमार, अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञ डॉ. निखिल सिंह, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. फरहा आपत, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. अमन कुमार तथा ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. विवेक चौकिया सहित अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने पश्चिम चम्पारण जिले के वाल्मीकिनगर में विभिन्न योजनाओं का किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना । मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज पश्चिम चम्पारण जिले के वाल्मीकिनगर में विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। साथ ही कई विकास कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने वाल्मीकिनगर के दोन नहर शाखा सेवा पथ के पुनर्स्थापन कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि दोन नहर शाखा सेवा पथ के पुनर्स्थापन का कार्य लगभग 80 प्रतिशत पूरा हो गया है। नहर के तटबंध पर बने सड़क का पक्कीकरण कराया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि इसे जल्द पूर्ण करें। सिंचाई हेतु यह नहर काफी उपयोगी है। इस नहर से बड़ी संख्या में किसानों को लाभ होगा। सरकार किसानों के हित में लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने गंडक बांध जलाशय के सामने लव-कुश ईको टुरिज्म पार्क के निर्माण कार्य का जायजा लिया और वहां उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। साइट प्लान के माध्यम से अधिकारियों ने लव-कुश ईको टुरिज्म पार्क में निर्माण कराये जा रहे विभिन्न भागों के संबंध में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग के अतिथि भवन तथा वाल्मीकिनगर ईको पार्क का भी भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने गंडक बराज पहुंचकर वहां की स्थिति का जायजा

लिया। मुख्यमंत्री ने वाल्मीकि सभागार परिसर से 'ईको पर्यटन केन्द्र-वाल्मीकिनगर, प्रमण्डल-2, वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष्य का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने गिद्ध संरक्षण केन्द्र, गोनौली एवं चिउटाहां का उद्घाटन किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने जंगल सफारी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे यहां आने वाले पर्यटकों को जंगल भ्रमण में काफी सुविधा होगी। वाल्मीकिनगर को ईको पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये सरकार द्वारा कई विकासात्मक कार्य कराये गये हैं। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, सांसद श्री सुनील कुमार, कुमार, विधायक श्री नंदकिशोर राम, विधायक श्री राम सिंह, विधायक श्री विनय बिहारी, विधायक श्री समृद्ध वर्मा, विधान पार्षद श्री भीष्म सहनी, पूर्व विधायक श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आनंद किशोर, जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री संतोष कुमार मल्ल, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पर्यटन विभाग के सचिव श्री नीलेश रामचन्द्र देवरे, तिरहुत प्रमण्डल के आयुक्त श्री गिरिवर दयाल सिंह, चम्पारण प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री हरकिशोर राय, पश्चिम चम्पारण के जिलाधिकारी श्री तरणजोत सिंह, बेतिया के पुलिस अधीक्षक श्री शौर्य सुमन, बगहा की पुलिस अधीक्षक श्रीमती निर्मला कुमारी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

रेलवे ने हाथियों की सुरक्षा को उठाये महत्वपूर्ण कदम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले बरकाकाना-बरवाडीह रेलखंड पर हाथियों की आवाजाही लंबे समय से बड़ी चुनौती रही है। इस चुनौती से निपटने के लिए रेलवे के महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

धनबाद रेल मंडल में, खासकर खलारी क्षेत्र में अक्सर जंगली हाथियों के झुंड रेल लाइन पार करते हैं, जिससे ट्रेन दुर्घटनाओं में उनकी मौत की घटनाएं सामने आती रही हैं। इसे देखते हुए रेलवे ने इस इलाके को हाथी प्रभावित क्षेत्र घोषित कर महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

धनबाद रेल मंडल के डीआरएम अखिलेश मिश्र ने बताया कि इस रेलखंड पर ट्रेनों की अधिकतम गति 25 किमी/घंटा निर्धारित कर दी गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में लोको पायलट समय रहते ट्रेन को नियंत्रित कर सकें।

साथ ही, यहां ऑटोमेटिक अलार्म सिस्टम लगाया जा रहा है, जो हाथियों की मौजूदगी का संकेत मिलते ही ट्रेन चालक और रेलवे कर्मियों को सतर्क करेगा। इस पहल से मानव-वन्यजीव टकराव को कम करने की दिशा में मदद मिलने की उम्मीद है।

प्रेस वार्ता में एडीआरएम इंफ्रा अमित कुमार, सीनियर डीसीएम मनीष सौरभ और मोहम्मद इकबाल समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों का कहना है कि रेलवे पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर गंभीर है और इस तरह के उपाय भविष्य में अन्य संवेदनशील रेलखंडों पर भी लागू किए जा सकते हैं।

झारखंड में हाथियों का मानव बस्तियों और रेलवे ट्रैक के पास आना एक बड़ी समस्या बन चुकी है। झारखंड वन विभाग के अनुसार, राज्य में हर साल हाथियों के हमले और ट्रेन हादसों में कई हाथियों की मौत हो जाती है। इसका मुख्य कारण जंगलों का सिमटना, खनन गतिविधियों का विस्तार और हाथियों के पारंपरिक मार्ग

(कॉरिडोर) का बाधित होना है। विशेषज्ञों का मानना है कि रेलवे की यह पहल सराहनीय है, लेकिन इसके साथ ही हाथी कॉरिडोर को सुरक्षित रखना, जंगलों का संरक्षण और स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना भी जरूरी है। तभी इंसान और वन्यजीवों के बीच संतुलन कायम किया जा सकता है।

अवैध माइका खनन से उजड़ रहा हाथियों का आशियाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा वाइल्ड लाइफ के छतरबर क्षेत्र में इन दिनों अवैध माइका खनन ने जंगल और वन्यजीवों के अस्तित्व पर बड़ा संकट खड़ा कर दिया है।

आरआईटी (रामगोविंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी) संस्थान से करीब दो किलोमीटर अंदर से शुरू होकर लगभग आठ किलोमीटर क्षेत्र में फैले जंगल में खनन माफियाओं ने 50 से अधिक छोटे-बड़े अवैध खदान बना दिए हैं।

यह इलाका वन्य प्राणी आश्रयणी के रूप में अधिसूचित है, जहां किसी भी प्रकार की गैरवाणिकी गतिविधि पूरी तरह प्रतिबंधित है। बावजूद इसके दिन-रात हो रहे खनन और विस्फोटों ने यहां के प्राकृतिक संतुलन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है।

कभी जंगली हाथियों का स्थायी ठिकाना रहा यह क्षेत्र अब उनके लिए असुरक्षित हो गया है। लगातार हो रहे विस्फोट और जंगलों की कटाई से हाथी अपने प्राकृतिक आवास छोड़कर कोडरमा और रजौली अनुमंडल क्षेत्र में पहुंच रहे हैं, जहां उत्पात मचा रहे हैं। 26 फरवरी को जयंती माइंस के पास विस्फोटक की चपेट में हाथियों का झुंड आ गया था, जिससे झुंड बिखर गया।

छतरबर से बिहार सीमा दिबौर और झरकी विशनपुर तक जयंती, बुढ़िया, लकरमंदवा, खैरा, तुमरईया, बंडा और ललकी माइंस जैसे बड़े खदानों के अलावा दर्जनों नए अवैध खदान विकसित कर दिए गए हैं। यहां से निकाला गया माइका छतरबर, पुतो, बेकोबार, डुमरीडीहा रोड और मोरियावां के गोदामों तक पहुंचाया जा रहा है।

वन्यप्राणी आश्रयणी क्षेत्र की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कोडरमा-रजौली पथ एनएच-20 के एलाइनमेंट को झारखंड उच्च न्यायालय ने वन्यजीवों की सुरक्षा के मद्देनजर बदलने का निर्देश दिया है। बावजूद अवैध खनन पर रोक नहीं लग पा रही है।

अधिकतर माइका कोडरमा के छतरबर इलाके के एक बड़े माइका गोदाम में लाकर एकत्रित किया जाता है। इसके अलावा छतरबर से पुतो होते हुए बेकोबार, डुमरीडीहा रोड और मोरियावां के माइका गोदामों में यह अवैध माल जाता है।

आश्रयणी क्षेत्र में अवैध खनन की स्थिति को गूगल मैप पर भी आसानी से देखा जा सकता है। हालांकि जंगली क्षेत्र में मैप से लाइव तस्वीर दिखाई नहीं देती, लेकिन जानेवाले कई रास्तों में वाहनों की आवाजाही देखी सकती है।

हफ्तों से पानी के लिए तरस रहे हरिजन बस्ती के लोग

महिलाओं ने बाल्टी लेकर किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पोटका। प्रखंड के हेंसड़ा स्थित हरिजन बस्ती में पेयजल संकट ने गंभीर रूप ले लिया है। यहां रहने वाले करीब 20 परिवार पिछले 25 दिनों से पानी की भारी किल्लत झेल रहे हैं। बस्ती में मौजूद एकमात्र चापाकल खराब पड़ा है, जिससे लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

पानी की समस्या से त्रस्त महिलाओं का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाएं बाल्टी, डेगची और हंडी लेकर खराब चापाकल के पास जमा हुईं और जोरदार प्रदर्शन किया। महिलाओं ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नाराजगी जताते हुए जल्द से जल्द चापाकल की मरम्मत की मांग की। ग्रामीण बेनामी मुखी, मोनी मुखी और महावीर मुखी ने बताया कि बस्ती में यही एकमात्र चापाकल है, जो पिछले 25

दिनों से खराब है। कई बार विभाग, पंचायत मुखिया और जल सहिया से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि चापाकल से बेहद कम पानी निकल रहा है, जिससे एक बाल्टी पानी भरने में काफी समय लग रहा है और महिलाओं के हाथों में दर्द तक होने लगा है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हरिजन बस्ती तक विकास की किरणें अब तक नहीं पहुंची हैं। प्रशासन की उदासीनता से नाराज महिलाओं ने अनोखे तरीके से प्रदर्शन कर विभाग की ‘कुंभकरणीय नींद’ तोड़ने की कोशिश की। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक कार्रवाई करता है।

सीओ पर गिरी गाज

हाजीपुर। कर्तव्यहीनता और अनुशासनहीनता के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार किया है। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने राघोपुर के अंचलाधिकारी दीपक कुमार को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया है। उन्हें राघोपुर से हटाकर जिला जन शिकायत कोषांग, वैशाली में योगदान देने का आदेश दिया गया है। जिलाधिकारी ने यह कड़ी कार्रवाई सीओ द्वारा कार्यों में रुचि न लेने, बिना अनुमति मुख्यालय से गायब रहने और बीते रविवार को रुस्तमपुर में हुई एक हिंसक झड़प में उनकी भूमिका के मद्देनजर की है। वहीं, राघोपुर के राजस्व अधिकारी राजीव रंजन चौधरी को अंचलाधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मालूम बीते रविवार को रुस्तमपुर थाना क्षेत्र के रुस्तमपुर गांव में भूमि विवाद के दौरान दो पक्षों के बीच अंचलाधिकारी दीपक कुमार और राघोपुर थाना के पुलिस पदाधिकारी की मौजूदगी में हिंसक झड़प हो गई थी।

इस घटना में दो महिलासमेत 15 लोग घायल हो गए थे। पीड़ित पक्ष ने विवाद के लिए अंचलाधिकारी को जिम्मेदार ठहराया था।

सरहुल शोभा यात्रा सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। झारखंड की प्रकृति, संस्कृति, परंपरा का महान त्योहार सरहुल के अवसर पर खूंटी जिला सरहुल महा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खूंटी जिला के विभिन्न क्षेत्रों से पारंपरिक पोशाक में हजारों हजार की संख्या में महिला पुरुष, बुढ़ा बुढ़ी, बच्चों ने विशाल शोभा यात्रा में सामिल हुए। सभी लोग बाजे गाजे, के साथ नाचते गाते हुए खूंटी नगरी में भ्रमण करते हुए अखरा तक गये। सड़क के दोनों ओर खड़े हो कर नगर वासीयों द्वारा शोभा यात्रा में सामिल लोगों का जोश व खरोश के साथ स्वागत किया गया है। शोभा यात्रा में सामिल लोगों को देख कर यह प्रतित हो रहा है कि आज भी आदिवासी प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर उसे संरक्षित करने की काम कर रहे हैं। सरहुल जल जंगल जमीन के प्रति आस्था और सम्मान की त्योहार है। शोभा यात्रा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए खूंटी एसडीओ दीपेश कुमारी, डीएसपी वरूण रजक, डीसी एल आर अजय कुमार ओझा सहित जिला प्रशासन मौजूद रहे। शोभा यात्रा में विशेष रूप से दुर्गा वती ओड़ेया,मगन मंजित तिड़ू,झामुमो नेता सुशिल पाहान, नगर पार्षद जूही प्रियंका तोपनो आदि सामिल थे। ज्ञात हो कि इस से पूर्व अखिल भारतीय सरना धर्म समाज के बैनर तले अलग से सरहुल पूज और शोभा यात्रा निकाला गया है। अखिल भारतीय सरना धर्म समाज द्वारा आयोजित इस समारोह में मूल सरना धर्म समाज के लोगों को शामिल किया गया है। अर्थात जो आदिवासी मूल रूप प्रकृति के उपाशक है तथा आदिवासी के मूल परंपरा, संस्कृति, संस्कार, सभ्यताओं , धर्म का पालन करते हैं वैसे आदिवासी ही सामिल हुए थे। उक्त सरहुल मिलन समारोह एवं शोभा यात्रा में लोकसभा पूर्व उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व विधायक कोचे मुंडा, नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी, प्रमुख छोटराय मुंडा, भिम सिंह मुंडा, जगरनाथ मुंडा सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

श्रमिक नेता अवध किशोर सहाय का निधन

कोयलांचल में शोक की लहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड की श्रमिक राजनीति और सामाजिक क्षेत्र के लिए एक बड़ी क्षति की खबर सामने आई है। अवध किशोर सहाय का शनिवार देर रात असर्फी अस्पताल में निधन हो गया। वे झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व केंद्रीय महासचिव तथा दी झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के जोनल अध्यक्ष थे। उनके निधन से पूरे कोयलांचल क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

अवध किशोर सहाय मजदूरों के हक और अधिकार की लड़ाई के एक मजबूत और सम्मानित चेहरा रहे। उन्होंने वर्षों तक कोयला मजदूरों की आवाज बनकर संघर्ष किया और सामाजिक क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन को संगठन और समाज के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

शोकाकुल परिवार में उनके पुत्र अमरेंद्र सहाय (मुन्ना), जो सरकारी अधिवक्ता एवं धनबाद बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं, तथा अमितेश सहाय, जो झारखंड इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं, सहित पूरा सहाय परिवार गहरे दुःख में है।

परिवार के अनुसार, स्वर्गीय सहाय की अंतिम यात्रा रविवार सुबह 10 बजे उनके चिरागोड़ा स्थित आवास से निकाली जाएगी, जो मुनीडीह कपाल घाट तक जाएगी, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

झारखंड इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड एसोसिएशन सहित विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल दें।

डायन-बिसाही के चक्कर में 13 वर्षीया बालिका की हत्या

महिला तांत्रिक गिरफ्तार, भेजी गयी जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़ । विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में घटी 13 वर्षीय बच्ची हत्याकांड ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। इस मामले में बच्ची की मां, उसके करीबी सहयोगी भीम राम और गांव की तांत्रिक महिला शांति देवी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

आरोप है कि अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र के प्रभाव में मासूम बच्ची की निर्मम हत्या की गई। घटना ने न सिर्फ एक परिवार को तोड़ा, बल्कि दूसरी ओर एक और घर को संकट में डाल दिया। गिरफ्तार तांत्रिक महिला शांति देवी के अपने घर की कहानी भी कम दर्दनाक नहीं है। पति ईश्वर हजाम की मृत्यु के बाद उसने तंत्र-मंत्र का सहारा लिया। वर्ष 2016 में उसके बेटे मुरली ठाकुर की मौत हो गई।

बेटे की मौत के बाद बहू तीन छोटे बच्चों को छोड़ अपने चचेरे देवर के साथ मुंबई चली गई और दूसरी शादी कर ली। तब से तीनों बच्चों विशाल, विक्की और खुशी की परवरिश की जिम्मेदारी दादी शांति देवी पर आ गई।

आज विशाल लगभग 22 वर्ष का है और मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जाता है।

विक्की 18 वर्ष का होकर पढ़ाई छोड़ चुका है, जबकि 13 वर्षीय खुशी सातवीं कक्षा में पढ़ती है। दादी के जेल जाने के बाद सबसे अधिक असर खुशी पर पड़ा है।

घर में कमाने वाला कोई नहीं, सहारा भी सीमित। बताया जाता है कि वह अपने बड़े भाई को छोड़ कहीं जाने को तैयार नहीं थी। स्थिति की जानकारी मिलने पर विष्णुगढ़ के प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार गांव पहुंचे। उन्होंने परिवार को तत्काल सहायता देने का भरोसा दिया।

अंत्योदय योजना के तहत पीला राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू कराई गई। गैस कनेक्शन दिलाने की पहल हुई। खुशी का नामांकन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कराने की कोशिश की गई।

शुरूआत में खुशी ने बड़े भाई को छोड़ने से इंकार कर दिया, लेकिन काफी समझाने के बाद वह तैयार हुई। कुसुंभा मुखिया दुलार चंद पटेल भी उसे समझाने में जुटे रहे।

बीडीओ ने मानसिक रूप से अस्वस्थ बड़े भाई के इलाज की भी बात कही। मौके पर जेएसएलपीएस के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की बैठक आयोजित कर तंत्र-मंत्र, डायन-बिसाही और अंधविश्वास से दूर रहने की अपील की गई।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिंह ने चिकित्सकीय टीम के साथ पहुंचकर परिवार के सभी सदस्यों की स्वास्थ्य जांच की।

इधर गिरफ्तार बच्ची की मां के बेटे ने कहा कि यदि उसकी मां दोषी है तो उसे सजा मिलनी चाहिए, लेकिन जांच पूरी निष्पक्ष होनी चाहिए। बहन ने भी यही बात दोहराई।

बच्ची के पिता ने कहा कि गला दबाकर हत्या की बात कही जा रही है, लेकिन इसका स्पष्ट साक्ष्य सामने आना चाहिए। गांव में पुलिस कार्रवाई को सामान्य कानूनी प्रक्रिया माना जा रहा है, लेकिन घटना ने अंधविश्वास के खतरनाक असर पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। एक मां पर बेटी की हत्या का आरोप और दूसरी मां जैसी दादी का जेल जाना दोनों ने गांव के दो परिवारों को गहरे दुख में डाल दिया है।

महिला सशक्तिकरण खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। यूनिक एंड यूनिटी फाउंडेशन के तत्वावधान में स्वस्थ बोकारो - स्वस्थ भारत के उद्देश्य से मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम सेक्टर 4 में द्वितीय महिला सशक्तिकरण खेलकूद प्रतियोगिता में एथलेटिक्स एवं रचनात्मक व आकर्षक इवेंट फिट फैमिली रिले रेस, माता पिता की उपस्थिति में पांच वर्ष से कम उम्र बच्चे का रेस, एथलेटिक्स, रस्साकशी और म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर चंद्रभूषण शुक्ला, जिला खेल समन्वयक, झारखंड सरकार, शशांक शेखर, सहायक महाप्रबंधक, प्रो. राज कुमार सचिव, सरस्वती विद्या मंदिर, पंकज कुमार मिश्रा प्रधानाचार्य, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सरक्टर 2ए, विनय कुमार पांडेय ने 45 वर्ष के नीचे ग्रुप ए, 45 वर्ष से ऊपर ग्रुप बी एवं 5 वर्ष से कम उम्र के सभी विजेता महिलाओं एवं बच्चों को पुरुस्कार देकर सम्मानित किए।

झारखण्ड पहुंचे तेजस्वी यादव, साधे कई निशाने

कार्यकर्ताओं दिखा गजब का उत्साह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के बीच शीतयुद्ध ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। इसी बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव का दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है।

सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर बढ़ते तनाव के संकेतों के बीच तेजस्वी का यह दौरा महज औपचारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक हस्तक्षेप के रूप में देखा जा रहा है। तेजस्वी यादव ने झारखंड पहुंचकर न सिर्फ जमीनी हालात का आकलन किया, बल्कि एक तीर से कई निशाने भी साधे। सम्मेलन के जरिए उन्होंने राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ तौर पर यह संदेश दिया कि राजद को गठबंधन में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह बयान उस पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण

है, जब राज्य में गठबंधन के भीतर अंदरूनी खींचतान की चचाएं तेज हैं।

तेजस्वी ने अपने बयान में यह भी संकेत दिया कि आगामी चुनावों में राजद अधिक सीटों पर दावा पेश कर सकता है। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में तालमेल के तहत राजद को छह सीटें मिली थीं, जिनमें से चार पर पार्टी ने जीत दर्ज की थी। इस प्रदर्शन को आधार बनाकर अब पार्टी अपने राजनीतिक कद के अनुरूप हिस्सेदारी चाहती है। उनका यह रुख आने वाले चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

तेजस्वी यादव ने पार्टी को कमजोर करने या तोड़ने की कोशिशों पर भी निशाना साधा। उन्होंने बिना नाम लिए विरोधी ताकतों पर आरोप लगाया कि वे गठबंधन की एकजुटता को कमजोर करना चाहती हैं।

इस बयान को झारखंड की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में एक स्पष्ट चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। उनका यह दौरा केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं, बल्कि इससे पार्टी के विधायकों और स्थानीय नेताओं को भी स्पष्ट संदेश गया।

उन्होंने संगठन को मजबूत करने, कार्यकताओं को सक्रिय रखने और राजनीतिक रूप से सजग रहने पर जोर दिया। यह संकेत भी दिया गया कि आने वाले समय में राजद झारखंड की राजनीति में और अधिक आक्रामक भूमिका निभा सकता है।

तेजस्वी यादव का यह दौरा झारखंड के सियासी परिदृश्य में नए समीकरणों की आहट दे रहा है। जहां एक ओर गठबंधन के भीतर संतुलन साधने की चुनौती है, वहीं दूसरी ओर सहयोगी दलों के बीच ताकत दिखाने की होड़ भी तेज होती नजर आ रही है।

ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में यह सियासी संकेत किस दिशा में आगे बढ़ते हैं और गठबंधन की एकता पर इसका क्या असर पड़ता है?

43 निजी विद्यालयों से जबाव तलब

भागलपुर। भागलपुर में शिक्षा विभाग ने आरटीई के तहत नामांकन में गड़बड़ी को गंभीरता से लेते हुए 43 निजी विद्यालयों पर सख्ती दिखाई है। विभाग ने सभी स्कूलों से जवाब तलब किया है। जिला शिक्षा विभाग ने आरटीई (शिक्षा का अधिकार) के तहत नामांकन में लापरवाही बरतने वाले 43 निजी विद्यालयों पर सख्त रुख अपनाया है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्राथमिक शिक्षा) की ओर से पत्र जारी किया गया है। पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में वर्ग-एक में नामांकन के लिए चयनित बच्चों को स्कूलों ने दाखिला नहीं दिया, जो नियमों का उल्लंघन है। विभागीय जानकारी के अनुसार, ज्ञानदीप पोर्टल पर चयन प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद 69 बच्चों का नामांकन संबंधित स्कूलों में नहीं लिया गया। इसे गंभीर अनियमितता माना गया है। शिक्षा विभाग का कहना है कि आरटीई के तहत चयनित छात्रों का नामांकन लेना सभी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के लिए अनिवार्य है।

प्रदेश में राजस्व वसूली को ले लातेहार रहा अव्बल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। खनिज संपदा से मालामाल झारखंड का लातेहार जिला इन दिनों सचमुच सोना उगल रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस जिले ने खनन राजस्व के मामले में ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जिसने पूरे राज्य को पीछे छोड़ दिया।

755.20 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले जिले ने 1510.86 करोड़ रुपये की वसूली कर 200 प्रतिशत से अधिक राजस्व संग्रहण का इतिहास रच दिया। इस जबरदस्त उछाल के पीछे सबसे बड़ा हाथ कोयला खनन का रहा। कुल 607.24 करोड़ रुपये सिर्फ कोयला से आए, जिसमें सीसीएल मगध परियोजना ने अकेले 445.29 करोड़ रुपये देकर सबसे बड़ा योगदान दिया। इसके अलावा डीवीसी तुबेद कोल माइंस और सीसीएल तेतरियाखांड से भी मोटी आमदनी हुई। कोयले के अलावा अन्य खनिज और मदों से भी राजस्व की झड़ी लगी। रिजर्व प्राइस, पत्थर, ईंट-मिट्टी, मैनेजमेंट फीस और अपफ्रंट पेमेंट जैसे स्रोतों ने खजाना भरने में अहम भूमिका निभाई। खास बात यह रही कि जेएमबीएल सेस के तहत भी भारी-भरकम राशि वसूली गई।

दिलचस्प बात यह है कि लातेहार का यह प्रदर्शन कोई एक साल का करिश्मा नहीं है। इससे पहले 2024-25 में भी जिले ने 534.51 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले 636.69 करोड़ रुपये जुटाकर रिकॉर्ड बनाया था। यानी लगातार दो साल से यह जिला अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है।

इधर, अवैध खनन पर प्रशासन की सख्ती ने भी राजस्व बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। साल भर में करीब 4 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया, 388 वाहन जब्त किए गए और 51 मामले दर्ज हुए। 54 हजार टन से ज्यादा अवैध खनिज जब्त कर यह साफ संदेश दिया गया कि नियम तोड़ने वालों की अब खैर नहीं।

लूट का विरोध करने पर मारी गोली

मेदिनीनगर (पलामू)। जिले के पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत जोबला गांव में शनिवार देर रात लूटपाट के दौरान विरोध करना एक अधेड़ को भारी पड़ गया। अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल की पहचान जोबला गांव निवासी बैजनाथ सिंह (50) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, बैजनाथ सिंह शनिवार रात अपनी पत्नी के साथ घर के बाहर बैठे थे। इसी दौरान चार नकाबपोश अपराधी वहां पहुंचे और लूटपाट का प्रयास करने लगे। जब बैजनाथ सिंह ने इसका विरोध किया, तो अपराधियों ने उन पर गोली चला दी।

अस्पताल की व्यवस्था देख भड़के डीडीसी

- जीविका दीदी की रसोई की स्थिति भी बदहाल
- लोगों को फटकार लगाने के साथ दी गई चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सहरसा। बिहार के सहरसा सदर अस्पताल में रविवार को डीडीसी गौरव कुमार के औचक निरीक्षण से हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान वार्डों में कई पंखे बंद मिले, जिससे उमस में मरीज बेहाल नजर आए। वहीं जीविका रसोई में गंदगी और गंदे बर्तनों की स्थिति देखकर डीडीसी ने कड़ी नाराजगी जताई।

डीडीसी गौरव कुमार ने अस्पताल पहुंचते ही सबसे पहले इमरजेंसी और विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। कई जगह पंखे बंद मिलने पर उन्होंने तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उमस भरे माहौल में मरीजों की हालत देख वे भड़क उठे और संबंधित कर्मियों को जमकर फटकार लगाई।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में संचालित जीविका रसोई की स्थिति भी बेहद खराब पाई गई। वहां साफ-सफाई का अभाव था और बर्तन गंदे पड़े थे। इस पर डीडीसी ने जिम्मेदार कर्मचारियों को सख्त चेतावनी देते हुए स्वच्छता मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा।

डीडीसी के अचानक निरीक्षण की सूचना मिलते ही कई कर्मचारी हड़बड़ी में अस्पताल पहुंचे। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. राज नारायण प्रसाद और अस्पताल प्रबंधक सिंपी कुमारी भी मौजूद रहीं। डीडीसी ने अस्पताल में पूर्व में हुई चोरी की घटना पर भी चिंता जताते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए।

सिविल सर्जन डॉ. राज नारायण प्रसाद ने बताया कि डीडीसी द्वारा बताई गई सभी कमियों को दूर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही अस्पताल की व्यवस्था दुरुस्त कर ली जाएगी।

मदरसा में छापेमारी के दौरान पिस्टल सहित अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर चकिया थाना क्षेत्र स्थित एक मदरसे में छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक पिस्टल सहित कुछ संदिग्ध और आपत्तिजनक सामान बरामद किया है।

आशंका जताई जा रही है कि यहां किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बनाई जा रही थी।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को इनपुट मिला था कि मदरसा परिसर में आपराधिक गतिविधियों की साजिश रची जा रही है। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरे परिसर की सघन तलाशी ली। तलाशी के दौरान बरामद सामान को जब्त कर लिया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने फिलहाल बरामद वस्तुओं के उपयोग को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। उनका कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी सामानों की बारीकी से जांच की जा रही है। गौरतलब है कि इसी मदरसे से कुछ दिन पहले पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से जुड़े आरोपी उस्मान सुल्तान उर्फ याकूब को गिरफ्तार किया गया था। इस वजह से यह मामला और भी संवेदनशील माना जा रहा है।

पुलिस ने घटनास्थल से मिले सुरागों के आधार पर आगे की कार्रवाई तेज कर दी है और संभावित ठिकानों पर भी छापेमारी जारी है। साथ ही, चकिया थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

सुरक्षा के मद्देनजर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

स्थानीय लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच पूरी होने के बाद पूरे मामले का विस्तृत खुलासा किया जाएगा।

स्वच्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी अभियान में श्रमदान को जुटे लोग

प्रत्येक रविवार को एक घंटा होगा श्रमदान : विजय कुमार मिट्ठू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को स्वच्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी अभियान के बैनर तले दिनकर घाट जनकपुर में श्रमदान कर स्थानीय लोगों ने श्रमदान कर साफ- सफाई करने का काम किया। साफ-सफाई कार्यक्रम में अभियान के संयोजक विजय कुमार मिट्ठू, सह संयोजक जद यू के वरिष्ठ नेता विनोद कुमार, जन शिक्षण संस्थान के रवींद्र कुमार, वार्ड नंबर 50 के वार्ड पार्षद प्रतिनिधि पंकज कुमार सिंह, भास्कर घाट के संयोजक ट्रेड यूनियन के नेता कपिलदेव सिन्हा, भारत स्काउट गाइड के जिला सचिव रंजीत कुमार, राज किशोर पांडेय, जिला स्काउट गाइड के आयुक्त गोपाल प्रसाद, कैडेटों में प्रतिज्ञा कुमारी, ममता कुमारी, उदय यादव, विनोद कुमार, श्री कांत शर्मा, सहित स्थानीय नवजवानों, गया नगर निगम के सफाईकर्मी ने एक घंटा तक श्रमदान कर नदी में उगे झाड़ियों, गंदगी को साफ किया।

स्वच्छ फाल्गु, स्वच्छ गयाजी अभियान से जुड़े नेताओं, कार्यकताओं ने कहा कि फल्गु नदी के पूर्वी एवं पश्चिमी छोरों के घनी आबादी के बीच फल्गु नदी के पश्चिमी क्षेत्र के फल्गु के उद्गम स्थल अम्मवां से खीरीयावां, केंदुई, डण्डी बाग, लखनपूरा, विष्णुपद, देव घाट, गायत्री घाट, ब्राह्मणी घाट, महादेव घाट, सीढिया घाट, किरानी घाट, राय बिंदेशवरी घाट, मोरीया घाट, रामशीला घाट, कंडी नवादा घाट तथा पूर्वी क्षेत्र के भदेजा- भदेजी, सलेमपूर, नौरंगा, भूषणडा, लखीबाग, भास्कर घाट, उत्तरी लखीबाग, दिनकर घाट, जनकपुर, हेड मानपूर, पटवा टोली, अलीपूर, शादीपूर तक श्रमदान से साफ- सफाई अभियान चला कर फल्गु को स्वच्छ बनाने हेतु सप्ताह के प्रत्येक रविवार को अभियान चलाया जाएगा।

नेताओं ने कहा कि पिछले रविवार 29 मार्च को रबर डैम देवघाट पर सफाई अभियान चलाने के बाद स्थानीय प्रशासन भी सक्रिय होकर 03 अप्रैल को रबर डैम से गंदा पानी बहा कर युद्ध स्तर पर मॉनसून के पहले सफाई में लग गई, जिसके लिए अभियान समिति के लोगों ने प्रशासन को साधुवाद भी दिया। नेताओं ने आज दिनकर घाट पर सफाई अभियान में आए स्थानीय लोगों को हार्दिक धन्यावाद देते हुए इस कार्य को प्रत्येक रविवार को सुबह एक घंटा श्रमदान कर निरन्तर सफाई कार्य जारी रखने का प्रयास करते रहे। उक्त जानकारी विजय कुमार मिट्ठू ने विज्ञप्ति जारी कर दी।

बिहार भूदान यज्ञ समिति गठन करने की मांग

कई जिलों के सदस्यों ने लिया हिस्सा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सर्वोदय मंडल की कार्य समिति की बैठक गांधी स्मारक निधि पटना में चंद्र भूषण की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पटना, भोजपुर, मुंगेर, भागलपुर, जहानाबाद, शिवहर, अररिया, वैशाली, रोहतास, मुजफ्फरपुर से 34 साथियों ने भाग लेकर अपना विचार व्यक्त किया।

बैठक को मुनीश ओम प्रकाश सिंह अधिवक्ता ने कहा कि सरकार को भूदान किसानों का पंचायत स्तर पर दखल दिलाने का कार्य शुरू करना चाहिए।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष चंद्र भूषण ने कहा कि आज पूरे दुनिया में अशांति का वातावरण कायम है। दुनिया के सारे देशों में कोई भी ऐसा शक्ति नहीं है। जो दुनिया शक्तिशाली देशों को शांति का पैगाम के लिए प्रेरित कर सके। रूस से यूक्रेन का युद्ध, अमेरिका, इजरायल, ईरान आदि के युद्ध में एशिया महादेश अशांति का वातावरण में चला गया है। भारत में ईंधन का बड़े पैमाने पर संकट आ गया है, लोगों का अनुमान है कि पेट्रोल, डीजल का आने वाले दिनों में बड़े पैमाने पर कीमत बढ़ेगा और पूरे देश महंगाई के चपेट में आ जाएगा। किसानों के सामने और भी संकट आने वाला है।

बैठक में सरकार से मांग की गई कि बिहार भूदान यज्ञ समिति को अविलंब पुनर्गठन किया जाए। सभी भूदान किसानों की जमीन ऑनलाइन जमाबंदी कायम की जाय। बिहार के सभी किसानों को सभी तरह के कर्ज माफ किया जाए। बिहार में पहले कार्यरत सभी 28चीनी मिलों को चालू किया जाय। बिहार के सभी खादी ग्रामोद्योग की संस्थाओं को सभी तरह के कर्ज माफ कर बिक्री पर रिबेट दिया जाय। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सरकार से मांग की कि खादी वस्त्रों को जीएसटी से मुक्त किया जाय, खादी प्रमाणपत्र समिति रेगुलेशन को बहाल किया जाय, खादी के कार्यकर्ता निर्माण के लिए खादी विद्यालय पुनः चालू किया जाय, खादी मॉल की जगह खादी हॉट का निर्माण किया जाय। बिहार में गांधी जी जहां जहां गए है, उन सभी जगहों को धरोहर स्थल घोषित किया जाय।

बैठक में नारायण भाई, बाल विजय भाई के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया गया।

बैठक में रामनाथ ठाकुर, शंभू प्रसाद वर्मा, इतवारी टुडू, संतोष सोरेन, रसिक लाल मुर्मू, सकलदेव हेमब्रम, रामजी मुर्मू, क्रांति बहन, राजेश कुमार, राजनीति सिंह, यशवंत सिंह, श्याम विनय सिंह, डॉ कुश सिंह, सुमित कुमार, मंगल कुमार, सुभाष यदुवंशी, ऊषा, नारायण भाई आदि लोगो ने भाग लेकर बैठक को संबोधित किया। उक्त जानकारी कार्यालय प्रभारी सुमित कुमार ने विज्ञप्ति जारी कर दी।

कस्टम अधिकारी बन की करोड़ों रुपये के सोने की लूट

पटना। राजधानी पटना में अपराधियों ने फिल्मी अंदाज में बड़ी लूट की वारदात को अंजाम दिया। दानापुर के खगौल थाना क्षेत्र में कस्टम अधिकारी बनकर बदमाशों ने स्वर्ण व्यवसायी के स्टाफ से करीब 17 किलो सोना लूट लिया, जिसकी कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, गुजरात के राजकोट निवासी महेश मामतोरा और प्रिंस रामपरिया के स्टाफ अहमदाबाद से सहरसा एक्सप्रेस ट्रेन से दानापुर पहुंचे थे। उन्हें बाकरगंज स्थित केवीएस एंड सन्स जाना था। दानापुर जंक्शन से उन्होंने ऑटो लिया, लेकिन कुछ दूरी पर ओवरब्रिज के पास एक वाहन और दो बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें घेर लिया।

करीब सात बदमाश, जो खाकी पैंट और सफेद शर्ट में थे, खुद को कस्टम अधिकारी बताकर जांच के नाम पर तीन बैग अपने कब्जे में ले लिए। बैग मिलते ही सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ितों ने अपने मालिक को सूचना दी और फिर थाने जाने की बात कही गई। महेश मामतोरा के अनुसार, अपराधियों ने उन्हें सुनसान जगह पर छोड़ दिया और फरार हो गए।

बिहार के पहला ट्रैफिक पार्क का होगा निर्माण

बच्चों को मिलेगी ट्रैफिक नियमों की जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। बच्चों को सड़क सुरक्षा और सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के लिए परिवहन विभाग नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत शहर में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस ट्रैफिक पार्क का निर्माण किया जाएगा, जहां बच्चे खेल-खेल में ट्रैफिक नियमों की जानकारी प्राप्त करेंगे।खास बात यह है कि यह बिहार का पहला ट्रैफिक पार्क होगा। अभी इस तरह की सुविधा चेन्नई और महाराष्ट्र जैसे शहरों में ही उपलब्ध है। मुंगेर को इस पहल के लिए चुना गया है, जिससे यह जिला राज्य में एक नई शुरूआत करेगा।

नगर निगम के अधीन संचालित कंपनी गार्डेन को ट्रैफिक पार्क के लिए चिन्हित किया गया है। नगर आयुक्त द्वारा इसकी अनुमति दे दी गई है। इस संबंध में परिवहन विभाग ने प्रस्ताव मुख्यालय को भेज दिया है और स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार अलबेला ने बताया कि पार्क में बच्चों को प्रैक्टिकल और ऑटोमेटिक तरीके से यातायात नियम सिखाए जाएंगे। यहां मिनी रोड नेटवर्क तैयार किया जाएगा, जिसमें सात मीटर चौड़ी सड़क, ट्रैफिक सिग्नल, जेब्रा क्रॉसिंग और विभिन्न संकेतक लगाए जाएंगे। इससे बच्चों को वास्तविक सड़क जैसी स्थिति का अनुभव मिलेगा।

ट्रैफिक पार्क में बच्चों को हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व, वाहन चलाने के नियम और सड़क पर बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही मोटर व्हीकल एक्ट के तहत निर्धारित जुर्माने के बारे में भी बताया जाएगा। इस पार्क की खासियत यह होगी कि पूरा सिस्टम ऑटोमेटिक रहेगा। पार्क में प्रवेश करते ही बच्चों को सभी जानकारी स्वतः मिल जाएगी,।

मंत्री ने किया ओबीसी कन्या आवासीय विद्यालय का उद्घाटन

बेटियां भरेंगी उड़ान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। अनुमंडल क्षेत्र के अदफा (हरनीचट्टी) गांव में रविवार को पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग की बेटियों के लिए 520 क्षमता वाले ओबीसी कन्या आवासीय प्लस टू विद्यालय का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस मौके पर बिहार सरकार के पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की मंत्री रमा निषाद ने फीता काटकर विद्यालय का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में प्रभारी डीएम सह डीडीसी निहारिका छवि, एडीएम अरुण कुमार और एसडीओ राकेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

उद्घाटन के बाद मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के हर वर्ग विशेषकर पिछड़े वर्ग की बेटियों को सुरक्षित माहौल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

इस आवासीय विद्यालय के शुरू होने से अब क्षेत्र की छात्राओं को शिक्षा के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा। यहां कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा के साथ आवास, भोजन, पुस्तकें और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रभारी डीएम ने कहा कि यह विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि बालिकाओं के भविष्य को संवारने की मजबूत नींव है। विद्यालय में आधुनिक भवन, विशाल कक्षाएं, अत्याधुनिक प्रयोगशाला, पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब की व्यवस्था की गई है। साथ ही खेलकूद के लिए आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास संभव हो सके।

छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिसर में सीसीटीवी कैमरे, प्रशिक्षित वार्डेन, मेडिकल सुविधा और 24 घंटे सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। एडीएम अरुण कुमार ने कहा कि सरकार की यह पहल सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त समाज के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी।

दोस्त ने मारी गोली

आरा। भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के साहेब टोला मोहल्ले में पैसे के विवाद को लेकर युवक ने दोस्त को गोली मार दी। जख्मी युवक 25 वर्षीय महेश कुमार साहेब टोला मोहल्ला निवासी है। गोली दाएं पैर की जांघ में लगी है। इलाज के लिए बिहिया पीएचसी में भर्ती कराया गया है।

सूचना मिलते ही बिहिया थानाध्यक्ष सुदेश्वर कुमार व दारोगा रामकुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की। रविवार की सुबह एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

छात्र लापता, सहमे परिजन

मुजफ्फरपुर। जिले के मुशहरी थाना क्षेत्र के राजकीय उत्क्रमित विद्यालय मानशाही नवादा का एक आठवीं कक्षा का छात्र स्कूल के लिए घर से निकला और शाम तक घर वापस नहीं आया। बच्चे के लापता होने के बाद उसके परिजन ने अनहोनी की संभावना जताई है और पुलिस से उसकी सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है।छात्र की मां नीता देवी ने बताया कि उनका बेटा पास के सरकारी स्कूल में पढ़ाई करता है। वह स्कूल ड्रेस में ही घर से निकला था और शाम तक घर नहीं लौटा। परिजन जब उसकी खोजबीन के लिए स्कूल पहुंचे तो स्कूल के शिक्षक और प्राचार्य ने कहा कि उन्हें बच्चे के बारे में कोई जानकारी नहीं है और परिजन को खुद जाकर बच्चे की खोज करनी चाहिए। परिजनों ने थक हारकर मुसहरी थाना पुलिस से मदद की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि उन्हें डर है कि बच्चे के साथ कोई अनहोनी घटना न घट जाए।

मुसहरी थाना के एसएचओ सुबोध कुमार मेहता ने बताया कि बच्चे की गुमशुदगी का आवेदन मिला है और उसकी खोजबीन शुरू कर दी गई है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी छात्र हुए सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। नगर स्थित लक्ष्य एडवांस क्लासेज द्वारा दसवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन संस्था के निदेशक चंदन कुमार, पूर्व जिला पार्षद एवं प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण, मध्य विद्यालय गुलरियाचक के प्राचार्य दिग्विजय सिंह तथा शिक्षाविद हिमांशु शेखर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर सफल विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित छात्रों में सौरव कुमार (91.2%), पीयूष कुमार (84.8%), रूपेश कुमार (82.8%) एवं विभा कुमारी (78.6%) शामिल हैं। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षक चंदन कुमार एवं लक्ष्य क्लासेस को देते हुए उनके मार्गदर्शन की सराहना की।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधान शिक्षक दिग्विजय सिंह ने कहा कि वर्तमान शिक्षण पद्धति में शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का समावेश आवश्यक है। वहीं, हैप्पी किड्स स्कूल के निदेशक संजय अथर्व ने प्राचीन गुरुकुल परंपरा का उल्लेख करते हुए अनुशासन, संस्कार और शिक्षा के महत्व पर बल दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सत्येंद्र नारायण ने सरकारी विद्यालयों में गिरते शिक्षा स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे सुधारने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कही।

चोरों को ग्रामीणों ने पेड़ से बांधकर पीटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली जिले के मतैया स्थित भैया राम चौक के निकट एक बोलेरो चोरी करते दो चोर को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और पेड़ से बांधकर जमकर पिटाई कर दी।

बोलेरो चोरी करते पकड़े गए चोर की सूचना पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। पकड़े गए दोनों चोर को पेड़ से बांधकर स्थानीय लोगों ने पिटाई की। घटना की जानकारी वैशाली थाना की पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी लेने के पश्चात करी मशक्कत कर दोनों चोर को अपने साथ थाने पर ले गई। दोनों चोर से पूछताछ कर पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

मिली जानकारी के अनुसार मतैया स्थित भैया राम चौक के निकट चार चोर मिलकर बोलेरो गाड़ी चुराने का प्रयास कर रहा था। चोरी के दौरान गाड़ी मालिक को भनक लग गई, मालिक शोर मचाने लगा। जिसके बाद आसपास के लोग जुट गए।

लोगों को जुटे देख कर मौके से भागने लगा स्थानीय लोगों ने खदेड़ कर दो चोर को पकड़ लिया। जबकि दो चोर मौके से फरार हो गया। पकड़े गए दोनों चोर को स्थानीय लोगों ने पेड़ से बांध दिया। उसके बाद पूछताछ करने के क्रम में उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

घटना की सूचना पर स्थानीय थाना की पुलिस पहुंची। स्थानीय लोगों ने बताया कि थाना क्षेत्र में पहले भी दो पहिया चार पहिया वाहन की चोरी की कई घटनाएं घट चुकी है। स्थानीय लोगों ने घटना में शामिल अन्य चोरों की गिरफ्तारी की मांग पुलिस से की। पकड़ा गया एक चोर मुजफ्फरपुर जिले के चैनपुर निवासी, जबकि दूसरा वैशाली थाना क्षेत्र के भगवतपुर निवासी बताया गया है। पुलिस दोनों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ के पश्चात आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

शारदानंद सिंह की 75वीं जयंती पर प्रतिमा स्थापना की रखी आधारशिला

नेताओं ने किया नमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा/दाउदपुर। प्रखंड के बरवां नया टोला में रविवार को समाजवाद के प्रखर प्रहरी एवं जेपी सेनानी शारदानंद सिंह की 75वीं जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनकी स्मृति में प्रतिमा स्थापना की आधारशिला रखी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल एवं कुंवर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र स्वामी ने संयुक्त रूप से किया। इससे पहले उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकताओं की मौजूदगी रही।

सभा को संबोधित करते हुए जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि शारदानंद सिंह का जीवन संघर्ष, समर्पण और समाज सेवा का अद्वितीय उदाहरण रहा है। वे हमेशा गरीबों और वंचितों की आवाज बनकर खड़े रहे।

पूर्व सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने उन्हें सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला व्यक्तित्व बताते हुए युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। वक्ताओं ने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में हुए संपूर्ण क्रांति आंदोलन में उनकी सक्रिय भूमिका को याद किया और कहा कि आज के समय में उनके आदर्श और भी प्रासंगिक हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कामरेड अरुण सिंह ने की। इस अवसर पर एमएलसी डॉ. बीरेंद्र नारायण यादव, मांझी विधायक रणधीर सिंह, लगनदेव तिवारी, राजीव शर्मा, अवधेश यादव, संजीव कुमार सिंह, सुनील सिंह, कन्हैया कुमार यादव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

महिला दारोगा की धमकी भरा ऑडियो क्लिप वायरल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जमुई जिले के खैरा थाना क्षेत्र में कानून और भरोसे के लिए गंभीर चुनौती पेश करने वाली घटना सामने आई है। खैरा थाना कांड संख्या 85/26 में पीड़ित श्यामदेव गोस्वामी को धमकी दी गई कि अगर वह कांड से अलग रहना चाहते हैं तो उन्हें 8,000 रुपये का भुगतान करना होगा, अन्यथा उनके नाम को कांड में जोड़ दिया जाएगा।

पीड़ित श्यामदेव गोस्वामी, जो हरियाडीह गांव के निवासी हैं, इस धमकी से हक्का-बक्का रह गए। उन्होंने इस मामले में मध्यस्थ बिचौलिया अमित कुमार की सलाह मानी और सिक्कू कुमार नामक व्यक्ति के मोबाइल नंबर पर 7,500 रुपये फोन पे के माध्यम से भेज दिए। बाद में बिचौलिया ने महिला दारोगा जयश्री को पैसा मिलने की पुष्टि की।

इस पूरे घटनाक्रम का ऑडियो क्लिप भी सामने आया है, जिसमें महिला दारोगा जयश्री की धमकी और बिचौलिया द्वारा पैसे लेने की पुष्टि स्पष्ट रूप से सुनाई देती है। मामला तेजी से फैलते ही पुलिस महकमे में हलचल मच गई। ऑडियो क्लिप के वायरल होने के बाद महिला दारोगा ने मामले को दबाने की कोशिश की, लेकिन तब तक घटनाक्रम व साक्ष्य वरीय पुलिस पदाधिकारी तक पहुँच चुके थे।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिवक्ता एवं राजद के प्रदेश सचिव गोल्डन आंबेडकर ने शनिवार को एसपी विश्वजीत दयाल को व्हाट्सएप के जरिए शिकायत भेजी। शिकायत में उन्होंने ऑडियो क्लिप को भी संलग्न किया और त्वरित कार्रवाई की मांग की।

गोल्डन आंबेडकर के अनुसार, जिस दिन घटना हुई थी, यानी 3 मार्च को श्यामदेव गोस्वामी जमुई में थे और घटना स्थल से दूर थे। इसके बावजूद महिला दारोगा जयश्री ने उन्हें धमकी दी और कांड में नाम जोड़ने के लिए पैसे की मांग की।

मुजफ्फरपुर में गेहूं खरीद तेज, दो घंटे में भुगतान से किसानों में खुशी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर ज़िले में भारतीय खाद्य निगम द्वारा गेहूं खरीद अभियान को गति मिली है। फ्लाइट लेफ्टिनेंट मनोज कुमार गोगोई (सेवानिवृत्त), पूर्व कार्यकारी निदेशक, आंचलिक कार्यालय कोलकाता के नेतृत्व में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत गेहूं की खरीद कराई गई।

इस दौरान किसानों से खरीदे गए गेहूं का भुगतान न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बिना किसी कटौती के किया गया। खास बात यह रही कि किसानों के बैंक खातों में भुगतान महज 2 घंटे के भीतर कर दिया गया, जिससे किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई।

मौके पर उप महाप्रबंधक (क्षेत्र) सुशील कुमार सिंह, मंडल प्रबंधक आयुष्मान शुक्ला, मुजफ्फरपुर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। भारतीय खाद्य निगम ने स्पष्ट किया है कि वह केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित एमएसपी पर गेहूं खरीद कर रहा है और हर हाल में 48 घंटे के भीतर भुगतान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बिहार राज्य में एफसीआई द्वारा 38 जिलों में कुल 130 केंद्रों पर गेहूं की खरीद की जा रही है। खरीद से लेकर भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और ऑनलाइन माध्यम से संचालित हो रही है। 5 अप्रैल 2026 तक राज्य में कुल 542.9 मीट्रिक टन गेहूं की अधिप्राप्ति की जा चुकी है। किसानों से अपील की गई है कि वे बिचौलियों के झांसे में न आएं और गेहूं को कम दाम पर बेचने के बजाय सरकारी खरीद केंद्रों पर ही समर्थन मूल्य पर विक्रय करें, जिससे उन्हें समय पर उचित भुगतान मिल सके।

आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी को देखने उमड़ी भीड़

सिल्वर ज्वेलरी मॉल का राजा बाजार इलाके में उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। चर्चित आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी को देखने और उनका सानिध्य पाने के लिए राजधानी पटना में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और बढ़ी संख्या में भक्तों ने उनका सानिध्य प्राप्त किया। दरअससल जया किशोरी देश का पहला सिल्वर ज्वेलरी मॉल का राजा बाजार इलाके में उद्घाटन करने रविवार, को पटना आयी थी। उद्घाटन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, कृषि मंत्री रामकृपाल यादव और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी एवं मॉल के स्वामी पवन खेमका भी मौजूद रहे। इस अवसर पर जया किशोरी ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे प्रतिष्ठान न केवल व्यापार को बढ़ावा देते हैं, बल्कि लोगों के विश्वास और गुणवत्ता के मानकों को भी नई दिशा प्रदान करते हैं। सिल्वर मॉल की पूजा दरभंगा से

पधारे विद्वान पंडित डॉ विपिन मिश्रा ईवा अर्जुन झा ने कराया तथा मौके पर शंखनाद किया। यह अत्याधुनिक सिल्वर मॉल अपनी तरह का भारत का पहला केंद्र है, जहाँ चांदी के उत्पादों की एक विशाल और विविध श्रृंखला एक ही छत के नीचे उपलब्ध है। बतातें चलें कि बनवारीलाल चांदीवाला नाम से शुरू किया गया यह मॉल करीब 20,000 वर्ग फीट क्षेत्र में फैला हुआ है और इसे पांच मंजिला आधुनिक ज्वेलरी हब के रूप में विकसित किया गया है। इसे देश का पहला और सबसे बड़ा सिल्वर हॉलमार्क ज्वेलरी मॉल बताया जा रहा है। इस मॉल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां केवल शुद्ध हॉलमार्क चांदी से बने उत्पाद ही उपलब्ध होंगे। ग्राहकों को यहां पारंपरिक चांदी के आभूषणों के साथ-साथ प्राचीन वस्तुएं, चांदी के फर्नीचर और विभिन्न प्रकार के गिफ्ट आइटम एक ही छत के नीचे मिलेंगे। सुविधाओं की बात करें तो मॉल में ग्राहकों के लिए दो फ्लोर की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा ज्वेलरी ऑन व्हील्स यानी ज्वेलरी बस की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे ग्राहक अलग-अलग स्थानों पर भी ज्वेलरी की खरीदारी कर सकेंगे। मॉल प्रबंधन का कहना है कि यह स्टोर खास तौर पर असली चांदी की लग्जरी और प्रमाणिकता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि ग्राहकों को एक भरोसेमंद और प्रीमियम शॉपिंग अनुभव मिल सके।

शिक्षा केवल अंक प्राप्त करना नहीं बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का साधन : विकास वैभव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मगध साइंस कोचिंग, बाजार समिति के प्रांगण में आज प्रतिभा सम्मान समारोह में आज शिक्षा और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। ज्ञात हो कि मगध सांइस कोचिंग 11वीं एवं 12वीं की तैयारी हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम में बहुत ही कम फी में सारे विषय की तैयारी करवाती है ताकि गरीब से गरीब बच्चें भी पढ़ाई से वंचित नहीं रहें मगध साइंस कोचिंग में ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यम से तैयारी करवायी जाती है कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कढर विकास वैभव एवं प्रख्यात चिकित्सक पद्मश्री डॉ आर एन सिंह उपस्थित रहे। संस्थान हर वर्ष की तरह इस वर्ष 2026 में 12वीं

बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सैकड़ों छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। विकास वैभव ने संस्थान के निदेशक पंकज सर छात्रों को उत्कृष्ट प्रर्दशन दिलाने के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया एवं अपने लेट्स अम्पार विहार अभियान के सार को छात्रों के बीच रखा। उन्होंने कहा शिक्षा केवल अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का साधन है। बिहार का गौरवशाली इतिहास रहा है और आप जैसे मेधावी छात्र ही उस विरासत को वापस लाएंगे। अपनी ऊर्जा को व्यर्थ न जाने दें। एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पाने के लिए निरंतर प्रयास करें। आपके भीतर असीम क्षमताएं हैं, बस उन्हें पहचानने की आवश्यकता है। डॉ आर एन सिंह ने छात्रों को स्वास्थ, शिक्षा और सेवा का महत्व समझाते हुए कहा कि मेधावी होना अच्छी बात है, लेकिन उस मेधा का उपयोग राष्ट्र और समाज के उत्थान में होना चाहिए। एक डॉक्टर या इंजीनियार बनने से पहले एक सहीं इंसान का बनना बहुत जरूरी है। इसके लिए मगध साइंस कोचिंग एवं उनकी टीम इस कार्य को अच्छे ठंग से कर रहे जो बहुत ही सराहनीय है।पंकज सर ने छात्रों में जोश भरते हुए जीवन के व्यावहारिक सूत्र बताए उन्होनें कहा कि आचरण और सफलता अगर सफल बनना है, तो आज से ही एक सफल इंसान जैसा आचरण करना शुरू कर दीजिए। आपकी अनुशासन और मेहनत ही आपकी पहचान बनेगी। अपने आप को सफल बनाने के लिए इस कदर जुट जाइए कि जो लोग आज आपका मजाक बनाते हैं, कल वे आपसे जुड़ने के लिए तरसें।

डा. आनंद रंजन झा की पहल पर जंदाहा में उद्यमिता विकास प्रशिक्षण होगा प्रारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जंदाहा (वैशाली)। क्षेत्र के युवाओं को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से समाजसेवी एवं शिक्षाविद् डॉ. आनंद रंजन झा की पहल पर जल्द ही उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा।

डॉ. झा ने बताया कि यह प्रशिक्षण उनके ही संस्थान कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी परिसर में आयोजित किया जाएगा, जो नगर पंचायत जंदाहा के वार्ड संख्या-06, डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलोनी में स्थित है तथा जिला वैशाली के अंतर्गत आता है।

उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को व्यवसाय शुरू करने, उसे सफलतापूर्वक संचालित करने तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। प्रशिक्षण के दौरान व्यवसाय योजना निर्माण, वित्तीय प्रबंधन, मार्केटिंग, डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

डॉ. झा ने यह भी कहा कि यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिससे वे सीमित संसाधनों में भी अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकें।

स्थानीय युवाओं में इस प्रशिक्षण को लेकर उत्साह का माहौल देखा जा रहा है और इसे क्षेत्र के आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जीण माता मंगलपाठ एवं भजन संध्या का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जीण माता सेवा समिति द्वारा आज श्री जीण माता मंगलपाठ एवं भजन संध्या का आयोजन दिन में दो बजे से बैंक रोड स्थित अग्रसेन भवन में किया गया। इस आयोजन में सैकड़ों की संख्या में राजस्थानी महिलाओं एवं पुरुषों ने भाग लिया। मौके पर श्रवण गोयनका ने बताया कि जीण माता मंगलपाठ का पटना में यह छठा वार्षिकोत्सव हो रहा है। मौके पर समिति के अध्यक्ष ने बताया कि जीण माता देवी रुप में प्रकट नहीं हुई थी, बल्कि मनुष्य से देवी रुप में परिवर्तित हुई थी। इनकी चमत्कारी शक्ति ऐसी है कि इन्हें शक्तिपीठ की तरह पूजनीय माना जाता है। जीण माता का प्रसिद्द मंदिर सीकर जिले में रेवासा से लगभग 10 कि.मी. दूर ह। मौके पर जीण माता मंगलपाठ में 700 से अधिक महिलाओं ने राजस्थानी वेश-भूषा पाठ किया। महिलायें गा रही थीं जिसमें जीण जीण भज बारम्बारा, हर संकट का हो निश्तारा। नाम जपे माँ खुश हो जावे, संकट हर लेती है सारा। विघ्न हरण मंगल करन झ गौरी सूत गणराज। कंठ विराजो शारदा आन बचाओ लाज। तथा मंगल भवन अमंगलहारी, जीण नाम होता हितकारी। आदि शक्ति माँ जीण भवानी झ महिमा माँ की किसने जानी। महिलाओं ने जीण माता फूलों एवं गजरा से श्रृंगार किया तथा जीण माता को चुनरी ओढ़ाई। मंगलपाठ के साथ ही मौके पधारे प्रसिद्द जीण माता भजन गायक रविश सोनम सोनी ने अपने भजनों से सभी भक्तजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रविश सोनम ने एक से बढ़कर एक भजन सुनाये। भजन गायिकी रात्रि आठ बजे तक चलती रही। एम पी जैन ने बताया कि इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में अमर अग्रवाल, रवि शर्मा (गुडुजी), संदीप शर्मा, अरविंद सर्राफ, रमेश चौधरी, महेश पंसारी, सुशील सुन्दका, दीपक अग्रवाल, विकास अग्रवाल समेत समिति के अन्य पदाधिकारी लगे हुए थे।

पटना मरीन ड्राइव बनेगा ग्रीन कॉरिडोर, एक लाख पौधारोपण का लक्ष्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मरीन ड्राइव पर अगले तीन महीने में एक लाख पेड़ लगाने का हमारा लक्ष्य है। बिहार में विकास कार्यों के कारण जहां भी पेड़ कटता हैं उसके बदले अन्य स्थान पर उससे कहीं ज्यादा पेड़ लगाए जाते हैं। पिछले करीब 20 वर्ष में लगातार पेड़ लगाए गए हैं। ये बातें शनिवार को होटल ताज सिटी सेंटर में आयोजित एक कार्यशाला में राज्य के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कही है। 'मानव-वन्यजीव : द्वंद से सह-अस्तित्व की ओर' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने बिहार सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों और योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मानव और वन्यजीवों के बीच टकराव न हो इसके लिए बिहार सरकार काम कर रही है। बिहार में पर्यावरण को लेकर बहुत काम हुए हैं। बिहार के बंटवारे के समय मात्र 6 प्रतिशत हरित आवरण था जो कि आज बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि बिहार में ईको टूरिज्म को विकसित करने के लिए भी काम किए जा रहे हैं। वाल्मीकि नगर में करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से लव कुश पार्क बनाने का काम हमारी सरकार कर रही है। मरीन ड्राइव के पास विश्व स्तर का बड़ा एक्वेरियम बनाने की योजना पर काम चल रहा है। पटना में अब वाटर मेट्रो रेल भी जल्द शुरू होगी।

तीन महीने में हरियाली मिशन, विकास के साथ पर्यावरण संतुलन पर फोकस

कार्यशाला में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री और मुजफ्फरपुर से सांसद डॉ. राज भूषण चौधरी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से मानव और वन्य जीवों के बीच संघर्ष बढ़ा है जिसकी वजह वन्य जीवों के आवास का नष्ट होना है। वन्य जीवों के कॉरिडोर का संरक्षण जरूरी है इसके लिए जनभागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए।

पटना-डोभी ग्रीन कॉरिडोर में देशी प्रजातियों के पौधे लगाने की योजना

वहीं पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि पटना -डोभी ग्रीन कॉरिडोर में पीपल, नीम पाकड़ और जामुन जैसे देशी पेड़ लगाए जाएंगे। हमें विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में वाल्मिकीनगर के सांसद सुनील कुमार ने कहा कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए मानव और वन्य जीव दोनों जरूरी है। वन्य जीवों के सह-अस्तित्व से छेड़छाड़ ठीक नहीं है। इस मौके पर बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह, आरा से सांसद सुदामा प्रसाद, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक हॉफ प्रभात कुमार गुप्ता, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक अभय कुमार समेत कई अन्य ने अपनी बातें रखीं। कार्यक्रम में भीमबांध वन्यप्राणी आश्रयणी के सर्वे रिपोर्ट का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाले लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संजय सरावगी ने बाबू जगजीवन राम की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने आज स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व उप मुख्यमंत्री बाबू जगजीवन राम की जयंती पर उन्हें याद किया और उन्हें श्रद्धान्जलि अर्पित की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस मौके पर कहा कि जगजीवन बाबू सामाजिक समरसता के प्रखर अग्रदूत रहे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन वंचितों के उत्थान और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने में समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि एक कुशल प्रशासक और ओजस्वी वक्ता के रूप में उनका व्यक्तित्व हम सभी के लिए प्रेरणापुंज है। उनके काम की वजह से लोग प्यार से उन्हें 'बाबूजी' कहते थे।

पृष्ठ 1 का शेष

राष्ट्र और समाज की...

सम्मान से अवकाश प्राप्त आइएएस अधिकारी एवं बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष विजय प्रकाश, नेपाल के सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश गिरीश चंद्र लाल, मेजर जनरल अनुज माथुर तथा पूर्व आइएएस अधिकारी एवं साहित्यकार श्याम जी सहाय को सम्मानित किया गया। इन सभी विभूतियों को उनके दीर्घकालिक योगदान, प्रशासनिक दक्षता, साहित्यिक साधना और समाज सेवा के लिए सम्मानित किया गया, जिसने समारोह को और अधिक गरिमामय बना दिया। इसके साथ ही 22 प्रतिभाशाली विभूतियों को 'महादेवी वर्मा सम्मान' से नवाजा गया। इन सम्मानित विभूतियों में रंजीत कर्ण, रंजन राज, मुकेश कुमार सिंह, डॉ. उर्मिला श्रीवास्तव, अरविंद कुमार गौतम, अवनीश श्रीवास्तव, रीना सोपम, डॉ. रीता दास, डॉ. सुनील कुमार चंपारनी, श्वेतांक सेल्कवाल, कुमकुम गौड़, डॉ. सरिता श्रीवास्तव, डॉ. सुशील भारती, प्रो. रणविजय सिन्हा, संतोष सुमन, उदय श्रीवास्तव, डॉ. उर्वशी श्रीवास्तव, डॉ. शिखा भटनागर, सुभाषिनी स्वरूप, डॉ. भवानी शारदे तथा डॉ. निशा पाराशर सहित अन्य नाम शामिल रहे। इन सभी को कला, संस्कृति, कानून, साहित्य, शिक्षा, राजनीति विज्ञान, उद्यमिता और पत्रकारिता जैसे विविध क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संगठनात्मक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण चर्चाएं हुईं। जीकेसी के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने बताया कि संगठन आज विश्व के 26 देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है और भारत के अधिकांश राज्यों में इसका विस्तार हो चुका है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संगठन को और सशक्त बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष दीपक कुमार अभिषेक ने कहा कि यह सम्मान समारोह समाज की उन विभूतियों को पहचान देने का प्रयास है जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर समाज को गौरवान्वित किया है। वहीं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता कमल किशोर ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 26 हस्तियों को सम्मानित किया गया है, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम में ग्लोबल महासचिव नवीन कुमार, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गिरीश माथुर, आदित्य नाग, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष रजनी श्रीवास्तव, अभय सिन्हा, राष्ट्रीय समन्वयक धनंजय प्रसाद, सदस्यता संयोजक निलेश रंजन, आलोक अविरल, लाला सौरभ वर्मा सहित विभिन्न राज्यों और देशों से आए प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा किए और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। समारोह का सफल संचालन शिवानी गौड़ और नम्रता आनंद ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मृणालिनी अखौरी समेत अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी।

सेवानिवृति की निकटता वाले 258 पुलिसकर्मियों को मिला गृह जिला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सेवानिवृति की निकटता वाले 258 पुलिसकर्मियों को उनके ऐच्छिक या गृहजिले में पोस्टिंग दी गयी है। बिहार पुलिस मुख्यालय स्तर पर गठित स्थानांतरण समिति की मंजूरी के बाद इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया गया है। गृह जिले में स्थानांतरण पाने वालों में पुलिस इंस्पेक्टर से लेकर दारोगा, एएसआई, हवलदार और सिपाही रैंक के कर्मी शामिल हैं। उक्त स्थानांतरण संबंधित पदाधिकारी-कर्मियों की ओर से सर्मपित विकल्प आवेदन पर किया गया। इससे संबंधित अनुशंसा क्षेत्रीय स्थानांतरण समिति की ओर से भेजी गयी थी। पुलिस मुख्यालय के आदेश के मुताबिक पुलिस मैनुअल के तहत दो साल से कम की सेवानिवृति अवधि वाले पुलिसकर्मियों को गृह जिले में स्थानांतरण दिए जाने का प्रावधान है। जिन पुलिस पदाधिकारी-कर्मियों ने सिर्फ इकाई में पदस्थापन का अनुरोध किया था, उनके द्वारा किये गये अनुरोध को अस्वीकृत कर दिया गया है। सिर्फ ऐच्छिक या गृह जिला के आवेदनों पर ही विचार किया गया। 16 पुलिसकर्मियों के आवेदन अस्वीकृत हुए। इनमें कुछ लोगों की सेवानिवृति में दो साल से अधिक का समय बचा था। डीआईजी (कार्मिक) ने आदेश दिया है कि संबंधित कार्यालय प्रधान स्थानांतरित कर्मियों को विरमित करने से पूर्व उनके सेवाभिलेख की जांच कर लेंगे। फिर जिलादेश निर्गत करने की कार्रवाई करेंगे। भिन्नता पाये जाने पर पुलिस मुख्यालय को इससे अवगत करायेंगे।

बिहार-झारखंड के बच्चों को मिलेगी नामांकन में 50 प्रतिशत की छूट

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। देश की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी जॉय यूनिवर्सिटी ने बिहार झारखंड के मेधावी बच्चों को तकनीकि पाठ्यक्रम के नामांकन में 50 प्रतिशत का छूट देने का फैसला लिया है। इसकी घोषणा करते हुए विश्वविद्यालय के नामांकन प्रमुख नार्थ इंडिया एस पलानीअप्पन ने बताया कि बिहार झारखंड के मेधावी बच्चों को बीबीए, बीसीए, बीटेक, बी फर्मा, एमसीए, बीएससी एग्रीकल्चर,बीएससी नर्सिग,बीएससी एनीमेशन, बीएससी आनर्स, एमएससी एग्रीकल्चर, एमएससी हॉटीकल्चर, बीपीटी तथा एमएएसी लाईफ एण्ड हेल्थ साईस जैसे पाठ्यक्रम में 50 प्रतिशत की दूट देगा। साथ ही पढ़ाई के साथ-साथ बिहार झारखंड के बच्चों को कैंपस सलेकशन दिलवाने का काम करते हैं। यह यूनिवर्सिटी तमिलनाडृ के कन्याकुमारी में 225 एकड़ में फैला हुआ है। यह संस्थान 42 साल से शिक्षण के क्षेत्र में काम कर रहा है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान का समापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना स्थित बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सभी 10 मंडलों में आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस अभियान में बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और संगठनात्मक प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वयं को वैचारिक एवं कार्यात्मक रूप से सशक्त किया। समापन समारोह की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके एकात्म मानववाद के सिद्धांतों को भारतीय जनता पार्टी की मूल प्रेरणा बताते हुए कार्यकताओं से उसे अपने दैनिक जीवन एवं संगठनात्मक कार्यों में अपनाने का आह्वान किया।दो दिनों तक चले इस प्रशिक्षण अभियान में कार्यकताओं को संगठन की कार्यप्रणाली, बूथ स्तर तक संगठन की मजबूती, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार तथा आमजन से संवाद स्थापित करने की रणनीतियों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही कार्यकताओं को आगामी कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक लक्ष्यों के प्रति सजग और सक्रिय रहने का संदेश भी दिया गया। समापन अवसर पर उपस्थित नेताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक विचार आधारित संगठन है, जहां प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस प्रकार के प्रशिक्षण अभियानों से कार्यकताओं में न केवल वैचारिक स्पष्टता आती है, बल्कि संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी और मजबूत होती है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले कार्यकताओं ने प्रशिक्षण सत्रों को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें जमीनी स्तर पर कार्य करने की नई दिशा एवं ऊर्जा प्राप्त हुई है। सभी 10 मंडलों में एक साथ आयोजित इस अभियान ने संगठन की एकजुटता और मजबूती को और अधिक सुदृढ़ किया है। अंत में आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि कार्यकताओं को समय-समय पर नई जानकारी एवं कौशल प्रदान कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर भीखू भाई दलसानिया, पटना साहिब सांसद रविशंकर प्रसाद, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पष्र्द के अध्यक्ष प्रो रणबीर नंदन, जिला अध्यक्ष रूप नारायण मेहता, प्रभाकर मिश्रा, संतोष पाठक, सुनील सेवक, अनामिका शंकर, शोभा सिंह, राधिका रमण आदि थे।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने जगजीवन राम को दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रविवार को पूर्व उप प्रधानमंत्री स्व जगजीवन राम की जयंती के अवसर पर आयोजित राजकीय समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सर्कुलर रोड, अणे मार्ग एवं कौटिल्य मार्ग के चौराहे पर अवस्थित स्व. जगजीवन राम जी आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधायक श्याम रजक, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, विधान

पार्षद रवीन्द्र प्रसाद सिंह, बिहार राज्य नागरिक परिषद् के महासचिव अरविंद कुमार, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य शिवशंकर निषाद सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य व्यक्ति एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी स्व. जगजीवन राम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन, भजन कीर्तन, बिहार गीत एवं देशभक्ति गीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

संपादकीय

सड़कें वही, लेकिन सफर हो रहा महंगा, यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एकल और दोहरी यात्रा में पांच रुपए से लेकर पैंतीस रुपए तक की बढ़ोतरी पर सवाल उठना स्वाभाविक है।देशभर में महंगाई में बढ़ोतरी के बीच अब लोगों के लिए कहीं आना-जाना भी महंगा साबित होने लगा है। दरअसल, वैश्विक परिस्थितियों की वजह से पहले ही संकट का दायरा फैल रहा है और चीजों की कीमतों में इजाफा हो रहा है। इस बीच हरियाणा में राजमार्गों पर टोल दरों में बेतहाशा वृद्धि की घोषणा आम लोगों के सामने एक नई परेशानी पैदा करने वाली है। इसके अमल में आने के साथ ही निजी वाहनों से यात्रा करने वालों को अब अधिक टोल चुकाना होगा। यह हाल तब है, जबकि अधिकतर राजमार्गों पर बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है, आए दिन लोगों को लंबे जाम का सामना करना पड़ता है।ऐसे में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एकल और दोहरी यात्रा में पांच रुपए से लेकर पैंतीस रुपए तक की बढ़ोतरी पर सवाल उठना स्वाभाविक है। मसलन, गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेस-वे पर बजघेड़ा टोल प्लाजा पर एकल यात्रा के लिए 225 रुपए देना यात्रियों के लिए भारी साबित हो सकता है। दूसरी ओर वाणिज्यिक वाहनों से वसूली का असर भी दिखेगा और आखिरकार आम आदमी पर ही इसकी मार पड़ेगी। सवाल है कि बुनियादी सुविधाओं में सुधार किए बिना टोल दरों में वृद्धि की क्या तुक है। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही राजमार्गों पर यात्रा महंगी किए जाने से लोगों में निराशा बढ़ेगी।इस समय ज्यादातर राजमार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ रहा है। वहीं रास्ते में साफ-सुथरे जन-सुविधा परिसरों का अभाव खटकता है। रात में कई मार्गों पर अंधेरा होने से हादसे का अंदेशा बना रहता है। राजमार्ग प्राधिकरण के गश्ती दल तुरंत मौके पर नहीं पहुंचते। इससे लोग असहाय स्थिति में होते हैं। कई बार हादसे के बाद फिर हादसा होना यह बताता है कि प्राधिकरण को टोल की तो चिंता है, लेकिन यात्रियों की जान की नहीं। अक्सर देखा गया है कि टोल नाकों पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है।इससे न केवल समय की, बल्कि ईंधन की भी बर्बादी होती है। हालांकि हरियाणा में टोल पर अब केवल फास्टैग या आनलाइन भुगतान ही किया जा सकेगा। ऐसे में संभव है कि वाहनों की कतार कुछ कम हो। फिर भी राजमार्गों पर सुविधाएं बढ़ाए बिना टोल शुल्क बढ़ाना यात्रियों पर नाहक ही बोझ डालने जैसा है। शनिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन।इससे वाणिज्य और संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आइजीआइ) पर भीड़भाड़ कम करेगा। नोएडा हवाई अड्डा भारत की सबसे बड़ी नई हवाई अड्डा परियोजनाओं में से एक है। हवाईअड्डे के पहले चरण को सार्वजनिक-निजी भागीदारी माडल के तहत 11,200 करोड़ की लागत से विकसित किया गया है। इस हवाईअड्डे की यात्री संभालने की क्षमता शुरुआत में प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ यात्रियों की होगी। पूरी तरह विकसित होने पर इसे बढ़ाकर प्रतिवर्ष सात करोड़ यात्रियों तक बढ़ाया जा सकेगा। हवाई अड्डे की विशेषताओं में 3,900 मीटर लंबा रनवे शामिल है, जो चौड़े आकार के विमानों को संभालने में सक्षम है।

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है।

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

(ललित गर्ग)

पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है।

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है।

निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की

शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है।

पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बढ़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं, जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग, डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ।

ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं। इससे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन साथ ही रिश्तों की स्थिरता कम हुई है। 'स्वाइप संस्कृति' ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहाँ विकल्प हमेशा खुले रहते हैं और प्रतिबद्धता कठिन हो जाती है। इसके बावजूद, यह भी सत्य है कि कई सफल विवाह और रिश्ते भी ऑनलाइन माध्यम से ही बने हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की मानसिकता में है। आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में रिश्तों को समय देना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। करियर, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ-इन सबके बीच रिश्ते अक्सर प्राथमिकता सूची में नीचे चले जाते हैं। लेकिन यह भी एक सत्य है कि अंततः मनुष्य को भावनात्मक सहारा, अपनापन और संबंधों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए आधुनिक जीवन में रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद, समय, सम्मान और समझ पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं।

विभिन्न पीढ़ियों के बीच रिश्तों को लेकर दृष्टिकोण में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी स्थायित्व और त्याग को महत्व देती है, जबकि नई पीढ़ी संतुष्टि और स्वतंत्रता को। पुरानी पीढ़ी रिश्ते बचाने के लिए समझौता करती थी, नई पीढ़ी रिश्ते में सम्मान और खुशी नहीं मिलने पर उसे छोड़ने का साहस रखती है। दोनों दृष्टिकोणों में अपनी-अपनी सच्चाई है। इसलिए आवश्यकता पीढ़ियों के संघर्ष की नहीं, बल्कि संवाद और समझ की है। वास्तव में विवाह बनाम स्वतंत्रता का प्रश्न किसी एक पक्ष की जीत या हार का प्रश्न नहीं है। यह समाज के विकास और परिवर्तन का स्वाभाविक चरण है। विवाह संस्था समाज के लिए आवश्यक है, क्योंकि वह स्थिरता, परिवार और सामाजिक व्यवस्था का आधार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि बिना स्वतंत्रता के कोई भी रिश्ता केवल बंधन बन जाता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि कानून, समाज और परिवार-तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाएं, जिसमें विवाह संस्था भी सुरक्षित रहे और व्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। निश्चिततौर पर यह स्वीकार करना होगा कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना समाज के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक आवश्यक अनुकूलन है। दुनिया तेजी से बदल रही है।

अगर ईरान युद्ध 40 दिन खिंचा तो खाने-पीने की चीजों का हो सकता है संकट, एफएओ ने दी चेतावनी

(दिल प्रकाश)

ईरान युद्ध को एक महीने से अधिक समय हो चुका है और इसके फिलहाल खत्म होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इससे दुनिया भर में खाने-पीने की चीजों की कीमत में मार्च में काफी तेजी आई और यह पिछले साल सितंबर के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। इसकी वजह यह है कि हाल में तेल और गैस की कीमत में काफी तेजी आई है। यूनाइटेड नेशंस की संस्था फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन (एफएओ) का कहना है कि अगर ईरान युद्ध जारी रहा तो खाने-पीने की चीजों की कीमत में आगे और इजाफा हो सकता है।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक एफएओ के चीफ इकनॉमिस्ट मेक्सिमो तोरेरो ने कहा कि ईरान युद्ध शुरू होने के बाद खाने-पीने की चीजों की कीमत में मामूली तेजी आई है। कच्चे तेल की कीमत में तेजी इसकी वजह है। लेकिन दुनिया में अनाज की पर्याप्त सप्लाई के कारण कीमतों में ज्यादा उछाल नहीं आई है। अगर लड़ाई 40 दिन से ज्यादा खिंचती है और कच्चे माल की कीमत हाई बनी रहती है तो किसान बुवाई का रकबा कम कर सकते हैं और ऐसी फसलों का रुख कर सकते हैं जिनमें कम फर्टिलाइजर का यूज होता है।

उत्पादन पर असर: तोरेरो ने कहा कि अगर किसान ऐसा करते हैं तो इससे भविष्य में उत्पादन पर असर पड़ेगा और आने वाले दिनों में फूड सप्लाई और कमोडिटी की कीमतों पर असर हो सकता है। एफएओ का फूड प्राइस इंडेक्स फरवरी के मुकाबले मार्च में 2.4 फीसदी बढ़ गया। यह पिछले साल के मुकाबले 1 फीसदी ऊपर है। हालांकि यह मार्च 2022 के पीक के मुकाबले करीब 20 फीसदी नीचे है। यूक्रेन युद्ध की शुरुआत में यह इस स्तर पर पहुंचा था।

अनाज की कीमत बताने वाला इंडेक्स फरवरी की तुलना में मार्च में 1.5 फीसदी चढ़ गया। इसकी वजह यह है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेहूं की कीमत में 4.3 फीसदी तेजी आई है। अमेरिका में फसल खराब होने की आशंका और फर्टिलाइजर संकट के कारण ऑस्ट्रेलिया में कम बुवाई के कारण ऐसा हुआ है। मक्के की कीमत में मामूली तेजी आई है जबकि कमजोर मांग के कारण चावल की कीमत 3 फीसदी

गिरी है।

वेजिटेबल ऑयल की कीमत: वेजिटेबल ऑयल की कीमत 5.1 फीसदी बढ़ी है। लगातार तीसरे महीने इसमें तेजी आई है। पाम ऑयल 2022 के मध्य के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। शुगर की कीमत में मार्च में 7.2 फीसदी तेजी आई जो पिछले साल अक्तूबर के बाद सबसे ज्यादा है। माना जा रहा है कि कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से ब्राजील ज्यादा एथेनॉल बना सकता है। ब्राजील दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। मार्च में मीट की कीमत में 1 फीसदी तेजी आई। यूरोप में सुअर की मीट और ब्राजील में पशुओं की मीट की कीमत बढ़ी है जबकि पॉल्ट्री की कीमत में गिरावट आई है। एक अलग रिपोर्ट में एफएओ ने 2025 के लिए दुनिया में अनाज उत्पादन का अनुमान बढ़ाकर रेकॉर्ड 3.036 अरब टन कर दिया। यह पिछले साल के मुकाबले 5.8 फीसदी अधिक है। (यह लेखक के अपने विचार है)

आखिर पश्चिम बंगाल में 'चुनावी जंगलराज' के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं?

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान 7 न्यायिक अधिकारियों, जिनमें 3 महिलाएं भी शामिल थीं, के साथ हुई दुर्व्यवहार की घटना वहां के कानून-व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाती है। चूंकि राज्य में चुनावी प्रक्रिया चल रही है और राज्य प्रशासन चुनाव आयोग के अधीन है, इसलिए मौजूदा स्थिति के लिए ममता सरकार को दोषी ठहराना न्यायोचित नहीं है। दरअसल, मालदा के कयाचक क्षेत्र में वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के विरोध में सैकड़ों लोगों ने 1 अप्रैल 2026 को दोपहर 3:30 बजे से 9 घंटे से अधिक समय तक अधिकारियों को घेर लिया। प्रदर्शनकारियों ने बीडीओ कार्यालय में अधिकारियों को बंधक बनाया, जहां उन्हें भोजन-पानी के बिना रखा गया।

(कमलेश पांडे)

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मालदा घटना पर पश्चिम बंगाल सरकार को कड़ी फटकार लगाई, और इसे न्यायिक अधिकारियों को डराने-धमकाने की सुनियोजित साजिश और अदालत के अधिकार को खुली चुनौती बताया। कोर्ट ने राज्य प्रशासन की निष्क्रियता पर सख्ती दिखाते हुए इसे कानून-व्यवस्था की पूर्ण विफलता करार दिया।

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान 7 न्यायिक अधिकारियों, जिनमें 3 महिलाएं भी शामिल थीं, के साथ हुई दुर्व्यवहार की घटना वहां के कानून-व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाती है। चूंकि राज्य में चुनावी प्रक्रिया चल रही है और राज्य प्रशासन चुनाव आयोग के अधीन है, इसलिए मौजूदा स्थिति के लिए ममता सरकार को दोषी ठहराना न्यायोचित नहीं है।

दरअसल, मालदा के कयाचक क्षेत्र में वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के विरोध में सैकड़ों लोगों ने 1 अप्रैल 2026 को दोपहर 3:30 बजे से 9 घंटे से अधिक समय तक अधिकारियों को घेर लिया। प्रदर्शनकारियों ने बीडीओ कार्यालय में अधिकारियों को बंधक बनाया, जहां उन्हें भोजन-पानी के बिना रखा गया। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पत्र पर स्वतः संज्ञान लिया। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी, मालदा डीएम व एसपी को कारण बताओ (शो-कॉज) नोटिस जारी किया और 6 अप्रैल को ऑनलाइन सुनवाई बुलाई।

सुप्रीम कोर्ट ने इसे नागरिक व पुलिस प्रशासन की पूर्ण विफलता बताया तथा सीबीआई या एनआईए से जांच के निर्देश दिए, जिसे चुनाव आयोग ने सीबीआई को सौंप दिया। यह घटना न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर हमले के रूप में देखी जा रही है, जिसके राजनीतिक मायने खतरनाक हैं, क्योंकि

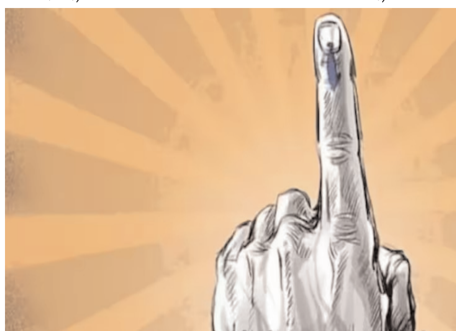

बीजेपी ने टीएमसी पर भीड़ भड़काने का आरोप लगाया, साथ ही इसे लॉ एंड ऑर्डर की विफलता और नकली वोटरों के नाम डिलीट होने का डर बताया। वहीं, टीएमसी ने बीजेपी व चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया, और एसआईआर को गंदी साजिश कहा। उल्लेखनीय है कि आगामी विधानसभा चुनावों (23-29 अप्रैल) से ठीक पहले इस विवाद के उभरने से राजनीतिक ध्रुवीकरण तेज हुए हैं।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मालदा घटना पर पश्चिम बंगाल सरकार को कड़ी फटकार लगाई, और इसे न्यायिक अधिकारियों को डराने-धमकाने की सुनियोजित साजिश और अदालत के अधिकार को खुली चुनौती बताया। कोर्ट ने राज्य प्रशासन की निष्क्रियता पर सख्ती दिखाते हुए इसे कानून-व्यवस्था की पूर्ण विफलता करार दिया। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, यह कोई सामान्य विरोध नहीं, बल्कि एसआईआर की प्रक्रिया को बाधित करने का पूर्वनियोजित प्रयास था। इससे प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठते हैं। आखिर रात 11 बजे तक डीएम-एसपी क्यों नहीं पहुंचे? जब राजनीतिक नेता मौके पर थे तो प्रशासन क्यों सो रहा था? इसे न्यायपालिका पर हमला बताते हुए घिनौना प्रयास कहा, जो चुनावी प्रक्रिया को पटरी से उतारने का मकसद रखता था।

ततपश्चात कोर्ट ने मुख्य सचिव, डीजीपी, मालदा डीएम-एसपी को कारण बताओ (शो-कॉज) नोटिस जारी किया और 6 अप्रैल को सुनवाई बुलाई। वहीं, चुनाव आयोग को एसआईआर से जुड़े अधिकारियों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय बल तैनात करने तथा भीड़ नियंत्रण (5 से अधिक लोगों पर रोक) के निर्देश दिए। साथ ही सीबीआई/एनआईए जांच का सुझाव भी दिया।

पश्चिम बंगालकी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा घटना पर चुनाव आयोग को दोषी ठहराते हुए कहा कि राज्य प्रशासन उनके नियंत्रण में नहीं रहा। उन्होंने दावा किया कि उन्हें घटना की जानकारी आधी रात को एक पत्रकार से मिली और एसआईआर प्रक्रिया से लोगों का गुस्सा जायज है। ममता ने कहा, मुझे नहीं पता वे कौन थे जिन्होंने अधिकारियों का घेराव किया, लेकिन एसआईआर से लोग नाराज हैं। उन्होंने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि चुनाव से पहले शीर्ष अधिकारियों के तबादले से सुपर राष्ट्रपति शासन चल रहा है। बीजेपी को जिम्मेदार बताते हुए जांच की मांग की और कहा, मेरी सारी शक्तियां छीन ली गईं। ममता का यह बयान सागरदिघी या धूमुरपहाड़ी रैली में आया, जहां उन्होंने टीएमसी को निर्दोष बताया। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद यह चुनाव आयोग व बीजेपी पर हमला है, जो आगामी चुनावों में ध्रुवीकरण बढ़ा रहा है।

बेहतर होगा कि इस मामले में केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त, राज्य के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव के अलावा मालदा डीएम, एसपी को अविलंब नौकरी से बर्खास्त किया जाना चाहिए, क्योंकि चुनावी दिनों में इन सबकी अविवेकी हरकतों से एक निर्वाचित सरकार की बदनामी बढ़ी है, और इसके चुनावी दुष्प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे प्रशासनिक विफलता और आपराधिक अवमानना करार देते हुए कड़ी फटकार लगाई है। यह कितनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर राज्य में सक्रिय न्यायिक अधिकारियों को सुरक्षा प्रदान करने में राज्य प्रशासन ने घोर कोताही बरती। यह महाजंगल राज नहीं तो क्या है? आखिर ऐसी नौबत क्यों आई, शोध का विषय है। उचित तो यह होगा कि इस उपद्रव में शामिल लोगों के व्यवहार को अराजक घोषित करते हुए इनके मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशनकार्ड आदि जब्त किया जाए और तमाम सरकारी सुविधाओं से ऐसे उग्र लोगों को वंचित किया जाए। साथ ही इन्हें उकसाने वाले राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द की जाए और इसके प्रदेश अध्यक्ष को अविलंब गिरफ्तार किया जाए। यदि ऐसी सख्त कार्रवाई होगी, तभी भारत में स्वस्थ लोकतंत्र बहाल किया जा सकता है, अन्यथा नहीं! देखा जाए तो पहले दिल्ली में आप पार्टी की केजरीवाल सरकार और अब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की ममता सरकार के खिलाफ केंद्रीय प्रशासनिक अधिकारियों का जिस तरह से दुरूपयोग किया जा रहा है और राज्य प्रशासन के अधिकारियों के साथ उनके नीतिगत काउंटर हो रहे हैं, उसे कतई निष्पक्ष करार नहीं दिया जा सकता है, क्योंकि चुनी हुई सरकारों को %बर्बरतापूर्ण% तरीक़े से हटाने की सियासी परिस्थिति पैदा करने में इनकी अहम भूमिका है। केंद्र और राज्य प्रशासन में सक्रिय पक्षपाती तत्वों की शिनाख्त होनी चाहिए, क्योंकि जो हो रहा है, वह अस्वीकार्य है। यह संवैधानिक और न्यायिक विफलता है और इसके पीछे सम्बन्धित अधिकारियों की सियासी मिलीभगत की जांच होनी चाहिए। ताकि कानून का शासन बहाल हो और राजनीतिक नंगानाच पर लगाम लगे। यक्ष प्रश्न है कि आखिर पश्चिम बंगाल में चुनावी जंगलराज के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं?(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जमीनी विवाद में इलाज के दौरान मौत, चार गिरफ्तार

कोढ़ा में गहराता जमीनी विवाद, कहीं मौत तो कहीं चली गोलियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा (कटिहार)। कोढ़ा प्रखंड इन दिनों जमीनी विवाद के कारण रक्तरंजित हो उठा है। पिछले दो महीनों के भीतर हत्या और गोलीबारी की कई बड़ी घटनाओं ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालिया मामला मूसापुर चौक का है। जहाँ एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मूसापुर में मारपीट के बाद अमरेश कुमार शर्मा की मौत हो गई । कोढ़ा थाना क्षेत्र के मूसापुर चौक स्थित कर्बला मैदान के पास जमीनी विवाद ने हिंसक मोड़ ले लिया। जुराबगंज वार्ड नं. 02 निवासी अमरेश कुमार शर्मा पिताः विश्वनाथ शर्मा पर दूसरे पक्ष ने जानलेवा हमला कर दिया।

गंभीर रूप से घायल अमरेश को सीएचसी कोढ़ा से पूर्णिया रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। कोढ़ा पुलिस की त्वरित कार्रवाई करते हुए

छापेमारी कर 4 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों में शंभू हांडी, विश्वनाथ हांडी, अजय हांडी और राजकुमार हांडी शामिल हैं। मृतक की पत्नी के बयान पर मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। पिछली घटनाओं से सहमा है ।विषहरिया और कोलासी कोढ़ा में जमीन का विवाद केवल एक इलाके तक सीमित नहीं है मार्च महीने में विषहरिया गांव में भी जमीन को लेकर खूनी झड़प हुई थी। यहाँ अपराधियों ने अमन कुमार नामक युवक को गोली मारकर घायल कर दिया था। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। कोलासी पुलिस शिविर क्षेत्र में लीज की जमीन पर फसल कटाई को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी।

इस मामले में पुत्र ने पिता की हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था। मूसापुर, विषहरिया और कोलासी की ये घटनाएं दशार्ती हैं कि ग्रामीण इलाकों में जमीनी रंजिश किस कदर जानलेवा होती जा रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि प्रशासन जमीनी पेचों को समय रहते सुलझा ले, तो ऐसी मौतों को रोका जा सकता है। फिलहाल मूसापुर की घटना के बाद पुलिस क्षेत्र में मुस्तैद है और स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

102 एम्बुलेंस कर्मचारी संघ के चालक एवं ईएमटी कर्मचारियों की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ एक के अन्दर मांग पुरा नही होने पर दिया जाएगा धरना : विकास सिंह

कटिहार। सदर अस्पताल परिसर में 102 एम्बुलेंस कर्मचारी संघ के चालक एवं ईएमटी कर्मचारी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता संघ के मुख्य संरक्षक

मजदूर नेता विकास सिंह ने की। बैठक में सर्वसम्मति कई बिंदुओं पर फैसला लिया गया। मुख्य संरक्षक विकास सिंह ने बताया कि 102 एंबुलेंस के कर्मचारी को 4 महीने होने को है अभी तक वेतन नहीं मिला है। कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र अभी तक नहीं मिला है।

कर्मचारी राज्य बीमा एवं भविष्य निधि का अंशदान सभी कर्मचारियों को ससमय संबंधित कार्यालय में जमा नहीं किया जाता है। कार्य अवधि में दुर्घटना होने पर कम से कम 20 लाख रुपया मुआवजा नहीं दिया जाता है ।मुख्य संरक्षक विकास सिंह ने बताया कि एजेंसी के द्वारा कटिहार में नियुक्त पदाधिकारी कर्मचारियों को परेशान कर हमेशा पैसा वसूलने में लगा रहता है। उन्होंने बताया कि सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 102 एंबुलेंस कर्मचारी संघ का किसी यूनियन से कोई संबंध नहीं रहेगा। जिले में 102 एम्बुलेंस अपना लड़ाई स्वयं लडेगा। उसे किसी के बैनर की जरूरत नहीं है। श्री सिंह ने बताया कि बैठक में जो कर्मचारी ड्यूटी में थे उसको छोड़ के लगभग सभी कर्मचारी बैठक में उपस्थित रहे। श्री सिंह ने बताया कि जल्दी ही जिला पदाधिकारी से मिलकर एक मांग पत्र दिया जाएगा। जिसमें स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष के नाते जिला पदाधिकारी से गुहार लगाया जाएगा और एजेंसी से वार्ता कराकर सभी मांगों को पूरा कराने का अनुरोध करेंगे। श्री सिंह ने स्पष्ट कहा अगर एक सप्ताह के अंदर कर्मचारियों को बकाया वेतन सहित सारी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई तो बाध्य होकर श्रम संसाधन विभाग के कार्यालय एवं न्यायालय का सहारा लेने को मजबूर हो जाएंगे। श्री सिंह ने आशा ही ने पूर्ण विश्वास के साथ कहा कि जिला पदाधिकारी महोदय से मिलने के बाद निश्चित रूप से कर्मचारी के हितों में सकारात्मक पहल होगा। बैठक में सैकड़ो 102 एंबुलेंस के चालक एवं ईएमटी कर्मचारी साथी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रमणी देवी की मौत का पुलिस ने किया उद्वेदन

आजमनगर /कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड क्षेत्र में विगत बृहस्पतिवार के दिन आलमपुर दियारा क्षेत्र में मक्के के खेत से लहूलुहान एक महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर में परिजनों भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अन्यत्र रेफर कर दिया गया। परंतु परिजनों द्वारा उक्त महिला को अपने कब्जे में लेकर अन्यत्र किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज करने के लिए ले जा रहा था। इस दौरान महिला की मौत हो गई। उक्त मामले में आजमनगर पुलिस को

जब जानकारी हुई तो गीदड़ के द्वारा किये गये हमले की बात बता कर शव घर लेकर परिजन चले गए। साथ ही परिजनों द्वारा शव को आनन फानन में अंतिम दाह संस्कार भी कर दिया गया।आजमनगर पुलिस को एक लिखित आवेदन देकर पोस्टमार्टम नहीं करने की बात कही गई। परंतु उसी दिन से उसका पति भी लापता था जिसका जिक्र पुलिस को दिए गए आवेदन में नहीं किया गया था। परिजनों के द्वारा दिए गए अलग-अलग बयान तथा उसी दिन से लापता हुए पति की वजह से शक के आधार पर आजमनगर पुलिस ने अंदर ही अंदर अनुसंधान की कार्रवाई आरंभ कर दी। अनुसंधान के दौरान हत्या में उपयोग किए गए खून से लथपथ चाकू मक्के की खेत से बरामद की गई।आजमनगर पुलिस ने मृतिका रमणी देवी के परिजनों में लालू कुमार सिंह, कार्तिक कुमार सिंह को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद धीरे -धीरे मामले का पटाक्षेप होने लगा। पूरे आलमपुर दियारा क्षेत्र में छापामारी करने के बाद मृतिका के पति धनेश्वर को पकड़ लिया गया। पूछताछ करने पर धनेश्वर सिंह ने चाकू से गोदकर अपनी पत्नी की हत्या करने को स्वीकार कर लिया। बारसोई डीएसपी अजय कुमार ने बताया कि पुरानी रंजिश के कारण धनेश्वर कुमार सिंह (75) ने अपनी पत्नी रमणी देवी (70)की चाकू से गोद कर हत्या कर मक्के के खेत में छुपा हुआ था। थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने हत्या का मामला दर्ज कर मामले की तहकीकात में जूटे दिखाई दिए। डीएसपी अजय कुमार ने कहा कि हत्या का मामला दर्ज कर तीनो हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही आगे की कार्रवाई आरंभ कर दी गई है।

देशी कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार

बरारी /कटिहार (नबिटासं)। बरारी थाना क्षेत्र अंतर्गत रौनिया पंचायत के महारानी गांव के समीप पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कारवाही करते हुए एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विभाष साहा (30) महारानी निवासी के रूप में की गई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष सुमेश कुमार ने

बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि महारानी इलाके के एक मक्का के खेत में संदिग्ध गतिविधि चल रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए बरारी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान आरोपी को खेत से ही दबोच लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि उसका संबंध किसी अन्य आपराधिक गिरोह या गतिविधि से तो नहीं है।थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कारवाही आगे भी जारी रहेगी।

चैम्बर ऑफ कॉमर्स की कार्यसमिति का चुनाव 20 मई को

कटिहार (नबिटासं)। नॉर्थ ईस्टर्न बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कटिहार की सत्र 2026-28 के लिए नई कार्यसमिति का गठन हेतु नए पदाधिकारियों और सदस्यों का चुनाव को लेकर नई अधिसूचना जारी कर दी गई है। चैम्बर महासचिव भुवन अग्रवाल ने बताया कि 20 मई को चुनाव की तिथि निर्धारित की गई है चैम्बर की कटिहार नगर निगम के अलावा कटिहार,बारसोई, मनिहारी एवं नौगछिया अनुमंडल और

किशनगंज, मधेपुरा तथा सुपौल जिलों के लिए भी कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का चुनाव होगा। चुनाव की प्रक्रिया 6 अप्रैल से शुरू हो जाएगी मनोनयन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल की संध्या पांच बजे तक निर्धारित है। 21 अप्रैल को मनोनयन पत्रों की जांच होगी जबकि उम्मीदवार 22 अप्रैल की संध्या पांच बजे तक मनोनयन पत्र वापस ले सकते है। 29 अप्रैल तक चैम्बर के सभी सदस्यों को उम्मीदवारों की सूची और बाहरी सदस्यों को मत पत्र भेजने का काम पूरा कर लिया जायेगा। 20 मई को शाम पांच बजे तक मतदान के तुरंत बाद मतगणना की जाएगी और इसी दिन नए पदाधिकारियों और सदस्यों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी। 26 मई को नए पदाधिकारियों और सदस्यों की बैठक चैम्बर भवन में होगी। जिसमें को-ऑप्शन के लिए सदस्यों का चुनाव किया जायेगा। महासचिव ने बताया कि अधिवक्ता विनोद सिंह को चुनाव पदाधिकारी बनाया गया है। जबकि भुवन अग्रवाल को संयुक्त चुनाव पदाधिकारी और दिग्विजय सिंह को सहायक चुनाव पदाधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ मुकीम और शिव प्रकाश गारोदिया ट्रिब्यूनल सदस्य बनाये गए हैं।

फलका थाना में घटित घटना में शामिल पांच अभियुक्त गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । जिले के फलका थाना क्षेत्र में 4 अप्रैल को कटिहार घटित घटना के संबंध में कुछ व्यक्तियों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया था। साथ ही फलका थाना में उपद्रव मचाया। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस बल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने एवं आमजन को समझा-बुझाकर शांत कराने का प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा पुलिस बल के साथ अभद्र व्यवहार किया तथा सरकारी हथियार छीनने का प्रयास किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए छिना गया हथियार

सुरक्षित रूप से बरामद कर लिया गया।घटना के संबंध में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संलिप्त व्यक्तियों की पहचान करते हुए सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस क्रम में हथियार छीनने वाले मुख्य अभियुक्त दिवाकर कुमार यादव उर्फ दिवो यादव पिता छतरी यादव लक्ष्मीपुर लोहजर थाना-फलका, जिला कटिहार निवासी सहित अन्य चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें मोनू यादव,पिता-बबलू यादव बजराहा थाना-धमदाहा, जिला पूर्णिया,प्रभात कुमार पिता राजेश यादव हरदा,थाना-मरंगा, जिला पूर्णिया,रौशन कुमार, पिता बौधी यादव लीला, थाना-भवानीपुर, जिला-पूर्णिया और अभिमन्यु कुमार, पिता विनोद यादव लीला थाना भवानीपुर जिला पूर्णिया निवासी शामिल है । घटना में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की पहचान सीसीटीवी के माध्यम से की जा रही है तथा उनके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कटिहार पुलिस आमजन से अपील करती है कि शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें।

गोविन्दपुर चौक में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बच्चे की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। सालमारी - बारसोई मुख्य सड़क मार्ग पर गोविंदपुर चौक पर शनिवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान किशन कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार बच्चा समस्तीपुर का रहने वाला है। रिश्तेदारी में आया हुआ था और सड़क किनारे खड़ा था।

इसी दौरान बारसोई की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक मोटरसाइकिल ने उसे जोरदार टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा - तफरी मच गई।आसपास के लोग तुरंत बच्चे को संभालने पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। गुस्साए लोगों ने एसएच-98 मार्ग स्थित गोविंदपुर चौक पर बांस-बल्ला लगाकर सड़क जाम कर दिया और टायर जलाकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। सूचना मिलते ही सालमारी थाना अध्यक्ष कुमारी जूली पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। काफी समझाने - बुझाने के बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया और आवागमन बहाल हो सका।

विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निदेर्शानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पूर्णिया कन्हैया चौधरी के आदेशानुसार वृद्धाश्रम पूर्णिया में सुनील कुमार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार पूर्णिया एवं अमरेश कुमार सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग पूर्णिया एवं ममता कुमारी अधीक्षक वृद्धाश्रम पूर्णिया की उपस्थिति में नालसा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवाएं योजना 2016 विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम सह निरीक्षण कार्यक्रम किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में वृद्धजनों के अधिकारों

की रक्षा, उनके कल्याण एवं संस्थागत सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, वृद्धजनों को सम्मानजनक एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। जागरूकता कार्यक्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार पूर्णिया द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। 2007 के तहतअधिकार निःशुल्क विधिक सहायता एवं परामर्श सेवाएं, लोक अदालत के माध्यम से त्वरित न्याय, वृद्धजन हेल्पलाइन एवं शिकायत निवारण व्यवस्था आदि। सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा की ओर से योजनाओं पर जानकारी दी गई। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना बिहार, राष्ट्रीय वयोश्री योजना स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा सेवाएं, वृद्धाश्रम का निरीक्षण एवं सुविधा समीक्षा आदि।कार्यक्रम के दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार पूर्णिया एवं सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग पूर्णिया द्वारा वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया गया। जिसमें आवासीय सुविधा, कमरों की स्वच्छता, वेंटिलेशन एवं प्रकाश व्यवस्था,बिस्तर, शौचालय एवं स्नानघर की स्थिति, भोजन व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं पोषण स्तर, रसोईघर की साफ-सफाई एवं खाद्य सुरक्षा मानक, स्वास्थ्य सुविधा, नियमित स्वास्थ्य जांच, दवाओं की उपलब्धता एवं मेडिकल रिकॉर्ड, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था, सुरक्षा एवं संरक्षा अग्नि सुरक्षा उपकरण, सीसीटीवी सुरक्षा व्यवस्था रजिस्टर एवं आगंतुक

महापौर को निगम पार्षद ने ग्यारह सूत्री मांग पत्र सौंपा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम वार्ड संख्या 41 की पार्षद मुन्नी देवी ने महापौर ऊषा देवी अग्रवाल को वार्ड के विकास से संबंधित पूर्व में दिए गए एवं नए 11 योजनाओं का ज्ञापन को सौंपा । निगम पार्षद मुन्नी देवी ने कहा कि वार्ड संख्या 41 का विकास के लिए लगातार वार्ड के मतदाताओं से मिलकर जो भी समस्याएं हैं उसकी प्राथमिकता देते हुए उसपर काम करने का सत प्रतिशत प्रयास किया जा रहा है।

वार्ड 41 में जल समस्या को लेकर नाला निर्माण का कार्य गली-गली में शुरू किया गया है बहुत जल्द वार्ड के सभी मोहल्लों में भी

नाला निर्माण का कार्य किया जाएगा। महापौर उषा देवी अग्रवाल को दिए गए ज्ञापन में कच्ची सड़क, छठ घाट, स्ट्रीट लाइट, सामुदायिक शौचालय, सामुदायिक भवन निर्माण ऐसी कई योजनाओं को देने का कार्य किया। वार्ड पार्षद ने बताया कि वार्ड नंबर 41 स्थित शिव नारायण सिंह के घर से अंगद यादव के घर होते हुए रामाधार महतो के घर तक पीसीसी सड़क एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण, वार्ड स्थित गोपाल यादव के घर से मनोज ठाकुर के घर तक पीसीसी सड़क एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण, वार्ड के अशोक सिंह के घर से उदय कपाड़िया के घर तक पीसीसी सड़क एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण । वार्ड संख्या के गणेश शर्मा के घर से शशि राम के घर होते हुए रामाशीष पासवान के घर तक पीसीसी सड़क की ऊंचीकारण के साथ ढक्कन सहित नाला निर्माण।वार्ड नंबर 41 स्थित रामनाथ यादव के घर से राधा रमन यादव के घर होते हुए वीरेंद्र सिंह के घर तक पीसीसी सड़क का ऊंची कारण के साथ ढक्कन सहित नाला निर्माण। वार्ड नंबर के चंद्र प्रकाश सिंह के घर से पशुपति सिंह के घर तक पीसीसी सड़क एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण।वार्ड नंबर 41 स्थित उपेंद्र सहनी के घर से गोपाल यादव के घर होते हुए अशोक सिंह के घर से रमापति ओझा के घर होते हुए बांध तक ढक्कन सहित नाला निर्माण ।हवाई अड्डा वार्ड नं 41 स्थित दारा सिंह के घर से अजय सिंह के घर होते हुए सरिता देवी के घर तक पीसीसी सड़क एवं ढक्कन सहित नाला निर्माण।

वाहन जांच अभियान चलाकर वसूला 9 हजार रुपये जुर्माना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार) । थानाध्यक्ष के निर्देश पर डंडखोरा पुलिस की ओर क्षेत्र लगातार वाहन जांच चलाया जा रहा है। पुअनि रीतेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने शनिवार को बठैली-पहलागढ रोड पर मोहनी-टिकैली मोड़ पर एवं बस्तौल सोनैली सड़क पर केवटिया पुल कै पास वाहन जांच कर 6 वाहनों से कुल 9,100 रुपये जुमार्ना वसूला। एसआई रीतेश कुमार ने बताया कि वाहन जांच होने से वाहन चालक यातायात नियमों के पालन के प्रति सचेत रहते है, तो वहीं सड़क दुर्घटना की संभावना भी कम हो जाती है।

बारसोई जंक्शन पर स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत

विधायक ने सौंपा आवेदन, समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री एवं पश्चिम बंगाल भाजपा प्रभारी मंगल पांडेय बारसोई जंक्शन पहुंचे। वे पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के तहत मालदा जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करने के क्रम में कूचबिहार जाने के लिए बारसोई पहुंचे थे। जहां से कंचनजंगा एक्सप्रेस से रवाना हुए।इस दौरान बलरामपुर की विधायक संगीता देवी ने उनका स्वागत कर बारसोई अनुमंडल अस्पताल एवं क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर एक आवेदन सौंपा।

आवेदन में अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ की कमी, नर्सिंग स्टाफ की कमी, ब्लड बैंक की अनुपलब्धता,

अल्ट्रासाउंड सुविधा के अभाव सहित कई बुनियादी समस्याओं का उल्लेख किया गया। साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए भवन निर्माण एवं अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नयन करने की मांग भी रखी गई।स्वास्थ्य मंत्री ने आवेदन पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से बातचीत की तथा समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

कदवा के विधायक दुलाल चंद्र गोस्वामी ने भी जंक्शन पहुंचकर मंत्री का स्वागत किया। जदयू नेता ख्वाजा शाहिद ने क्षेत्र के ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सक एवं एएनएम के अनुपस्थित रहने की शिकायत की, जिस पर मंत्री ने जांच कर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। पत्रकारों द्वारा अनुमंडल अस्पताल में शव वाहन के लिए ड्राइवर की कमी का मुद्दा उठाए जाने पर भी उन्होंने जल्द समाधान का आश्वासन दिया। मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि पश्चिम बंगाल में इस बार भाजपा की सरकार बनना तय है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की जनता पिछले 15 वर्षों से वर्तमान सरकार से त्रस्त है और परिवर्तन का मन बना चुकी है। मौके पर जदयू के वरिष्ठ नेता मनोज कुमार साह, उपमुख्य पार्षद प्रमोद कुमार साह, भाजपा जिला मंत्री पिंटू यादव, विजय कुमार साह, विधायक प्रतिनिधि सागर कुमार साह, निज सहायक रोहन महतो, डॉ. समरजीत सरकार, डॉ. एमए उस्मानी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

ऐपल की नौकरी छोड़ चुनी आजादी, थाम लिया ऑटो का स्टीयरिंग

अब बन चुके हैं सेंसेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्यादातर लोगों के लिए आज सफलता का पैमाना मोटी सैलरी, कॉर्पोरेट की चमक-धमक और लग्जरी कार-बंगला है। लेकिन, बेंगलुरु के राकेश बी. पाल की कहानी इस धारणा को चुनौती देती है। वह ऐपल जैसी दिग्गज कंपनी और बड़े बैंकों में काम कर चुके हैं। लेकिन, मानसिक शांति की तलाश में कॉर्पोरेट की कठपुतली बनने के बजाय उन्होंने बेंगलुरु की सड़कों पर ऑटो चलाना चुना। इस कदम ने उन्हें इंटरनेट पर सेंसेशन बना दिया है। यह कहानी सिर्फ करियर बदलने की नहीं है। इसके बजाय खुद को खोकर दोबारा पाने और मेंटल डिप्रेशन से जीत हासिल करने की प्रेरणादायक दास्तान है। आइए, यहां राकेश बी. पॉल के इस पूरे सफर के बारे में जानते हैं। बेंगलुरु के राकेश बी. पाल के करियर की शुरुआत किसी सपने जैसी थी। दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनी ऐपल में मोटी सैलरी और सुख-सुविधाओं वाली जिंदगी। इसके बाद उन्होंने कई बड़े बैंकों और कंप्यूटर मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों में भी काम किया। लेकिन, इस चमक-धमक के पीछे वह खुद को अकेला और मशीन का एक पुर्जा भर महसूस करने लगे थे। उन्हें अहसास हुआ कि कॉर्पोरेट वर्ल्ड में लोग केवल इस्तेमाल होते हैं। दूसरों को खुश रखने की होड़ में वह अपनी खुद की खुशी और पहचान पूरी तरह भूल चुके थे।

डिप्रेशन का हो गए थे शिकार

राकेश की चुनौतियां सिर्फ दफ्तर तक सीमित नहीं थीं। उनके पारिवारिक और वैवाहिक जिंदगी के तनाव ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया था। हालात इतने बिगड़ गए कि उन्हें निमहंस जैसे अस्पतालों में इलाज कराना पड़ा। वह लंबे समय तक एंटी-डिप्रेसेंट दवाओं पर निर्भर रहे। घंटों एक जगह बैठकर एक ही चीज पर सोचते रहते थे। उन्होंने खुद को घर की चारदीवारी में कैद कर लिया था। यह उनकी जिंदगी का सबसे अंधकारमय दौर था। सुख-सुविधाएं तो जरूर थीं। पर, मन में शांति का नामोनिशान नहीं था।

दवाओं के चक्रव्यूह को ऐसे तोड़ा

दवाओं के चक्रव्यूह से बाहर निकलने के लिए राकेश ने मनोविज्ञान का सहारा लिया। उन व्यवहारों को समझा जिन्होंने उन्हें चोट पहुंचाई थी। उन्होंने शारीरिक अनुशासन पर फोकस किया। इंटरमिटेंट फास्टिंग के जरिए वजन कम किया। मुए थाई और जू-जित्सु जैसे मार्शल आर्ट्स सीखे। उनकी मेहनत का फल तब मिला जब उन्होंने राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता। इस उपलब्धि ने न केवल उनके शरीर को मजबूत बनाया। बजाय इसके खोए हुए आत्मविश्वास को भी वापस लौटा दिया।

किसी भी काम को नहीं समझा छोटा

दोबारा खड़े होने के इस सफर में राकेश बी. पाल ने किसी भी काम को छोटा नहीं समझा। उन्होंने फूड डिलीवरी की। बाइक टैक्सी चलाई। यहां तक कि जिम में फर्श और टॉयलेट तक साफ किए। आज चार साल के कड़े संघर्ष के बाद वह बेंगलुरु में अपना इलेक्ट्रिक ऑटो चलाते हैं। खाली समय में पेंटिंग और डांस जैसे अपने शौक पूरे करते हैं। ऐपल के ऑफिस से बेंगलुरु की सड़कों तक का यह सफर साबित करता है कि असली आजादी ऊंचे पद में नहीं है। इसके बजाय अपनी पसंद का काम करने और मानसिक शांति के साथ जीने में है।

विदेशी मुद्रा भंडार में मोर्चे पर दो साल से मिल रही है मात, इस साल भी कमी ही

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजरायल युद्ध के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से खाली हुआ है। बीते 28 फरवरी को युद्ध का आगाज हुआ जो आज तक नहीं रुका है। इसी बीच मार्च महीने के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 40 अरब डॉलर से भी ज्यादा की कमी आई है। यदि संपूर्ण 2025-26 वित्त वर्ष की बात करें तो इस दौरान भी अपने विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 14 बिलियन की गिरावट हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार में ऐसे हुई गिरावट – रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार यूं तो एफवाय26 अपने कुल विदेशी मुद्रा भंडार में 22.72 बिलियन की बढ़ोतरी हुई। लेकिन यह बढ़ोतरी असली नहीं थी। इस बढ़ोतरी की वजह अपने स्वर्ण भंडार की वैल्यू में बढ़ोतरी होना है। दरअसल आलोच्य अवधि के दौरान सोने का मूल्य तेजी से बढ़ा। इसलिए रिजर्व बैंक के भंडार के पड़े सोने की वैल्यू बढ़ गई। यदि विदेशी मुद्रा भंडार में से सोने का एप्रिसिएशन निकाल दें तो बचता है कुल विदेशी मुद्रा संपत्ति । यह अपने विदेशी मुद्रा भंडार का मुख्य घटक है। यह एफवाय26 में लगभग .14 अरब गिरा है। इससे एक साल पहले मतलब कि एफवाय25 में भी एफसीएभंडार में 5.6 अरब की कमी हुई थी। डॉलर में अभिव्यक्त होने वाले एफसीए भंडार में विदेशी मुद्रा भंडार के हिस्से के रूप में रखी गैर-अमेरिकी मुद्राओं, जैसे यूरो, पाउंड स्टर्लिंग और येन, के मूल्य वृद्धि या गिरावट के प्रभाव को दर्शाती है। बंधन एएमसी के सीनियर इकोनॉमिस्ट श्रीजीत बालासुब्रमण्यम ने एक सप्ताह पहले ही अपनी एक रिपोर्ट में कहा था स्पॉट फोरेक्स भंडार में वृद्धि मुख्य रूप से सोने के उच्च मूल्यांकन के कारण हुई है। उनका कहना है एफवाय24 से एफवाय26 तक, एफसीएका हिस्सा 8 प्रतिशत अंक गिरा है क्योंकि भंडार में रखे गए सोने में प्रत्येक वर्ष लगभग 50 प्रतिशत वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि हुई है। इस वृद्धि का अधिकांश हिस्सा कीमतों में वृद्धि से प्रेरित है क्योंकि एफवाय25 में मात्रा केवल 7 प्रतिशत बढ़ी, जो पिछले वर्षों की तुलना में बहुत तेज वृद्धि नहीं है।

अभी कोई दिक्कत नहीं

इस समय अपने विदेशी मुद्रा भंडार का हेडलाइन नंबर) हेल्दी दिखता है। यह 11 महीनों के इंपोर्ट बिल को कवर प्रदान करता है। लेकिन जब आरबीआई की फॉरवर्ड बुक में डॉलर की कमी पर विचार किया जाता है, तो कवर गिर कर नौ महीनों तक रह जाता है। फरवरी के अंत तक रुपये के फॉरवर्ड मार्केट में आरबीआई का शॉर्ट नेट डॉलर पोजीशन .77.25 बिलियन तक बढ़ गया, जो मार्च 2025 के बाद सबसे उच्च स्तर था। जनवरी के अंत तक नेट शॉर्ट पोजीशन .68.42 बिलियन थी। बाजार ने अनुमान लगाया कि फॉरवर्ड बुक में शॉर्ट पोजीशन मार्च में और बढ़कर .100 बिलियन हो गई क्योंकि रिजर्व बैंक ने पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद रुपये के तेज अवमूल्यन को रोकने के लिए बड़ी मात्रा में डॉलर निकालना पड़ा।

लगातार छठे हफ्ते बाजार को नुकसान, भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा चपत, टीसीएस फायदे में

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते शेयर बाजार में दो दिन छुट्टी रही। इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 263.67 अंक या 0.35 प्रतिशत नीचे आया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 106.5 अंक या 0.46 प्रतिशत के नुकसान में रहा। यह लगातार छठा सप्ताह है जबकि बाजार नुकसान में रहा है। सेंसेक्स की टॉप 10 वैल्यूएबल कंपनियों में से छह के मार्केट कैप में कुल 64,734.46 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में भारती एयरटेल रही जबकि टीसीएस को सबसे ज्यादा फायदा हुआ।

इस दौरान भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 29,993.07 रुपये करोड़ घटकर 10,20,420.26 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 12,845.81 करोड़ रुपये घटकर 8,70,705.49 करोड़ रुपये रह गई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 11,169.36 करोड़ रुपये कम होकर 5,14,226.12 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,822.79 करोड़ रुपये घटकर 11,56,195.90 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 2,349.59 करोड़ रुपये घटकर 4,85,190.60 करोड़ रुपये रहा।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 553.84 करोड़ रुपये घटकर 9,41,015.31 करोड़ रुपये रह गई। इस रुख के उलट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 22,359.78 करोड़ रुपये बढ़कर 8,87,028.43 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का पूंजीकरण 12,374.76 करोड़ रुपये बढ़कर 5,27,409.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 6,575.43 करोड़ रुपये बढ़कर 4,97,111.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 3,518.45 करोड़ रुपये बढ़कर 18,28,034.07 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमश:- एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

अमूल का कारोबार 11 प्रतिशत बढ़ा, पहली बार टर्नओवर 1 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकप्रिय डेयरी ब्रांड अमूल की मार्केटिंग कंपनी वाली कंपनी गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में उसका टर्नओवर पहली बार 1 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। पिछले फाइनेंशियल ईयर में कंपनी का टर्नओवर 90,000 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी का कारोबार बीते फाइनेंशियल ईयर में 11 फीसदी बढ़ गया। कंपनी के चेयरमैन अशोक चौधरी ने कहा, 1 लाख करोड़ रुपये के ब्रांड टर्नओवर को पार करना लाखों उपभोक्ताओं के भरोसे और हमारे 36 लाख डेयरी किसानों की अथक मेहनत का प्रमाण है। अमूल को हाल में इंटरनेशनल कोऑपरेटिव एलायंस ने दुनिया के नंबर 1 कोऑपरेटिव घोषित किया था। इसके साथ ही जीसीएमएमएफ ने देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी संस्था के रूप में अपनी पोजीशन बरकरार रखी है। कंपनी के 1,200 से अधिक प्रोडक्ट पैक और व्यापक डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क है।

कब हुई थी शुरुआत -जीसीएमएमएफ 50 से ज्यादा देशों में सालाना 24 अरब से ज्यादा डेयरी प्रोडक्ट्स के पैक बेचती है। इसमें दूध, बटर चीज, घी और आइसक्रीम शामिल है। पिछले साल कंपनी की सेल 73,450 करोड़ रुपये की रही जो 2024-25 की तुलना में 11.4 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने यूरोप और अमेरिका में फ्रेश मिल्क लॉन्च किया है। कंपनी रोजाना 31 लाख लीटर दूध कलेक्ट करती है। जीसीएमएमएफ की स्थापना साल 1973-74 में हुई थी। इसमें गुजरात के 18 जिला दुग्ध संघ शामिल हैं।

1 पर 3 शेयर बोनस दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट अगले हफ्ते, 6 महीने में पैसा किया दोगुना

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में 7 अप्रैल को एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। कंपनी ने योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 3 शेयर बोनस के तौर पर देने का फैसला किया है। बता दें, कंपनी पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर दे रही है। शेयर अगले हफ्ते यानी सोमवार को एक्स-बोनस ट्रेड करेंगे। कंपनी ने एक शेयर पर 3 शेयर बोनस के तौर पर देने का फैसला किया है। बता दें, कंपनी के शेयरों का बंटवारा भी हुआ है। शेयर बाजारों की दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 2 हिस्सों में बांटा गया है। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 5 रुपये प्रति शेयर हो गया। कंपनी शेयर बाजार में 27 मार्च 2026 को एक्स-स्प्लिट स्टॉक के तौर पर ट्रेड की थी।

किस दिन एक्स-बोनस ट्रेड करेगी कंपनी – कंपनी शेयर बाजार में 7 अप्रैल को एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। कंपनी ने योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 3 शेयर बोनस के तौर पर देने का फैसला किया है। बता दें, कंपनी पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर दे रही है।

6 महीने में किया पैसा दोगुना

गुरुवार को बाजार के बंद होने के समय पर यह स्टॉक बीएसई में 1.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 168 रुपये के स्तर पर था। बीते तीन महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 65 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 6 महीने में यह स्टॉक 179 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। जिसकी वजह से पोजीशनल निवेशकों का पैसा दोगुना हो चुका है। बता दें, एक साल में शेयरों की कीमतों में 196 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी का बीएसई में 52 वीक हाई 168 रुपये और 52 वीक लो लेवल 50.13 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 34.92 करोड़ रुपये का है। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी सितंबर तिमाही तक 41.97 प्रतिशत थी। वहीं, पब्लिक के पास 58.03 प्रतिशत हिस्सा था।

सोने की कीमतों में 26293 रुपये की गिरावट, चांदी का रेट 36393 रुपये गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में पिछले एक महीने के दौरान भारी गिरावट देखने को मिली है। 5 मार्च से 5 अप्रैल के दौरान सोने की कीमतों में 26293 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट देखने को मिली। इस गिरावट के पीछे की वजह युद्ध है। अस्थिरता के बीच निवेशकों को बड़ा झटका लगा है।

कितना था रेट

5 मार्च 2026 को सोने का भाव 160586 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। जोकि 2 अप्रैल को 146608 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। 1 महीने में सोने का रेट 26293 रुपये सस्ता हो गया है।

चांदी की कीमतों में भी गिरावट

बीते एक महीने में चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई है। 5 मार्च 2026 को इंडियन बुलियन ज्वैलर्स की रिपोर्ट के अनुसार चांदी का रेट 264212 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर था। जो अब 36393 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट के बाद 227813 रुपये के स्तर पर आ गया है।

- **आज का क्या है रेट** – शुक्रवार, शनिवार और रविवार को छुट्टी की वजह से नई कीमतों का ऐलान नहीं हुआ है। 2 अप्रैल को 24 कैरेट गोल्ड का रेट 145507 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। 23 कैरेट गोल्ड का रेट 144924 रुपये प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट गोल्ड का रेट 133282 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। वहीं, 18 कैरेट गोल्ड का रेट 109130 रुपये और 14 कैरेट गोल्ड का रेट 85122 रुपये प्रति 10 ग्राम है। चांदी की बात करें तो यह 224660 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गया है।
- **क्यों गिर रहा है सोने का भाव** – सोने की कीमतों में गिरावट की वजह अस्थिरता है। युद्ध की वजह से कच्चे तेल की सप्लाई चेन बुरी तरह से प्रभावित हुई है। जिसकी वजह से क्रूड ऑयल की कीमतों में तेजी जारी है। इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल का भाव 100 डॉलर के ऊपर चल रहा है। जिसकी वजह से आने वाले समय में महंगाई दरों में इजाफा होने की उम्मीद बढ़ गई है। अगर ऐसा हुआ तब की स्थिति में सेंट्रल बैंकों की तरफ से एक बार फिर से ब्याज दरों में इजाफा देखने को मिल सकता है।

जंग के बाद नमकीन इंडस्ट्री का बिगड़ा माहौल, बीकानेर भुजिया के बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल-ईरान के बीच छिड़ी जंग का असर अब दुनिया भर में मशहूर बीकानेर की नमकीन इंडस्ट्री पर भी पड़ने लगा है। नमकीन के एक्सपोर्ट की रफ्तार धीमी पड़ गई है। एक्सपोर्टर्स का कहना है कि युद्ध के कारण कंटेनरों की कमी हो गई है, जिसका असर न सिर्फ एक्सपोर्ट पर पड़ा है बल्कि इंपोर्ट भी प्रभावित हो रहा है। निर्यातकों के अनुसार कंटेनरों का आवागमन काफी धीमा हुआ है। जो खेप पहले लगभग 30 दिन में पहुंच जाती थी उसमें अब 60 दिन तक का समय लग रहा है क्योंकि युद्ध के चलते उसे लंबे और सुरक्षित रास्तों से भेजा जा रहा है। मैन्युफैक्चरर्स को डर है कि जंग के कारण पैदा हुई आर्थिक अस्थिरता से प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ सकती हैं। ऐसे में बीकानेर भुजिया के दाम बढ़ेंगे।

क्या कहा नमकीन कारोबारी ने– भीखाराम ग्रुप से जुड़े नमकीन कारोबारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि कच्चे माल और ढुलाई आदि की बढ़ती लागत से उद्योग को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध की वजह से माल भाड़े में भारी बढ़ोतरी हुई है और कच्चे माल की कीमतें भी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने में खाद्य तेल की कीमत में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ रहा है।

क्या कहते हैं निर्यातक – न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक खबर में निर्यातक राजेश जिंदल ने कहा कि आने वाले और जाने वाले, दोनों तरह के माल की खेप में देरी हो रही है। इससे व्यापारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा- आने वाला और जाने वाला, दोनों तरह का माल देर से पहुंच रहा है और लागत में काफी बढ़ोतरी हुई है। अरब देशों में बीकानेरी नमकीन (स्नैक्स) और मसालों की मांग अब भी काफी ज्यादा है लेकिन आपूर्ति ढांचे में आई रुकावटों की वजह से नुकसान हो रहा है। व्यापारियों ने बताया कि निर्यात के साथ साथ पाम ऑयल और सोयाबीन जैसे जरूरी कच्चे माल के आयात पर भी असर पड़ा है। पेट्रोलियम की बढ़ती कीमतों से पैकेजिंग की लागत को 30-40 प्रतिशत तक बढ़ी है जिससे जिससे निर्माताओं के लिए लागत अधिक आ रही है। निर्यातकों ने कहा कि यह समय नमकीन के व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि निर्यात के 'व्यस्ततम समय' के लिए तैयारियां आमतौर पर इसी समय शुरू हो जाती हैं। उत्पादों की आपूर्ति के समय को लेकर बनी अनिश्चितता और बढ़े माल भाड़े की वजह से व्यापारी अपनी रणनीति पर पुनर्विचार को मजबूर हैं।

यस बैंक के नतीजे देख निवेशक खुश! डिपॉजिट-लोन दोनों में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के प्रमुख बैंक यस बैंक ने फाइनेंशियल ईयर 2026 की चौथी तिमाही में ऐसा प्रदर्शन किया है, जो यह संकेत देता है कि बैंक अब धीरे-धीरे स्थिरता की ओर बढ़ रहा है। इस तिमाही में बैंक के लोन सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 2.72 लाख करोड़ तक पहुंच गए, जबकि तिमाही दर तिमाही इसमें 6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, डिपॉजिट यानी ग्राहकों द्वारा बैंक में जमा राशि 12 प्रतिशत ङ्घश्चङ्घ बढ़कर 3.18 लाख करोड़ हो गई, जो लोन ग्रोथ से ज्यादा तेज है। यह ट्रेंड बैंक के लिए सकारात्मक माना जाता है, क्योंकि ज्यादा डिपॉजिट का मतलब बेहतर फंडिंग और कम जोखिम है।

इस स्ट्रॉन्ग डिपॉजिट ग्रोथ का सीधा असर बैंक के क्रेडिट-डिपॉजिट पर भी देखने को मिला, जो घटकर 85.4 प्रतिशत पर आ गया है, जबकि पिछली तिमाही में यह 88 प्रतिशत था। आसान भाषा में समझें तो बैंक अब अपने पास मौजूद फंड के मुकाबले थोड़ा कम लोन दे रहा है, जिससे उसकी बैलेंस शीट ज्यादा संतुलित और सुरक्षित बन रही है। निवेशकों के लिए यह एक अच्छा संकेत माना जाता है, क्योंकि इससे बैंक की फाइनेंशियल हेल्थ बेहतर दिखती है। बता दें कि यस बैंक के शेयर अभी 17.90 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं।

इस तिमाही का एक और बड़ा पॉजिटिव फैक्टर सीएएसए (करंट और सेविंग अकाउंट) डिपॉजिट में जबरदस्त बढ़ोतरी रही। सीएएसए 14.9 प्रतिशत सालाना बढ़कर 1.11 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जबकि इसका अनुपात भी बढ़कर 35.1 प्रतिशत हो गया। सीएएसए डिपॉजिट बैंक के लिए सस्ता फंड होता है, जिससे ब्याज लागत कम होती है और मुनाफा बढ़ाने में मदद मिलती है। इसका मतलब है कि यस बैंक अब अपनी रिटेल डिपॉजिट बेस को मजबूत करने में सफल हो रहा है।

हालांकि, तस्वीर पूरी तरह से परफेक्ट नहीं है। बैंक ने सर्टिफिकेट्स ऑफ डिपॉजिट के जरिए भी काफी फंड जुटाया है, जो 990 करोड़ से बढ़कर 6,831 करोड़ तक पहुंच गया। इसका मतलब है कि बैंक अभी भी कुछ हद तक महंगे या शॉर्ट-टर्म फंडिंग सोर्स पर निर्भर है। यह एक ऐसा पहलू है, जिस पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी। लिक्विडिटी की बात करें तो बैंक की स्थिति मजबूत बनी हुई है। लिक्विडिटी कवरेज रेशियो 119 प्रतिशत पर है, जो नियामकीय जरूरतों से काफी ऊपर है। कुल मिलाकर त्त्न4 के आंकड़े यह दिखाते हैं कि बैंक की ग्रोथ भले ही बहुत आक्रामक न हो, लेकिन उसकी गुणवत्ता बेहतर हो रही है। मजबूत डिपॉजिट, बेहतर सीएएसए और कंट्रोल ष्टष्ठ रेशियो के साथ यस बैंक एफवाय27 में एक संतुलित और टिकाऊ ग्रोथ की दिशा में आगे बढ़ता नजर आ रहा है।

'दृश्यम 3' की रिलीज से पहले शुरू होगी स्पेनिश रीमेक की शूटिंग!

साल 2024 में मेकर्स ने फिल्म 'दृश्यम' को कई विदेशी भाषाओं में बनाने की घोषणा की थी। इसकी जानकारी देते हुए यह भी कहा गया था कि इस पर कई देशों में काम चल रहा है। अब दो साल बाद सुनने में आया है कि फिल्म के स्पेनिश वर्जन की शूटिंग जल्द शुरू होगी।

जून से शुरू होगी शूटिंग

हाल ही में 'दृश्यम' के स्पेनिश रीमेक पर काम करने जा रहे निर्माता रोड्रिगो एस्पिनेल ने इस बारे में जानकारी दी। दिल्ली में हुए अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान निर्माता ने बताया, 'मेरे एक साथी मैक्सिकन निर्माता ने इसके राइट्स खरीदे हैं। इसके बाद उन्होंने मुझे कॉल करके इसकी जानकारी दी। स्पेन में यह आसान होता इसीलिए हमने इस पर काम करना शुरू कर दिया। कहानी पूरी तरह से स्पेनिश लोगों के अनुसार है। हम जून से इसकी शूटिंग शुरू करेंगे।'

मलयालम फिल्म 'दृश्यम' की रिमेक

बता दें कि फरवरी 2024 में 'दृश्यम' का कई भाषाओं रीमेक बनने की खबरें सामने आई थीं। मेकर्स ने कहा था कि इस फिल्म के कई वर्जन बनाए जा रहे हैं। अमेरिका और कोरिया तक में इस पर काम चल रहा है। इसकी घोषणा कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक ने की थी, जिन्होंने आशीर्वाद सिनेमाज से 'दृश्यम 1' और 'दृश्यम 2' के अंतरराष्ट्रीय रीमेक अधिकार हासिल किए थे। हालांकि, इस घोषणा के बाद कभी इन रीमेक पर किसी तरह की कोई खबर नहीं आई।

2013 में बनी थी पहली 'दृश्यम'

साल 2015 में रिलीज हुई अजय देवगन स्टारर दृश्यम, 2013 में इसी नाम से रिलीज हुई मोहनलाल की फिल्म की रीमेक थी। फिल्म मूल रूप से पहली बार मलयालम भाषा में 2013 में रिलीज हुई थी। इसमें मोहनलाल के साथ मीना, अंसिबा हसन, एस्तेर अनिल और नीरज माधव जैसे कलाकारों ने काम किया था। इसका निर्माण आशीर्वाद सिनेमाज के तहत एंटनी पेरुंबवूर ने किया था।

कब रिलीज होगी 'दृश्यम 3'

मलयालम वर्जन वाली मोहनलाला स्टारर 'दृश्यम 3' की आधिकारिक रिलीज डेट 2 अप्रैल 2026 तय की गई थी। हालांकि, मेकर्स ने इसकी रिलीज टाल दी है। वहीं अजय देवगन स्टारर 'दृश्यम 3' का हिंदी वर्जन अक्तूबर में रिलीज हो सकता है।

पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म में नजर आएंगी सप्तमी गौड़ा!

बड़े लेवल पर हो रही फिल्म की तैयारी

सप्तमी गौड़ा ने अपने करियर की शुरुआत डायरेक्टर सूरी की फिल्म 'पॉपकॉर्न मंकी टाइगर' से की थी। इसके बाद उन्हें ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' से बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म के बाद उन्होंने हिंदी और तेलुगु फिल्मों में भी काम करना शुरू कर दिया है। अब उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है।

500 साल पहले की कहानी पर होगी फिल्म

एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक सप्तमी को इस फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है।इस फिल्म को डेब्यू डायरेक्टर पुनीत रुद्रनाग डायरेक्ट कर रहे हैं, वहीं इसे जयाराम देवसमुद्रा सुरम मूवीज के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसमें इतिहास और फिक्शन देखने को मिलेगा। कहानी लगभग 500 साल पहले के समय पर आधारित बताई जा रही है।

श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

यह पहली बार होगा जब सप्तमी गौड़ा और श्रीमुरली एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है और अपने किरदार के लिए वह खास तैयारी भी कर रहे हैं। खबर है कि वह इस फिल्म में एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के ऐतिहासिक माहौल के मुताबिक होगा। फिलहाल सप्तमी के रोल को लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हाल ही में 'द राइज ऑफ अशोका' में नजर आने के बाद 'उग्रयुद्धम' उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है। फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर संकेथ (मैसूर), आर्ट डायरेक्टर अमर और वीएफएक्स का काम निर्मल कुमार संभाल रहे हैं, जो 'सलार' में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

'हलागली' में भी नजर आएंगी

'उग्रयुद्धम' के अलावा सप्तमी गौड़ा एक और पीरियड फिल्म 'हलागली' में भी नजर आएंगी, जिसे सुकेश नायक डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें धनंजय भी उनके साथ हैं। इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है।

अभी 3-4 महीने और चलेगी 'धुरंधर 2'

अदिवी सेश की फिल्म 'डकैत' पहले 19 मार्च को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने बाद में इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी। इसकी बड़ी वजह बनी 'धुरंधर द रिवेंज', जिसमें रणवीर सिंह नजर आ रहे हैं। अब 'धुरंधर 2' को लेकर फिल्म के एक्टर अदिवी सेश ने बड़ा बयान दिया है।

ट्रेलर लॉन्च के दौरान अदिवी सेश ने खुद इस बदलाव पर बात की। उन्होंने बताया कि साउथ में उगादी का समय रिलीज के लिए अच्छा था, लेकिन उन्हें थिएटर्स में सही स्क्रीन नहीं मिल रही थीं, क्योंकि 'धुरंधर 2' का जबरदस्त क्रेज चल रहा है। अदिवी ने आगे कहा कि 'धुरंधर 2'का बॉक्स ऑफिस रन अभी 3-4 महीने और चल सकता है, और उन्हें उम्मीद है कि यह चलता भी रहे। उन्होंने इसकी तुलना आईपीएल से करते हुए कहा कि ऐसी चीजें पूरी कल्चर को प्रभावित करती हैं।

'डकैत' फिल्म के बारे में

फिल्म की बात करें तो 'डकैत' में अदिवी सेश एक इंस्पेक्टर के रोल में नजर आएंगे। कहानी दो ऐसे लोगों की है जो पहले एक-दूसरे से प्यार करते थे, लेकिन हालात उन्हें साथ मिलकर चोरी की वारदातें करने पर मजबूर कर देते हैं। इस फिल्म में प्रकाश राज और अनुराग कश्यप भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

अनन्या पांडे ने खत्म की इस सीरीज की शूटिंग

अनन्या पांडे फिल्मों के अलावा सीरीज का भी हिस्सा बन रही हैं। अपनी अपकमिंग एक सीरीज की शूटिंग एक्ट्रेस ने खत्म कर ली है। अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर अपकमिंग सीरीज की शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी। सीरीज की शूटिंग खत्म होने का जश्न भी मनाया है।

अनन्या पांडे जल्द ही सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इस सीरीज में वह एक स्टाइलिश लड़की के रोल में हैं, जिसकी लाइफ में कई दिक्कतें आती हैं लेकिन वह अपने ही अलग अंदाज में इनका हल तलाश लेती है। इस सीरीज में अनन्या पांडे के साथ इस बार श्रुति हासन भी नजर आएंगी। 'कॉल मी बे 2' को करण जौहर ने प्रोड्यूस किया है। इससे पहले भी अनन्या पांडे करण जौहर प्रोडक्शन के कई प्रोजेक्ट्स कर चुकी हैं। 'कॉल मी बे 2' के अलावा अनन्या पांडे एक फिल्म 'चांद मेरा दिल' भी कर रही हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

मेरी पैसों में दिलचस्पी नहीं लोगों की आंखों में खुशी के आंसू एक्साइट करते हैं

आमिर खान ने फिल्मों में ना सिर्फ अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया बल्कि जब उन्होंने बेहतरीन फिल्में बनाईं, तो कहा जाने लगा कि आमिर हर काम बड़े तरीके से करते हैं। यहीं से उन्हें मिस्टर परफेक्शनिस्ट का टैग भी मिला। लेकिन आमिर कहते हैं कि उनके लिए सफलता का पैमाना बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कितने करोड़ कमाए, इससे तय नहीं होता। आमिर खान ने कहा, 'मेरे लिए पैसों की अहमियत उतनी ही रही है, जितना मैं उसको इस्तेमाल कर सकता हूं। कुछ लोगों के लिए पैसों की अहमियत बहुत ज्यादा है, हालांकि वो भी गलत चीज नहीं है, सबकी अपनी जरूरत है। मेरा शुरू से व्यवहार रहा है कि मुझे पैसों में कोई रुचि नहीं रही है।'

मुझे स्टोरी और लोगों की भावनाएं उत्साहित करती हैं

आमिर खान कहते हैं कि मुझे उत्साह पैसों से नहीं बल्कि कहीं और से मिलता है। वह कहते हैं, 'मेरे पिता फिल्ममेकर थे, तो अक्सर लोग सोचते हैं कि एक फिल्ममेकर का बेटा है तो पैसे वाले परिवार से है। लेकिन हमारे लिए वो समय आर्थिक तौर पर बहुत मुश्किल वक्त था। मेरे पिता फिल्ममेकर बहुत अच्छे थे, लेकिन वो बिजनेसमैन अच्छे नहीं थे। इसलिए ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि मैं पैसे वाली फैमिली से हूं तो मेरे लिए पैसों की वैल्यू नहीं है। मुझे स्टोरी उत्साहित करती हैं, मुझे लोगों को हंसाना, अपने काम से उनकी आंखों में खुशी के आंसू देखना, उनके दिल का छूना एक्साइट करता है।'

'मैंने शेड्यूल बनाकर बचपन नहीं जीया'

आजकल के बच्चे पढ़ाई, ट्यूशन, टेनिस क्लास, म्यूजिक क्लास में ही पूरा दिन निकाल देते हैं। उनका पूरा दिन का शेड्यूल पहले से ही पैक रहता है। आमिर कहते हैं, 'मेरा क्रिकेट या फुटबॉल क्लास का कोई शेड्यूल नहीं था। मैं क्रिकेट खेलता था, मैं फुटबॉल खेलता था, उनकी क्लास नहीं लेता था। मेरी मां ने भी कभी भी मेरे लिए ऐसा करने के लिए कोई शेड्यूल नहीं बनाया था। लेकिन आज ये शेड्यूल का हिस्सा बन गया है। हमें एक तो पहले से ही पढ़ाई से तकलीफ होती थी। स्कूल से एक बजे घर आते थे, मुझे टेनिस में रुचि थी, तो मैं टेनिस खेलता था, लेकिन जैसे ही मैं फ्री हो गया और मैं टेनिस के लिए नहीं गया हूं तो मैं बिल्डिंग के नीचे जाता था, और बोलता था स्वीटी, केवल, विकी, दरअसल मैं अपने दोस्तों का नाम लेता था, और वो भी मुझे मेरे नाम से बुलाते थे उस समय शेड्यूल फॉलो नहीं करते थे, हम एक साथ जुटते थे और खेलने लग जाते थे।'

आज के दौर में डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी

आमिर का कहना है कि आज के दौर में डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। वह कहते हैं, 'आजकल तो हर आदमी ज्यादातर समय फोन पर ही रहता है। हम डे ड्रीमिंग की कला को खोते जा रहे हैं। जब भी हम फ्री होते हैं, हमारा फोन हमारे हाथ में आ जाता है और हम अलग-अलग एप्स पर कुछ शॉर्ट्स देखने लगते हैं। वो बहुत मजेदार भी होते हैं लेकिन वो आपके दिमाग और समय को ऑब्जर्व कर रहे होते हैं। एक वक्त था जब फोन नहीं था, तो जब हम गाड़ी में बैठे होते थे और सिर्फ सोच रहे होते थे। बाहर जिंदगी को गुजरते हुए देख रहे होते थे। ये थी डे ड्रीमिंग। मुझे लगता है कि डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है।

'रणबाली' से लेकर 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रशिमका मंदाना, दिखेगा एक्शन-रोमांस का तड़का

शादी के बाद रशिमका मंदाना कई बड़ी बजट की फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में 'रणबाली' से लेकर 'एनिमल पार्क' और 'कॉकटेल 2' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में एक्शन, रोमांस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। रशिमका मंदाना इन सभी फिल्मों के जरिए अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली हैं। दर्शक इन फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'मैसा'

'मैसा' एक तेलुगु एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसमें रशिमका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में रशिमका एक गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका किरदार बहुत बेबाक, जोशीला, साहसी और मजबूत इच्छाशक्ति वाला है। इस फिल्म का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। यह फिल्म गोंड जनजाति की संस्कृति और परंपराओं पर आधारित एक भावनात्मक एक्शन थ्रिलर है।

'रणबाली'

'रणबाली' एक तेलुगु फिल्म है। इसमें रशिमका मंदाना और विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। विजय देवरकोंडा और रशिमका मंदाना की शादी के बाद यह उनकी पहली फिल्म साथ में होगी। 'रणबाली' की कहानी 18वीं सदी की है। यह रायलसीमा क्षेत्र के एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी की कहानी है, जो ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ता है। रशिमका इस फिल्म में विजय की पत्नी जयम्मा का किरदार निभा रही हैं।

'पुष्पा 3 : द रैम्पेज'

'पुष्पा 3 : द रैम्पेज' सुपरहिट 'पुष्पा' सीरीज की तीसरी फिल्म है। रशिमका मंदाना एक बार फिर श्रीवल्ली के रोल में वापसी करेंगी। अल्लू अर्जुन फिर से 'पुष्पा' के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में पिछले भागों से भी ज्यादा एक्शन, रोमांस और रोमांच देखने को मिलेगा।

AA22×A6

AA22×A6 एक तेलुगु फिल्म है। इसमें दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक एटली कर रहे हैं। कहानी एक दिव्य योद्धा (अल्लू अर्जुन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अराजकता से लड़ता है और पूरे ब्रह्मांड को बचाने का मिशन लेता है।

'एनिमल पार्क'

'एनिमल पार्क' 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' की सीक्वल है। 'एनिमल पार्क' की शूटिंग 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इसमें रणबीर कपूर दो हमशक्ल किरदारों में नजर आएंगे। रशिमका मंदाना अपनी पिछली भूमिका गीतांजलि (रणविजय सिंह की पत्नी) को फिर से निभाती नजर आएंगी।

'कॉकटेल 2'

'कॉकटेल 2' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक अनोखी और अलग तरह की प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। रशिमका मंदाना, शाहिद कपूर और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।

टेस्ट के लिए बीसीसीआई का स्पेशल प्लान, श्रीलंका का दौरा, लक्ष्मण को जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड टेस्ट क्रिकेट की बढ़ोतरी के लिए प्रयासरत है। खबर है कि रेड बॉल फॉर्मेट को प्रमोट करने के लिए बीसीसीआई ने खास प्लान तैयार किया है। अंडर-19 और अंडर-25 स्तर के क्रिकेट पर भी बड़े फैसले लिए जाने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के डायरेक्टर वीवीएस लक्ष्मण और उनकी टीम भी रेड बॉल क्रिकेट पर अधिक ध्यान लगाएगी। रिपोर्ट्स अनुसार भारत की अंडर-19 और अंडर-25 टीम टेस्ट मैच सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करने वाली है। भारत की अंडर-19 टीम ने हाल ही में आयुष म्हात्रे की कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। इस टेस्ट सीरीज में वैभव सूर्यवंशी भी खेलते हुए दिख सकते हैं। बीसीसीआई का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इसी साल जून और जुलाई के महीने मेंटूर्नामेंट आयोजित करने जा रहा है। मतलब आईपीएल 2026 के समापन के ठीक बाद खूब सारी लाल गेंद की क्रिकेट खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में 4-दिवसीय मैच खेले जाएंगे। इसका उद्देश्य टेस्ट फॉर्मेट के लिए ऐसे सुपरस्टार खिलाड़ी तैयार करना है, जो भविष्य में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर सकें। बताया जा रहा है कि इस टूर्नामेंट में 64 युवा क्रिकेटर खेलते हुए दिख सकते हैं। इन सभी 64 खिलाड़ियों की उम्र 25 साल से कम होगी। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड ऑफ क्रिकेट वीवीएस लक्ष्मण उस प्रतिभा को खोजने में अहम भूमिका निभाएंगे, जो इस इंट्रा-ष्ट्हश्व टूर्नामेंट में खेलेंगे। रिपोर्ट अनुसार राष्ट्रीय चयनकर्ताओं, कोचों को भी टेस्ट फॉर्मेट के नए सुपरस्टार खिलाड़ी तैयार करने का संदेश भेजा जा चुका है।

अधिकारी पर लगा यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और करियर बर्बाद करने की धमकी देने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय हॉकी इस वक्त एक गलत वजह से चर्चा में है। दरअसल हॉकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी पर यौन उत्पीड़न, अपने पद का दरुपयोग और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा है। इस तरह के आरोप के बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा

को लेकर फिर से गंभीर चिताएं उठ खड़ी हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक गुमनाम ईमेल शीर्ष अधिकारियों के पास भेजा गया है जिसमें इन आरोपों का जिक्र किया गया है। जिन अधिकारियों के पास ये मेल भेजा गया है उसमें हरि रंजन राव (निदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण), कल्पना शर्मा (निदेशक, साई, आंतरिक शिकायत समिति) और दिलीप तिर्की (अध्यक्ष, हॉकी इंडिया) शामिल हैं। अधिकारियों के पास भेजे गए ईमेल में हॉकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी पर महिला अधिकारियों, कोचों और खिलाड़ियों के साथ अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया गया था साथ ही ये भी बताया गया है कि उस अधिकारी ने खिलाड़ियों से अनुचित तस्वीरें भी मांगी थी। यही नहीं उस अधिकारी पर अपनी सत्ता का दुरुपयोग करके निजी मेल-जोल के लिए मजबूर करने, बार-बार अवांछित कॉल करने और यहां तक कि करियर बर्बाद करने की धमकी देने के भी आरोप लगे हैं। इस मेल में उस अधिकारी पर जबरन वसूली का भी आरोल लगाया गया है जिसमें उन्होंने कोचिंग और अन्य पेशेवर अवसरों के बदले पैसों की मांग की थी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस मामले पर कहा कि हमें एक गुमनाम शिकायत मिली है और हॉकी इंडिया में हम उत्पीड़न के आरोपों को बहुत गंभीरता से लेते हैं। इस मामले की पूरी तरह से जांच करने के लिए एक स्वतंत्र जांच समिति गठित की जाएगी।

अशोक ने फेंकी सबसे तेज गेंद

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने कमाल कर दिया. अशोक ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में ऐसी रफ्तार दिखाई, जिसके कारण स्टेडियम से लेकर सोशल मीडिया तक हर जगह उन्हीं की चर्चा होने लगी. 4 अप्रैल (शनिवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अशोक ने 154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से एक गेंद डाली. यह आईपीएल 2026 की सबसे तेज गेंद रही.

पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने पहले मैच में अशोक शर्मा ने अच्छी रफ्तार की झलक दिखाई थी, लेकिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ वह बिल्कुल अलग ही लेवल पर नजर आए. उन्होंने शुरुआत से 145 (किमी/घंटा) से ऊपर की गेंदें फेंकीं और फिर पूरे स्पेल के दौरान तेज रफ्तार को बनाए रखा।. असली धमाका पारी के 16वें ओवर में हुआ, जब उन्होंने ओवर की आखिरी गेंद ध्रुव जुरेल को 154.2 किमी की रफ्तार से डाली. जुरेल उस यॉर्कर गेंद पर किसी तरह बच पाए।

गुजरात टाइटंस ने गिल की इंजरी पर तोड़ी चुप्पी, दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते शनिवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुजरात टाइटंस की कप्तानी शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में राशिद खान ने की। शुभमन गिल मांसपेशियों में खिचाव के चलते आरआर के खिलाफ नहीं खेल पाए। गुजरात टाइटंस के असिस्टेंट कोच पार्थिव पटेल ने हालांकि शुभमन गिल की चोट को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। पार्थिव पटेल को उम्मीद है कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 8 अप्रैल को होने वाले मुकाबले तक शुभमन गिल फिट हो जाएंगे। होस्ट ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए भारत के पूर्व खिलाड़ी पार्थिव पटेल ने कहा, 'उनको पहले नेक स्प्रेन हुआ था और कुछ दिन पहले उनको स्पेज्म भी था। उम्मीद है कि वह आने वाले गेम के लिए फिट हो जाएंगे। इंजरी ज्यादा सीरियस नहीं लग रही है। इंजरी मैनेजमेंट मेरी विशेषज्ञता नहीं है। लेकिन मैं आपको कह सकता हूं कि वो ठीक हो जाएंगे।' गिल का शेड्यूल पिछले साल फरवरी से काफी ज्यादा बिजी रहा है। उन्होंने लगातार क्रिकेट खेला है। वनडे और टेस्ट में कप्तान बनने के बाद उनका वर्कलोड और भी बढ़ गया। पिछले साल उन्होंने इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी खेला है। शुभमन गिल एशिया कप का भी हिस्सा थे।

जीत के हीरो रहे बिश्नोई बोले- सुधार के लिए की कड़ी मेहनत

अहमदाबाद, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार रात खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 6 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले के हीरो लेग स्पिनर रवि बिश्नोई रहे, जिन्होंने चार महत्वपूर्ण विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उतरे बिश्नोई ने 4 ओवर में 41 रन देकर 4 विकेट झटके। उन्होंने साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया को आउट कर मैच का रुख पलट दिया। मैच के बाद बिश्नोई ने कहा कि पिछला सीजन उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने अपनी लेंथ और प्रदर्शन पर लगातार मेहनत की। उन्होंने बताया कि मानसिक, तकनीकी और शारीरिक–तीनों स्तर पर सुधार के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अपने पसंदीदा विकेट के रूप में उन्होंने राहुल तेवतिया का नाम लिया। बिश्नोई के अनुसार, वह ऐसे मौकों के खिलाड़ी हैं। अगर वह उस समय आउट नहीं होते, तो मैच किसी भी तरफ जा सकता था।

आईपीएल 2026: रोहित शर्मा के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, धोनी का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से हो रही है। मुंबई के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 26 गेंदों में 35 रन बनाए। रोहित ने अपनी इस पारी के दौरान एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रोहित शर्मा आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं। इसके साथ ही वह आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। दिल्ली के खिलाफ 35 रनों की अपनी पारी में रोहित ने एक छक्का लगाया। रोहित दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 51 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने इस मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है। धोनी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं।

वहीं, इस लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 61 छक्के लगाए हैं। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रयान रिकेल्टन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 11 गेंदों का सामना करने के बाद महज 9 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे तिलक वर्मा को मुकेश कुमार ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ मिलकर 53 रन जोड़े। रोहित 26 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में 141 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 51 रन बनाए।

मुंबई इंडियंस ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए हैं। पूरी तरह से फिट ना होने की वजह से हार्दिक पांड्या यह मुकाबला नहीं खेल रहे हैं और उनकी जगह पर दीपक चाहर को शामिल किया गया है। वहीं, ट्रेंट बोल्ट के स्थान पर कॉर्बिन बॉश और अल्लाह गजनफर की जगह पर मिचेल सैंटनर को टीम में शामिल किया गया है।

43 साल की उम्र में कमाल!

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एंडरसन की घातक गेंदबाजी, 56वीं बार पारी में पांच विकेट झटके

नई दिल्ली। क्रिकेट में अक्सर उम्र के साथ खिलाड़ियों की धार कम होती दिखती है, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो इस धारणा को पूरी तरह गलत साबित कर देते हैं। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज सर जेम्स एंडरसन उन्हीं में से एक हैं, जिन्होंने 43 साल की उम्र में भी अपनी स्विंग और सटीकता से बल्लेबाजों को परेशान करना जारी रखा है। काउंटी क्रिकेट में एंडरसन ने एक बार फिर शानदार गेंदबाजी करते हुए पारी में पांच विकेट झटके। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का 56वां पांच विकेट हॉल है। लंकाशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने नॉर्थैम्पटनशायर के खिलाफ यह कारनामा किया। एंडरसन ने 13 ओवर में 64 रन देकर पांच विकेट हासिल किए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। एंडरसन की गेंदबाजी के आगे विपक्षी बल्लेबाज टिक नहीं पाए। उन्होंने टॉप और मिडिल ऑर्डर को झकझोरते हुए अहम विकेट निकाले। उनकी स्विंग और लाइन–लेंथ इतनी सटीक थी कि बल्लेबाजों के पास जवाब नहीं था। खास बात यह रही कि इस उम्र में भी उनकी फिटनेस और रिदम बिल्कुल युवा गेंदबाजों जैसी नजर आई।

पायल नाग ने महिला कम्पाउंड फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

बैंकॉक, एजेंसी। भारत की युवा पैरा तीरंदाज पायल नाग ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए शीतल देवी को हराया। पायल ने पैरा तीरंदाजी सीरीज के महिला कम्पाउंड वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय पैरा तीरंदाजी में एक नया सितारा उभर कर सामने आया है। बैंकॉक में महिला कम्पाउंड वर्ग के फाइनल में पायल नाग ने विश्व चैंपियन शीतल देवी को हराकर पैरा तीरंदाजी सीरीज में स्वर्ण पदक जीत लिया है। फाइनल में दो भारतीय आमने-सामने थे और 18 वर्षीय पायल ने ये मुकाबला 139-136 के अंतर से जीता। पायल का यह सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला स्वर्ण पदक है। 19 वर्षीय शीतल के हालिया शानदार प्रदर्शन को देखते हुए यह परिणाम और भी उल्लेखनीय है।

खिलाड़ी के साथ सेल्फी के बाद बदला कार्लसन का मूड! अधिकारी से कहकर मोबाइल हटवाया

नई दिल्ली, एजेंसी। मैग्नस कार्लसन ने मैच से पहले प्रतिद्वंदी के साथ सेल्फी ली, लेकिन बाद में नियमों का हवाला देकर उनका फोन हटवा दिया। यह घटना वायरल हो गई और सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। शतरंज की दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह कोई चाल या जीत नहीं, बल्कि मैच से पहले का एक अजीब वाकया है। जर्मनी के कार्लजूए में खेले जा रहे ग्रेंके चेस फ्रीस्टाइल ओपन के दौरान कार्लसन और उनकी प्रतिद्वंदी एलुए नुरमान के बीच यह घटना हुई। मैच शुरू होने से ठीक पहले नुरमान ने कार्लसन से सेल्फी की रिक्वेस्ट की। कार्लसन ने मुस्कुराते हुए इसके लिए हामी भर दी और तस्वीर भी खिंचवाई। सब कुछ सामान्य लग रहा था, लेकिन कुछ ही पलों बाद माहौल पूरी तरह बदल गया।सेल्फी लेने के बाद कार्लसन अपनी सीट से उठे और एक आर्बिटर (रेफरी) को लेकर लौटे। उन्होंने इशारा किया कि नुरमान के पास फोन है, जो नियमों के खिलाफ है। इसके बाद आर्बिटर ने नुरमान से उनका फोन ले लिया और फिर मैच शुरू हुआ।

भारतीय एथलीट श्रीशंकर का शानदार प्रदर्शन, लंबी कूद में जीता स्वर्ण पदक

बंगलूरू, एजेंसी। इस सत्र में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे मुरली श्रीशंकर ने शनिवार को शुरू हुई पहली इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में 8.15 मीटर की कूद लगाकर खिताब अपने नाम किया। एनसीओई त्रिवेंद्रम का प्रतिनिधित्व कर रहे श्रीशंकर ने अपने चौथे प्रयास में यह कूद लगाई। 2024 में घुटने की सर्जरी के बाद वापसी करने के बाद से यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछले सत्र में 27 वर्षीय इस खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.13 मीटर था।

ओलंपिक में हिस्सा नहीं ले सके थे

श्रीशंकर को घुटने की चोट के कारण हुई सर्जरी की वजह से 2024 पेरिस ओलंपिक से बाहर रहना पड़ा था। उन्होंने पिछले साल सितंबर में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया था, लेकिन फाइनल राउंड के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए थे। कांतीरवा स्टेडियम में श्रीशंकर मैदान में एकमात्र ऐसे एथलीट थे जिन्होंने आठ मीटर का आंकड़ा पार किया। बिहार के सनी कुमार 7.90 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कर्नाटक के पुरुषोत्तम 7.87 मीटर से तीसरे स्थान पर रहे।

बीसीसीआई के साथ संबंध सुधारने के लिए बीसीबी ने की खास बैठक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को भारत के साथ क्रिकेट संबंधों की समीक्षा के लिए एक बैठक की। इस बैठक में यह पुष्टि की गई कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को आगामी द्विपक्षीय दौरों और भविष्य में सहयोग के अवसरों के संबंध में औपचारिक संदेश भेजा गया है। इससे पहले, बीसीबी ने द्विपक्षीय दौरों और सीरीज के संबंध में बीसीसीआई को एक ईमेल लिखा था। आईसीसी के 'फ्यूचर टूर प्रोग्राम' के अनुसार, भारत को बांग्लादेश के खिलाफ एक सीरीज खेलनी है। भारतीय पुरुष टीम का सितंबर 2026 में बांग्लादेश का दौरा करने का कार्यक्रम है। इस दौरे में छह मुकाबलों की व्हाइट-बॉल सीरीज खेली जाएगी, जिसमें तीन वनडे और तीन टी20 मैच शामिल होंगे। यह दौरा पहले अगस्त 2025 के लिए निर्धारित था, लेकिन कार्यक्रम और सुरक्षा संबंधी मुद्दों के कारण इसे टाल दिया गया था। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को एक प्रस्ताव भेजे जाने के बाद अब दोनों बोर्डों के बीच अंतिम कार्यक्रम की पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। कुछ महीने पहले, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को निर्देश दिया था कि वह अपने 2026 के अपने स्क्वॉड से बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान (जिन्हें 9.2 करोड़ में खरीदा गया था) को रिलीज कर दे। इस फैसले से बांग्लादेश सरकार और जनता खुश नहीं थी, और बीसीबी ने इसका जवाब देते हुए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में अपनी टीम के मुकाबलों को भारत से हटाकर श्रीलंका में आयोजित करने की मांग की थी। बीसीबी ने इसके पीछे अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला दिया था।

हालांकि, बार-बार समीक्षा किए जाने के बावजूद, आईसीसी ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। आईसीसी ने कहा था कि बांग्लादेशी खिलाड़ियों के लिए किसी भी तरह के विश्वसनीय सुरक्षा खतरे के कोई संकेत नहीं हैं। इसके बाद बांग्लादेश ने टूर्नामेंट का बहिष्कार करने का फैसला किया था और उनकी जगह पर स्कॉटलैंड की एंट्री हुई थी। हालांकि, अंत में आईसीसी और बीसीबी के बीच हुई बातचीत के बाद मामला सुलझ गया था और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भारी जुर्माने से बच गया था। इसके साथ ही साल 2028 में एक आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने के अधिकार को भी नहीं छीना गया है। बांग्लादेश ने अपने देश में आईपीएल मुकाबलों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का भी फैसला किया था, हालांकि, हाल ही में इस प्रतिबंध को हटा दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में पुलिस की आंख बन गए जागरूक नागरिक, 'ट्रैफिक प्रहरी' एप से हर दिन कर रहे 600 से ज्यादा शिकायतें

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में ट्रैफिक नियमों की लोग धज्जियां उड़ाते दिखते रहते हैं। इन पर लगाम की जिम्मेदारी यातायात पुलिस की है। लेकिन इनके साथ जागरूक नागरिक भी इन पर नजर रखते हैं। इन नागरिकों को ट्रैफिक प्रहरी एप के रूप में ऐसा मंच मिला हुआ है, जहां ये जमकर यातायात नियमों के उल्लंघन की शिकायतें कर रहे हैं और इन पर यातायात पुलिस चालान के रूप में कार्रवाई भी कर रही है। यानी ये यातायात पुलिस की आंख बन गए हैं। इस एप पर एक सितंबर 2024 से इस वर्ष 15 मार्च तक कुल 3,58,359 शिकायतें रिपोर्ट की गई हैं। यानी हर दिन औसतन 640 शिकायतें नागरिक इस एप पर भेज रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा 1,72,091 शिकायतें बिना हेलमेट वाहन चलाने की दर्ज की गई हैं। इसके बाद गलत दिशा में वाहन चलाने की 77,183 शिकायतें मिली हैं, जो सड़क हादसों की बड़ी वजह माने जाते हैं। ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, एप को अब तक 13,22,291 बार डाउनलोड किया जा चुका है, जबकि 9,01,617 से अधिक यूजर्स इससे जुड़ चुके हैं। यह संख्या इस बात का संकेत है कि जागरूक नागरिक उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवाज उठाने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ये आंकड़ा जागरूकता बढ़ने के संकेत तो देते हैं लेकिन साथ ही ये भी बताते हैं कि नियमों की अनदेखी करने वालों की संख्या भी अभी कम नहीं हुई है।

वीडियो और फोटो अपलोड कर दर्ज होती है शिकायत: इस एप की एक अहम विशेषता यह है कि गंभीर उल्लंघनों जैसे रेड लाइट जंपिंग और खतरनाक ड्राइविंग की रिपोर्टिंग मुख्य रूप से वीडियो के जरिए की जाती है, जिससे सबूत अधिक मजबूत और जांच प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है। वहीं अन्य उल्लंघनों की जानकारी फोटो के माध्यम से दी जाती है, जिससे कार्रवाई में तेजी आती है। इन फोटो और वीडियो की ट्रैफिक पुलिस जांच करती है और नियमों की अवहेलना सही पाई जाने पर चालकों को चालान भेजकर कार्रवाई की जाती है।

शिकायत करने वालों को मिलता है नकद पुरस्कार: नागरिकों को इस पहल से जोड़ने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने रिवार्ड सिस्टम भी लागू किया है। इसके तहत विभिन्न उल्लंघनों की रिपोर्टिंग पर 1 से 5 अंक दिए जाते हैं। हर महीने सबसे अधिक अंक हासिल करने वाले चार नागरिकों को क्रमशः 50 हजार, 25 हजार, 15 हजार और 10 हजार रुपये तक का नकद पुरस्कार दिया जाता है। इस प्रोत्साहन ने लोगों को जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया है।

दिल्ली में नजफगढ़ ड्रेन का होगा कायाकल्प, लॉन्च की गईं दो आधुनिक वीड हार्वेस्टर मशीनें

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में शनिवार को एक बड़ा कदम उठाया गया। नजफ़गढ़ ड्रेन स्थित पंजाबी बाग पुल (इस्कान मंदिर के पास) पर दो नई अत्याधुनिक वीड हार्वेस्टर मशीनों का जलावतरण किया गया। यह पहल केवल एक औपचारिक शुरुआत नहीं है, बल्कि पश्चिमी दिल्ली को दशकों से परेशान कर रहे जलभराव और गंदगी के संकट से निजात दिलाने का एक ठोस रोडमैप है। इस अवसर पर आयोजित कायर्क्रम में सांसद कमलजीत सहरावत, विधायक कैलाश गंगवाल, निगम पार्षद सुमन त्यागी और जिला अध्यक्ष चंद्रपाल बक्शी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि सरकार ऐसी व्यवस्थाएं विकसित करने पर जोर दे रही है जो दीर्घकालिक राहत प्रदान करें। गौरतलब हो कि सालों से नजफ़गढ़ ड्रेन में जमा गाद और जलकुंभी पानी के प्राकृतिक बहाव को रोकती रही हैं, जिससे मानसून के दौरान आसपास के इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है। शनिवार को उतारी गई ये मशीनें पानी पर तैरते हुए कचरे, प्लास्टिक और खरपतवार को काटकर उसे किनारे लगाने में सक्षम हैं।

दिल्ली में नकली खाने-पीने और रोजमर्रा के सामान का काला कारोबार

पुलिस की रेड में कई फैक्ट्रियों का खुलासा

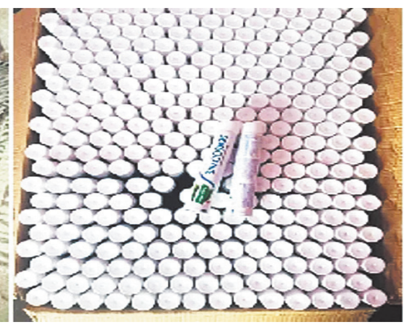

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में नकली खाद्य पदार्थ और दैनिक उपयोग के नकली उत्पादों का कारोबार तेजी से फैलता जा रहा है, जिससे लोगों की सेहत पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। हाल के दिनों में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीमों द्वारा की गई छापेमारी में कई ऐसी फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ हुआ है, जहां नकली ईनो, टूथपेस्ट, एक्सपायर हो चुकी कोल्ड ड्रिंक, बिस्किट और अन्य खाद्य उत्पादों को दोबारा पैक कर बाजार में बेचा जा रहा था। जांच में सामने आया है कि आरोपित इन उत्पादों को तैयार करने के दौरान घटिया और हानिकारक केमिकल्स का इस्तेमाल करते थे, जो मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। इन नकली उत्पादों का सेवन करने से लोगों को पेट से जुड़ी बीमारियों, एलर्जी और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, नकली और असली उत्पादों के बीच अंतर कर पाना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। आरोपितों द्वारा उत्पादों की पैकेजिंग इतनी बारीकी से की जाती है कि आम उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि कई बार अधिकारी भी धोखा खा जाते हैं। यही वजह है कि छापेमारी के दौरान संबंधित कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधियों को भी साथ रखा जाता है, ताकि मौके पर ही उत्पादों की सही पहचान की जा सके।

नकली टूथपेस्ट फैक्ट्री का हुआ था भंडाफोड़

नकली सेंसोडाइन टूथपेस्ट बनाने वाली फैक्ट्री का हुआ था भंडाफोड़ हाल ही में क्राइम ब्रांच ने बाहरी दिल्ली में नकली सेंसोडाइन टूथपेस्ट बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था। मौके से लाखों रुपये कीमत के नकली टूथपेस्ट, पैकेजिंग सामग्री और मशीनें बरामद की गई थीं। इस मामले में फैक्ट्री मालिक को गिरफ्तार किया गया था, जो पिछले सात महीने से नकली उत्पाद बना रहा था। इस नकली सेंसोडाइन टूथपेस्ट की पैकेजिंग बिल्कुल मूल पैकेजिंग जैसी हालांकि इसके टेस्ट में फर्क था, जिससे इसके नकली होने की पुष्टि हो सकी। उधर, दिल्ली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सामान खरीदते समय सतर्क रहें, उत्पाद की पैकेजिंग, एक्सपायरी डेट और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें।

कैसे होती है खाद्य उत्पादों की जांच

खाद्य उत्पादों की जांच दिल्ली सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा की जाती है, जो एफएसएसएआइ (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) के नियमों के तहत काम करता है। दिल्ली सरकार का खाद्य सुरक्षा विभाग नियमित निरीक्षण और सैंपलिंग करता है। फूड सेफ्टी अधिकारी खाद्य पदार्थों के नमूने लेते हैं और दोषी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई शुरू करते हैं। नमूने का विश्लेषण सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं में किया जाता है। इसके अलावा नियमों के उल्लंघन (जैसे एक्सपायरी डेट बदलना या मिलावट) पर जांच और छापेमारी की जाती है। कैसे करें नकली खाद्य उत्पादों की पहचान द्य नकली उत्पादों में अक्सर ब्रांड नाम या जानकारी में गलतियां होती हैं। असली उत्पाद की पैकेजिंग साफ और शार्प होती है, नकली में धुंधली या सस्ती प्रिंटिंग हो सकती है। द्य ब्रांड का लोगो थोड़ा बदला हुआ या गलत हो सकता है। द्य मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट को खुरचकर या ओवरप्रिंट करके बदला गया हो तो सावधान रहें। अगर डेट बहुत हाल की लग रही हो लेकिन पैक पुराना दिखे, तो यह नकली उत्पाद है। द्य हर खाद्य उत्पाद पर एफएसएसएआइ नंबर होना अनिवार्य है।

अर्थ वारियर्स ने शुरू की सिटिजन वाटर टेस्टिंग लैब, दिल्ली- एनसीआर में दूषित पानी पर लगेगी लगाम

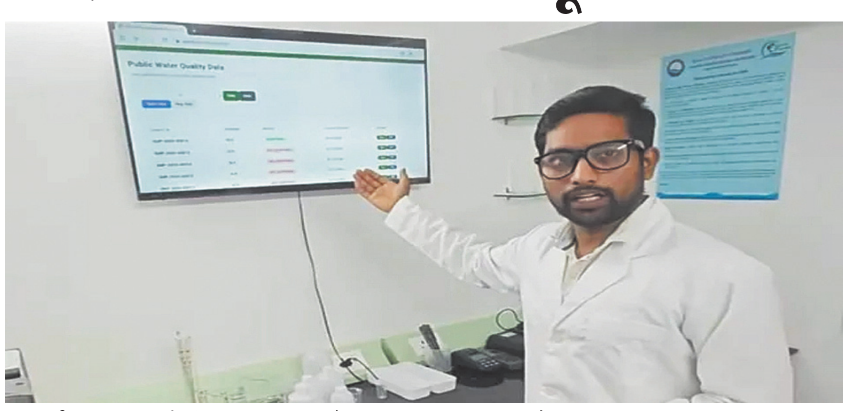

नई दिल्ली, एजेंसी। जनवरी में इंदौर में हुई घटना ने दूषित पानी से होने वाली समस्या की गंभीरता को उजागर किया। इसके बाद बाद नोएडा और दिल्ली से भी कई इलाकों में प्रदूषित पेयजल आपूर्ति की समस्याएं सामने आईं। इन घटनाओं के बाद अक्सर लोगों के मन में सवाल आता है, कि जो पानी हम पी रहे हैं सुरक्षित है भी या नहीं? दिल्ली समेत एनसीआर के लोगों की इस बड़ी चिंता के समाधान के लिए सतर्क नागरिक खुद आगे आए हैं। अर्थ वारियर्स संस्था ने पेयजल गुणवत्ता की जांच के लिए सिटिजन वाटर टेस्टिंग लैब शुरू की है। इसके जरिये आम लोग घरों में पानी की जांच करा सकेंगे। आए दिन लोग दूषित जलापूर्ति की गंभीर समस्या झेलते हैं और आरडब्ल्यूए व स्थानीय लोग बदबूदार, गंदे और सीवर युक्त पानी की आपूर्ति को लेकर विभागों से शिकायतें करते रहते हैं। ऐसे में घरों में पानी की गुणवत्ता को लेकर दुविधा होने पर लोग इस लैब की मदद ले सकते हैं। पानी में बदबू, रंग या स्वाद की समस्या होने पर पानी के नमूने की फोटो वाट्सएप नंबर 8796062203 पर भेजनी होगी। इसके बाद लैब के सदस्य संपर्क कर पानी के नमूने एकत्रित करेंगे। लैब में नमूनों की जांच के बाद भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) के अनुसार रिपोर्ट पोर्टल पर जारी की जाएगी।

दिल्ली में पांच नमूनों की जांच, मिले असुरक्षित

अर्थ वारियर टीम की ओर से पिछले 10 दिनों में दिल्ली-एनसीआर से कुल 21 पानी के नमूने एकत्रित किए गए हैं। दिल्ली की बात करें तो पांच नमूने विभिन्न इलाकों के सार्वजनिक स्थानों से लिए गए थे। सभी जगह फ्री रेसिडुअल क्लोरीन (एफआरसी) 0.01 से 0.19 तक पाया गया है, जोकि 0.2 से 0.5 (एमजी प्रति लीटर) होनी चाहिए। इसके अलावा तीन नमूनों में टीडीएस (टोटल डिजाल्वड सालिड्स) की मात्रा 535, 854 और 1061 तक पाई गई, जोकि मानकों से ज्यादा है।

दिल्ली में पार्किंग विवाद में महिला सब-इंस्पेक्टर ने बुजुर्ग दुकानदार को जड़ा थप्पड़, लोगों ने किया हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी सेक्टर 7–8 की डिवाइडिंग रोड पर शनिवार की रात एक दुकान के आगे कार खड़ी करने को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान कार सवार महिला ने 78 वर्षीय एक बुजुर्ग दुकानदार को थप्पड़ मार दिया। जिसको लेकर आसपास के दुकानदार जमा हो गए। महिला के विरोध में हंगामा करने लगे। इस दौरान आरोपिता ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए अन्य दुकानदारों को भी धमकी देने लगी। मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपिता महिला चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है महिला पुलिसकर्मी ने अपना नाम सब–इंस्पेक्टर भारती तोमर बताया है। पुलिस ने पीड़ित बुजुर्ग दुकानदार के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन, दिल्ली के रामलीला मैदान में लाखों शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता के खिलाफ देशभर के शिक्षकों ने रामलीला मैदान में प्रदर्शन किया। टीचर फेडरेशन आफ इंडिया (टीएफआइ) के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में देश के विभिन्न राज्यों से लाखों शिक्षक शामिल हुए। रैली को संबोधित करते हुए टीएफआइ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि यह फैसला देशभर के करीब 20 लाख शिक्षकों की आजीविका पर संकट खड़ा कर रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि सुप्रीम कोर्ट निर्णय के भूतलक्षी प्रभाव (किसी कानून को पिछली तारीख से लागू करना) को खत्म करने के लिए कानून बनाया जाए और पहले से नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट दी जाए।
आंदोलन तेज करने की चेतावनी : रैली में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने भी शिक्षकों का समर्थन किया और आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री तक पहुंचाया जाएगा। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। दरअसल, शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून लागू होने के बाद वर्ष 2010 से शिक्षकों की नियुक्ति में टीईटी अनिवार्य किया गया था। हालांकि, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को भी दो वर्षों के अंदर टीईटी पास करना अनिवार्य कर दिया गया है।

जंग के बीच पैसा बनाने में जुटे ट्रंप के बेटे, खाड़ी देशों पर डाल रहे हथियार खरीदने का दबाव

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका और इजरायल–ईरान युद्ध के बीच तनावपूर्ण माहौल में एक नया विवाद सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनल्ड ट्रंप जूनियर पर खाड़ी देशों पर मिसाइल और ड्रोन सौदों में दबाव डालने का आरोप लगा है।
डोनल्ड ट्रंप जूनियर ने अपनी कंपनी के माध्यम से खाड़ी देशों को इंटरसेप्टर ड्रोन और मिसाइल सिस्टम बेचने की कोशिश की है। पेंटागन के दस्तावेजों में यह खुलासा हुआ है कि ट्रंप जूनियर की कंपनी पॉलराइड स्थित ऑटोनॉमस ड्रोन कंपनी पावस में प्रमुख निवेशक है।

यह कंपनी अमेरिका–ईरान युद्ध के दौरान खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने के लिए ड्रोन और मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति करने में सक्रिय बताई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि ट्रंप जूनियर व्यक्तिगत रूप से कुछ खाड़ी देशों के अधिकारियों से संपर्क कर इन हथियारों की बिक्री पर जोर दे रहे हैं।
पेंटागन के ड्रोन फंड पर नजर : पेंटागन ने हाल ही में ड्रोन और मिसाइल डिफेंस के लिए करीब 10,201 करोड़ रुपये का विशेष फंड आवंटित किया है। इस फंड का उद्देश्य अमेरिकी सहयोगी देशों को उन्नत ड्रोन और इंटरसेप्टर सिस्टम उपलब्ध कराना है, ताकि वे ईरान और चीन–रूस गठबंधन से उत्पन्न खतरे का मुकाबला कर सकें।
ट्रंप जूनियर की कंपनी इस फंड से लाभ उठाने की तैयारी में है। सूत्र बताते हैं कि कंपनी ने खाड़ी देशों को ड्रोन सिस्टम बेचकर इस फंड का हिस्सा हासिल करने की रणनीति बनाई है।

ईरान युद्ध के बीच बढ़ी मांग: वर्तमान में इजरायल–ईरान संघर्ष के कारण खाड़ी देशों में सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं। कई देश अब उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम और ड्रोन इंटरसेप्टर की तलाश में हैं। डोनल्ड ट्रंप जूनियर की कंपनी पावस इन देशों को मध्य–पूर्व के सुरक्षा परिदृश्य के मुताबिक कस्टमाइज्ड ड्रोन समाधान पेश कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप परिवार की राजनीतिक स्थिति का फायदा उठाकर कंपनी नए सौदे हासिल करने की कोशिश कर रही है।

यूएई का पाकिस्तान को बड़ा झटका: ईरान को लेकर जताई नाराजगी, कहा- 2 अरब डॉलर का कर्ज तुरंत वापस करो

अबुधावी, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच यूएई ने बड़ा कदम उठाते हुए पाकिस्तान से 2 अरब डॉलर का कर्ज तुरंत वापस करने को कहा है। यह रकम पहले पाकिस्तान की आर्थिक मदद के लिए दी गई थी और लंबे समय से इसे हर साल आगे बढ़ाया जाता रहा था।

क्या है पूरा मामला?: रिपोर्ट के अनुसार, यह पैसा पाकिस्तान के स्टेट बैंक ऑफ़ पाकिस्तान में सुरक्षित जमा के रूप में रखा गया था। पाकिस्तान इस पर करीब 6त्न ब्याज भी दे रहा था। पहले यूएई इस कर्ज को हर साल आगे बढ़ा देता था, लेकिन दिसंबर 2025 के बाद से इसकी अवधि कम कर दी गई पहले 1 महीने और फिर 2 महीने के लिए। अब अप्रैल 2026 तक आते-आते यूएई ने इसे वापस मांग लिया है।

पाकिस्तान पर बढ़ेगा दबाव: पाकिस्तान के पास फिलहाल करीब 21 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, लेकिन इस रकम को लौटाने से उसकी आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ सकता है। दरअसल, इस वित्तीय वर्ष में पाकिस्तान को कुल 12 अरब डॉलर के कर्ज रोलओवर की जरूरत थी–

ईरान को लेकर नाराजगी : रिपोर्ट्स के मुताबिक, आबू धाबी पाकिस्तान की विदेश नीति से नाराज है। खासकर, मिडिल ईस्ट युद्ध में पाकिस्तान का ईरान के प्रति झुकाव यूएई को पसंद नहीं आया। इसी वजह से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है और भविष्य में मिलने वाली आर्थिक मदद भी खतरे में पड़ सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष पर बढ़ेगी निर्भरता: पाकिस्तान पहले से ही अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सहारे अपनी अर्थव्यवस्था संभाल रहा है। ऐसे में अगर खाड़ी देशों से सपोर्ट कम होता है, तो उसे और ज्यादा बाहरी कर्ज लेना पड़ सकता है।

इस्राइल ने ईरान-लेबनान में बरपाया कहर!

200 से ज्यादा ईरानी और 140 हिजबुल्ला के ठिकानों को बनाया निशाना

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्राइल के साथ ईरान के युद्ध को पांच हफ्तों से ज्यादा समय बीच चुका है। इस बीच इस्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने ईरान और लेबनान में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करते हुए 200 से अधिक ईरानी और लेबनान में 140 हिजबुल्ला संपत्तियों को निशाना बनाया। यह अभियान लंबी दूरी की मारक क्षमता और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के रक्षा नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से चलाया गया।

ईरान में सटीक हमले: आईडीएफ ने ईरान के भीतर कई महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें आईआरजीसी का एक केंद्रीय स्थल शामिल है, जहां विभिन्न प्रकार के हथियार संग्रहीत थे। आईआरजीसी की वायु रक्षा प्रणालियों को भी निशाना बनाया गया। इसके अलावा विमानों को निशाना बनाने के लिए बैलिस्टिक मिसाइलों के उत्पादन, भंडारण और विकास से संबंधित स्थलों पर भी हमले की पुष्टि की गई है।

लेबनान में हिजबुल्लाह पर कार्रवाई

लेबनान में आईडीएफ ने हिजबुल्ला के शीर्ष नेतृत्व और विशेष बलों के खिलाफ मुख्य रूप से हवाई हमले किए। लेबनान में लक्षित स्थलों में हिजबुल्ला का एक प्रशिक्षण स्थल और कई हथियार भंडारण व लॉन्चिंग साइटें शामिल थीं। आधिकारिक बयान के अनुसार, हिजबुल्ला के रदवान फोर्स मुख्यालय पर सफल हमले ने समूह की कमान संरचना को एक बड़ा झटका दिया है।

ईरान के औद्योगिक आधार पर गंभीर प्रहार

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पुष्टि की है कि इन हमलों ने ईरान के औद्योगिक आधार को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त किया है। उन्होंने बताया कि ईरान की 70 प्रतिशत इस्पात उत्पादन क्षमता नष्ट हो गई है, जिसका उद्देश्य आईआरजीसी को धन के स्रोत और बड़ी मात्रा में हथियार बनाने की क्षमता दोनों से वंचित करना है।
क्या है इस्राइल की भविष्य की रणनीति? : प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस कार्रवाई को एक जबरदस्त उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सहयोगियों के साथ मिलकर वे ईरान में आतंकवादी शासन को कुचलने का काम जारी रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस्राइल और अमेरिकी सेना के बीच पूर्ण समन्वय में ईरान को कुचला जाएगा। नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि ईरानी शासन वर्तमान में पहले से कहीं अधिक कमजोर है, जबकि इस्राइल पहले से कहीं अधिक मजबूत है।

हिंदू सम्मेलन में शामिल हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त सम्पर्क प्रमुख

कहाः आयोजन का उद्देश्य समाज को संगठित कर राष्ट्रहित में कार्य करना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दयानंद नगर के सेक्टर 4जी स्थित काली पूजा मैदान में शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सकल हिन्दू समाज द्वारा आज 'हिन्दू सम्मेलन' का आयोजन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय सनातनी परिवारों, विशेषकर मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख राजीव कमल बिट्टू ने आयोजन के लिए स्थानीय समाज का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संघ के लिए 'राष्ट्र प्रथम' की भावना सर्वोपरि है और इसका उद्देश्य समाज को संगठित कर राष्ट्रहित में कार्य करना है। उन्होंने 1925 में विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना से लेकर 100 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए संगठन के अनुशासन, परंपरा और सेवा भाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने शताब्दी वर्ष के 'पंच परिवर्तन' संकल्प-स्व का भाव, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य-को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज की एकता में जाति सबसे बड़ी बाधा है, जिसे दूर करना आवश्यक है। कार्यक्रम की शुरूआत विभिन्न धुनों में हनुमान चालीसा का पाठ से हुआ। दीप प्रज्ज्वलन के साथ मंचीय कार्यक्रम की शुरूआत हुई अमरजीत सिन्हा के साथ संस्कार भारती के कलाकारों द्वारा भक्तिमय भजन के गायन के पश्चात अगला कार्यक्रम रामचरितमानस पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उपस्थित जनों का भरपूर सहभागिता रही प्रश्नों का सही उत्तर देने वालों को उपहार के रूप में हनुमान चालीसा दिया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर समाज के लिए कुछ ना कुछ योगदान देने वाले वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में रमाकांत झा, एस एस चौधरी, विवेक सिंह, प्रमोद दुबे, अरूण कुमार सिंह, आदित्य के साथ काली मंदिर दुर्गा पूजा समिति, काली पूजा समिति, सेक्टर 4जी एवं मजदूर एकता क्लब, रविदास मोड़ प्रमुख रहे। सम्मेलन को सफल बनाने में शैलेश कुमार वर्मा, आर पी सिंह, अरूण कुमार, आदित्य कुमार सिंह, आदर्श कुमार, स्वरूप शेखर पाण्डेय, रघुवंश सिंह, अमरेश राय, अवध शर्मा, संजीव कुमार सिंह, मनोज झा, बी एन पाण्डेय, डी के मिश्रा, सिंहासन शर्मा, के कुमार, ए के वर्मा, दीनदयाल शर्मा, राजकुमार सिंह, अमर कुमार, कुंदन कुमार, पप्पू कुमार द्ववेदी, मुकेश कुमार, सुधीर कुमार, मोहनन नायर, प्रशांत कुमार एवं अघनू गोराई ने मुख्य भूमिका निभाई।

गैस सिलेंडर फटने से दो की मौत, दो अन्य की स्थिति नाजुक

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुनीडीह में बीती देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गैस कटर सिलेंडर अचानक जोरदार धमाके के साथ फट गया। बताया जा रहा है की घटना के वक्त वहां 8 से 10 लोग मौजूद थे। जैसे ही सिलेंडर फटा, उसकी गैस बेहद तेजी और भयावह तरीके से बाहर निकलने लगी, जिससे आसपास मौजूद लोगों की स्थिति गंभीर हो गई। दम घुटने जैसे हालात बन गए। चार लोग गैस की चपेट में आकर गंभीर रूप से प्रभावित हो गए। हादसे के तुरंत बाद सभी घायलों को इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां स्थिति बेहद नाजुक बनी रही। डॉक्टरों ने इलाज के दौरान दो लोग संजय यादव और एमडी अजहरुद्दीन को मृत घोषित कर दिया। वहीं एमडी अब्राहिम और एमडी इमामुद्दीन का इलाज अस्पताल में जारी है। संजय यादव के परिजनों ने बताया कि वह रात में अपने दोस्त के साथ काम कर के आयेगा

कहकर घर से निकले थे। देर रात करीब 1 बजे वह अचानक घर पहुंचे और तेज सांस फूलने, खांसी और बेचैनी की शिकायत करने लगे। परिजनों के अनुसार वह ठीक से बोल भी नहीं पा रहे थे। पूछने पर केवल इतना बताया कि गैस सिलेंडर फट गया। किस काम के लिए गए थे, यह स्पष्ट रूप से नहीं बता पाए। उनकी स्थिति तेजी से बिगड़ने लगी, मुंह से झाग भी निकलने लगा, जिसके बाद परिजन उन्हें SNMMCH लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसी हादसे में संजय के साथ मौजूद एक और व्यक्ति की भी मृत्यु हो गई, जबकि दो लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। वही पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही जांच शुरू कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

समाज को एकजुट करने को जुटा ब्रह्मर्षि समाज

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्वामी सहजानंद सरस्वती ब्रह्मर्षि समाज की बैठक आज रांची स्थित स्वागतम बैंकट हॉल में हुई। जिसमें समाज को एकजुट करने के लिए पूरे प्रदेश से प्रतिनिधि शामिल हुए। मुख्य रूप से समाज के सबसे नीचे स्तर के लोगों को भी साथ लेकर समाज को विकसित करने का निर्णय लिया गया। इसमें मुख्य रूप से संगठन विस्तार पर गहन

चर्चा हुई। पूरे प्रदेश से प्रखंड स्तर तक संगठन की विस्तार पर चर्चा हुई। इसमें समाज के सभी सदस्यों का विचार लिया गया। मुख्य रूप से डा रविंद्र राय पूर्व सांसद शिव कुमार सिंह, राम कुमार चौधरी, अनिल सिंह, अरुण कुमार शर्मा, अध्यक्ष स्वामी सहजानंद सेवा समाज चास बोकारो, राकेश कुमार मधु, जयशंकर सिंह, सुजीत सिंह, शेखर सिंह, अशोक सिंह, सीमा शर्मा, मनोज पांडेय (बबलू), ज्ञानेश्वर पांडेय, सहित सैकड़ों लोग अपने विचार रखे।

बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन के वनभोज में शामिल हुए निदेशक प्रभारी

कहाः आयोजन के अनुसार ही वक्तव्य भी रखा जाना चाहिए

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन के द्वारा आज सिटी पार्क स्थित वन भोज स्थल में मिलन सह वन भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बोकारो

स्टील के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन शामिल हुए। प्रिय रंजन की उपस्थिति में बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष रघुनाथ महतो ने ठेका मजदूरों से लिए जाने वाले कट मनी सहित विस्थापितो के मुद्दों को पुरजोर तरीके से रखा। निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने कहा कि मैं वन भोज समझकर यहां आया था, लेकिन कई ऐसी बातों को रखा गया जो नहीं रखना चाहिए था। उन्होंने भोजन और खाने से संबंधित कुछ बातों को रखने के बाद वहां से निकल गए। वही कार्यकारी अध्यक्ष और महामंत्री ने कहा कि हम लोग मजदूर की बात करते हैं और मजदूरों के बात को ही रखने का काम करते हैं। हम लोग दूसरे यूनियन की तरह बोकारो स्टील की दलाली नहीं करते और ठेका लेने का भी काम नहीं करते। हमने अपनी बातों को रखा है वह जल्दी चले गए क्योंकि उन्हें कहीं जाना था।

हाड़ी जाति समाज सुधार समिति की बैठक संपन्न

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। न्यू टाउन हॉल में हाड़ी जाति समाज सुधार समिति की बैठक हुई । जिसमें समिति के विस्तार एवं अन्य विषयों

पर विचार विमर्श किया गया। आगामी 14 अप्रैल बाबा साहब की जयंती पर गोधर सिमरियाटांड़ में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया । इस बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष किशोर हाड़ी, कार्यकारी अध्यक्ष कार्तिक हाड़ी, महासचिव बूचू हाड़ी, कोषाध्यक्ष विजय हाड़ी, जिला युवा अध्यक्ष बिनोद हाड़ी, उपाध्यक्ष मनोज हाड़ी, सचिव दिनेश हाड़ी, संगठन सचिव भरत हाड़ी, प्रवक्ता सुधीर हाड़ी, सह सचिव राजू हाड़ी सूचना मंत्री विकाश हाड़ी थे ।

विधायक बेरमो जय मंगल सिंह के भतीजे को उपायुक्त ने दी श्रद्धांजलि

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विधायक बेरमो, जय मंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह के भतीजे स्व. अमीत सिंह उर्फ राजू के आकस्मिक निधन पर क्षेत्र में शोक व्याप्त है। इस दुःखद अवसर पर रविवार को उपायुक्त श्री अजय

नाथ झा ने करगली, बेरमो स्थित उनके आवास पर पहुंचकर दिवंगत आत्मा को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उपायुक्त ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। \ उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए नमन किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल दें।

यह अंतिम उपलब्धि नहीं, एक नई शुरूआत है : विधायक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया राष्ट्रीय जनजातीय खेल एवं चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय रिले चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चंदनकियारी के खिलाड़ियों ने न केवल जिले बल्कि पूरे राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को रविवार को गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक एवं उपायुक्त अजय नाथ झा द्वारा पौधा झअंग वस्त्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सभी खिलाड़ियों के साथ जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, कोच आशु भाटिया व खेल मित्रों को भी सम्मानित किया गया।

यह अंतिम उपलब्धि नहीं, एक नई शुरूआतः विधायक

मौके पर विधायक उमाकांत रजक ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सफलता उनकी यात्रा का अंतिम उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है। उन्होंने कहा कि आपकी उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि सीमित संसाधनों के बावजूद मजबूत इच्छाशक्ति से बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। अब लक्ष्य और ऊंचा रखें और देश के लिए खेलें। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास बनाए रखने की सलाह दी। विधायक ने खिलाड़ियों को व्यावहारिक सुझाव देते हुए कहा कि वे बालू (रेत) में दौड़ लगाकर अभ्यास करें, जिससे उनकी ताकत, संतुलन और सहनशक्ति में वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, उपकरण और अन्य आवश्यक संसाधनों की हर संभव सुविधा प्रदान करेगा।

आंधी की तरह बढ़ें आगेः उपायुक्त

मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को सीमित नहीं रखें, बल्कि आंधी की तरह आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि आप सभी जिले की पहचान हैं। अब आपका लक्ष्य राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय स्तर होना चाहिए। बड़े खिलाड़ियों के खेल को देखें, उनसे सीखें और खुद को उस स्तर तक तैयार करें।

असफलता अंत नहीं, सीखने का अवसर

उपायुक्त ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में हार - जीत

असफलता से टूटना नहीं, पार्टिसिपेशन महत्वपूर्ण हैः उपायुक्त

दोनों महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि असफलता से कभी टूटना नहीं चाहिए, भागीदारी ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही अनुभव आगे चलकर सफलता का आधार बनता है। कहा कि वे अपने प्रदर्शन को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रखें, बल्कि जिला - राज्य और देश का नाम रोशन करने के लक्ष्य के साथ खेलें।

प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन

इन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कीं। जिसमें शिव कुमार सोरेन- 100 मीटर, 200 मीटर एवं 4.100 मीटर मिश्रित रिले में स्वर्ण पदक, नेहा खालखो - 10,000 मीटर वॉक में स्वर्ण पदक, आशा किरण बरला झ 4.400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक, अरश्नान अली- 4.100 मीटर मिश्रित रिले में स्वर्ण एवं 4.100 मीटर में कांस्य पदक, दीपक टोप्पो - 4.100 मीटर रिले में रजत पदक, अनामिका उरांव झ 200 मीटर में रजत पदक, जैकलिन खेस- 4.400 मीटर रिले में कांस्य पदक शामिल है। उधर, जगदीश उरांव - 10,000 मीटर वॉक (5वां स्थान), आरती मेहता एवं सपना कुमारी - 4.100 मीटर रिले (4था स्थान) एवं हीरा सांगा झ 5000 मीटर (4था स्थान)। इन खिलाड़ियों ने भले ही पदक न जीता हो, लेकिन अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से उन्होंने अपनी प्रतिभा और क्षमता का मजबूत परिचय दिया।

संघर्ष, समर्पण और सफलता की कहानी

इन सभी खिलाड़ियों की सफलता उनके वर्षों के कठिन परिश्रम, अनुशासन और संघर्ष का परिणाम है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी बाधा सफलता के मार्ग में रुकावट नहीं बन सकती। जिला प्रशासन ने खिलाड़ियों के समग्र विकास के लिए हर संभव सहयोग देने का संकल्प दोहराया। प्रशिक्षण सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। मौके पर एनडीसी प्रभाष दत्ता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

किशोर किशोरी के साथ बाल विवाह पर इंटरफेस मीटिंग का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सहयोगिनी सभागार बहादुरपुर में किशोर किशोरियों के साथ बाल विवाह रोक थाम पर इंटरफेस बैठक की गई। इस बैठक में तीन पंचायत के गररी, तेलमुंगा, धधकिया, पोंडा, मोचरो, सोनपुरा, सोनहर, खूंटा, पिपराडिह,

कमलापुर, सिलिलिसाडम से 40 किशोर किशोरियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान बाल विवाह क्या है, बाल विवाह के दुष्परिणाम ,बाल विवाह कानून एवं बाल विवाह निषेध पदाधिकारी की ज़िम्मेदारी पर विस्तार से चर्चा किया गया। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति के साथ कानूनन अपराध है। जो भी व्यक्ति बाल विवाह करवाता है ,या बाल विवाह मे शामिल होता है उन सभी सजा के हकदार है। पंडित, मौलवी, टेंट वाला, बाजा वाला, बाराती, परिवार वाले पर बाल विवाह अधिनियम 2006 के तहत आर्थिक जुर्माना एवं दो साल की सजा या फिर दोनो हो सकता है। बाल विवाह होने से बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित हो जाते है। खेलने कूदने की उम्र मे घर की जिम्मेदारी आ जाती है। शारीरिक तथा मानसिक रूप से प्रभावित हो जाते है। बाल विवाह पीड़ित घरेलू हिंसा के भी शिकार हो जाते है । स्वस्थ संबंधित समस्या बढ़ जाती है। लड़कियां एनीमिया की शिकार हो जाती है । कभी कभी जच्चा और बच्चा दोनो की जान को खतरा होता है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह न करे ,ना किसी का होने दे । अगर बाल विवाह की जानकारी किसी को मिलती है तो सरकारी हेल्पलाइन नंबर 1098 या 112 मे फोन कर के जानकारी दे। कार्यक्रम समन्वयक कुमारी किरण, लाबणी घोष तथा मंजू देवी ने किशोर किशोरियों के बीच समूह चर्चा कर तथा ऑडियो वीडियो के माध्यम से प्रशिक्षण दिया।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य बने मंजूर अंसारी, हुआ स्वागत

अल्पसंख्यक व जमीनी कार्यकर्ताओं की अनदेखी से क्षेत्रीय दलों का उदय : मंजूर अंसारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी ने कहा कि कार्यकताओं और पार्टी नेतृत्व के बीच बढ़ती दूरी के कारण ही क्षेत्रीय दलों का उभार हो रहा है, जो पार्टी के लिए नुकसानदायक है। बोकारो परिसदन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने यह बात कही। यह अवसर उन्हें कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय एडवाइजरी काउंसिल का सदस्य बनाए जाने पर आयोजित स्वागत समारोह का था। उन्होंने कहा कि 1980 के

दशक के बाद से कांग्रेस ने विशेष रूप से अल्पसंख्यकों की अनदेखी की है। पार्टी के समर्पित कार्यकताओं से नेतृत्व ने दूरी बना ली, जिससे संगठन कमजोर हुआ। इस दूरी का असर यह हुआ कि कार्यकताओं और मतदाताओं पर पार्टी की पकड़ धीरे-धीरे कम होती गई। श्री अंसारी के अनुसार, जब जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता उपेक्षित महसूस करते हैं, तो वे या तो निष्क्रिय हो जाते हैं या अन्य विकल्पों की ओर रुख करते हैं। इसी स्थिति का लाभ क्षेत्रीय दलों ने उठाया और उन्होंने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर कांग्रेस को फिर से मजबूत बनना है, तो उसे अपने कार्यकताओं से जुड़ाव बढ़ाना होगा और अल्पसंख्यकों सहित सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देना होगा।

बेकाबू बालू ट्रैक्टर का कहर दुकान में घुस 5 लोगों को कुचला, स्थिति नाजुक

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र के फतेहपुर मोड़ पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क

हादसे ने इलाके में सनसनी फैला दी। तेज रफ्तार और अनियंत्रित बालू लदे ट्रैक्टर ने सड़क किनारे स्थित एक दुकान में घुसकर वहां बैठे पांच लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में सभी पांचों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज नजदीकी निजी अस्पताल में जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर पोखरिया की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा था। अचानक चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और ट्रैक्टर सीधे सड़क किनारे बनी दुकान में जा घुसा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दुकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और वहां बैठे लोग बालू और मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने बहादुरी दिखाते हुए राहत और बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद मलबे और बालू में दबे सभी घायलों को बाहर निकाला गया। स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में तेज रफ्तार बालू लदे ट्रैक्टरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है और प्रशासन इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। काफी देर बाद जाम को हटाया गया और यातायात सामान्य हो सका।

माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर साहित्यिक परिचर्चा व कवि सम्मेलन का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सुप्रसिद्ध साहित्यकार माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर जोहार दर्पण साहित्यिक मंच द्वारा गैलेक्सी पब्लिक स्कूल, सेक्टर 9 में साहित्यिक परिचर्चा सह कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बोकारो सहित धनबाद, रांची, हजारीबाग आदि जगहों से आए कवि कवयित्रियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन साहित्यकार डॉ एन के राय, डॉ राशि सिन्हा, पंकज दास, बासु बिहारी, शिरोमणि महतो, अर्चना मिश्रा, अरुण पाठक, मनोज सुमन, शैलजा झा, शंभु झा आदि ने मां सरस्वती व माखनलाल चतुर्वेदी की तस्वीर पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलन कर किया। स्वागत भाषण में जोहार दर्पण साहित्यिक मंच के संस्थापक व अध्यक्ष पंकज कुमार दास ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस मंच का मुख्य उद्देश्य साहित्य के क्षेत्र में उदीयमान

साहित्यकारों व कवियों का उत्साहवर्धन एवं उनकी रचनाओं को नई पहचान दिलाना है। इस संस्था द्वारा समय-समय पर साहित्य से जुड़े कार्यक्रम आयोजन किए जाते हैं जिसमें स्थापित साहित्यकारों के साथ ही नये साहित्यकार भी शिरकत करते हैं। माखनलाल चतुर्वेदी जयंती समारोह दो सत्रों में आयोजित हुआ। प्रथम सत्र में माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में भारतीय आत्मा विषय पर परिचर्चा की गई। इस सत्र के अध्यक्ष डॉ एन के राय, विशिष्ट अतिथि डॉ राशि सिन्हा, डीएवी सेक्टर 6 की प्राचार्या अनुराधा सिंह, वरिष्ठ कवियत्री अर्चना मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि वक्ता शिरोमणि महतो ने अपने-अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी एक महान साहित्यकार व पत्रकार थे। सरल भाषा व ओजपूर्ण भावनाओं के रचनाकार माखनलाल चतुर्वेदी की कविताओं में देशप्रेम, प्रकृति व प्रेम का अनूठा चित्रण है। राष्ट्रीयता उनके काव्य का कलेवर और रहस्यात्मक प्रेम उसकी आत्मा है। उनकी रचनाएं आनेवाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करती रहेंगी। द्वितीय सत्र में काव्य पाठ का आयोजन किया गया। कवि कवयित्रियों ने हिंदी, मैथिली, खोरठा आदि भाषाओं में कविता, गीत, गजल सुनाकर श्रोताओं को घंटों बांधे रखा। कवि बासु बिहारी की अध्यक्षता व श्रवण कुमार के संचालन में आयोजित काव्य पाठ कार्यक्रम में श्याम सुंदर केवट रवि, शिरोमणि महतो, शांति भारत, स्मिता, संजय हजारीबागी, अनुराधा सिंह, करुणा कलिका, शैलजा झा, अरुण पाठक, मनोज उपाध्याय उर्फ सुमनजी, गंगेश कुमार पाठक, भोला सागर, त्रिवेणी महतो, ताराचंद महतो, अर्चना मिश्रा, नीलम झा, डॉ राशि सिन्हा, पंकज कुमार दास, रजतनाथ, गीता कुमारी, अमर कुमार प्रमाणिक, सुकुमार, प्रेमरंजन, ठाकुर दास नायक, श्रवण दत्त, देवेन्द्र धर, दीनानाथ ठाकुर आदि ने काव्य पाठ किया। सभी कवि कवयित्रियों को मंच की ओर से सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन गैलेक्सी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अब्दुल जब्बार अंसारी ने किया।

इस्ट जोन पिकलबॉल टूर्नामेंट के आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड पिकलबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बी सुधीर ने जानकारी दी कि रांची के इंडोर स्टेडियम खेल गांव में में 10 से 12 अप्रैल होने वाले ईस्ट जोन पिकलबॉल टूनार्मेंट के सफल एवं सुचारू संचालन हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। इस आयोजन की औपचारिक घोषणा ईस्ट जॉन पिकल बॉल टूनार्मेंट के आयोजक प्रभात कुमार के द्वारा की गई है। सभी सदस्यों को उनके अनुभव एवं क्षमता के अनुसार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। जिसमें आयोजन समिति में गौरव कुमार समन्वय एवं सम्पूर्ण संचालन सुमित कुमार बजाज प्रशासनिक कार्य एवं टीम समन्वय,संजय पांडे वित्तीय एवं प्रबंधन सहयोग,मनोज तिवारी ग्राउंड एवं संचालन सहयोग।तकनीकी समिति में अपूर्व कुमार मैच शेड्यूल एवं नियम निर्धारण,गौरव कुमार रेफरी एवं तकनीकी पर्यवेक्षण,राहुल कुमार मैच ड्रॉ, नियम एवं तकनीकी संचालन,रेफरी और स्कोरिंग सिस्टम की देखरेख।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

CMYK